THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 133 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.13/14 2080 सोमवार, 31 जुलाई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 : 8 रुपये

पाकिस्तान में आतंकी हमले में 35 लोगों की मौत

जमीयत उलेमा इस्लाम की रैली में ब्लास्ट, 200 घायल

पेशावर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य के बाजौर में रविवार को एक पॉलिटिकल रैली में ब्लास्ट हुआ। पुलिस ने इसे आतंकी हमला बताया है। पाकिस्तानी टीवी चैनल के मुताबिक 35 लोगों की मौत हो चुकी है और 200 लोग घायल हैं। घटना बाजौर की खार तहसील की है। यहां सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल जमीयत उलेमा इस्लाम फजल (जेयूआई-एफ) की रैली चल रही थी।

पार्टी ने कहा, 35 कार्यकर्ता मारे गए

इस रैली को जेयूआई-एफ के सीनियर लीडर हाफिज हमदुल्लाह संबोधित करने वाले थे, लेकिन वो किसी वजह से यहां पहुंच नहीं सके। बाद में मीडिया से बातचीत में हाफिज ने कहा, हमारे करीब 35 कार्यकर्ता इस ब्लास्ट में मारे गए हैं। मैं इस घटना की निंदा करता हूं। हमारे हौसले इस तरह के हमलों से कम नहीं होंगे।

हाफिज ने आगे कहा, इस तरह के हमले पहले भी होते रहे हैं। इनकी गहराई से जांच होनी चाहिए। हमें तो किसी तरह की सिक्योरिटी भी मुहैया नहीं कराई जाती। हम इस मसले को संसद में उठाएंगे।

फिदायीन हमले का शक

पुलिस के मुताबिक ब्लास्ट शाम करीब 4.30 बजे हुआ। इस वक्त रैली में काफी लोग मौजूद थे। माना जा रहा है कि हमलावर पार्टी समर्थकों के बीच ही मौजूद था। इसलिए इसे फिदायीन हमला माना जा रहा है।

जेयूआई-एफ के चीफ मौलाना फजल ने घटना के बाद प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से बातचीत की और उन्हें तफ्सील से जानकारी दी। सरकार ने घटना की जांच के आदेश भी दे दिए हैं। फजल ने समर्थकों से कहा, आप लोग फौरन अस्पताल पहुंचें और घायलों को खून मुहैया कराएं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी के मुताबिक यह हमला मुल्क को कमजोर करने की एक और साजिश है। सरकार आतंकियों से निपटने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

>14

शहीदों के सम्मान में 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान चलेगा : मोदी

इस साल भी हर घर फहराएं तिरंगा

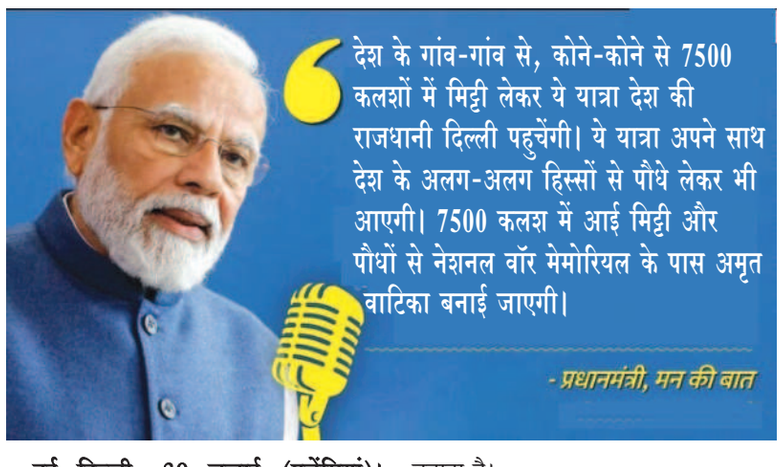

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी 30 जुलाई को मन की बात प्रोग्राम के जरिए देशवासियों से बात की। मन की बात के 103वें एपिसोड को सुबह 11 बजे टेलीकास्ट किया गया।

कार्यक्रम में पीएम मोदी ने शहीदों के सम्मान में 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान चलाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, आज देश में अमृत महोत्सव की गूंज है, 15 अगस्त पास ही है। शहीद वीर-वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान शुरू होगा। इसके तहत देश-भर में हमारे शहीदों की याद में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन विभूतियों की याद में, देश की लाखों ग्राम पंचायतों में विशेष शिलालेख भी स्थापित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले साल स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा अभियान' के लिए जैसे पूरा देश एक साथ आया था। वैसे ही हमें इस बार भी फिर से हर घर तिरंगा फहराना है और इस परंपरा को लगातार आगे बढ़ाना है।

देश के अलग-अलग हिस्सों से आई मिट्टी से बनेगी अमृत वाटिका

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अभियान के तहत देश-भर में 'अमृत कलश यात्रा' भी निकाली जाएगी। देश के गांव-गांव से, कोने-कोने से 7500 कलशों में मिट्टी लेकर ये यात्रा देश की राजधानी दिल्ली पहुचेंगी। ये यात्रा अपने साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से पौधे लेकर भी आएगी। 7500 कलश में आई मिट्टी और पौधों से नेशनल वॉर मेमोरियल के पास अमृत वाटिका बनाई जाएगी।

पीएम ने कहा, इस समय सावन का महीना चल रहा है। महादेव की आराधना के साथ सावन हरियाली और खुशहाली से जुड़ा होता है। इसका बहुत महत्व रहा है। सावन के झूले, सावन की मेंहदी, सावन के उत्सव। सावन का मतलब ही आनंद और उल्लास है।

इस आस्था और परंपराओं का एक पक्ष और भी है। ये हमें गतिशील बनाते हैं। शिव अराधना के लिए कितने ही भक्त कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं। 12 ज्योतिर्लिंगों पर भी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। बनारस पहुंचने वाले लोगों की संख्या रिकॉर्ड तोड़ रही है। हर साल वहां 10 करोड़ से ज्यादा पर्यटक पहुंच रहे हैं। अयोध्या, मथुरा और उज्जैन पहुंचने वालों की संख्या भी बढ़ रही है।

50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर बनाए जा रहे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, अभी 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर बनाने का काम चल रहा है। देशवासी पूरी जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ जल संरक्षण के लिए प्रयास कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में एक दिन में 30 करोड़ पेड़ लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। राज्य सरकार ने अभियान की शुरूआत की और लोगों ने इसे पूरा किया। ऐसे प्रयास जनभागीदारी के साथ जन जागरण के बड़े उदाहरण हैं। हम सब भी पेड़ लगाने और पानी बचाने के प्रयासों का हिस्सा बनें।

शहडोल में बन रहा है मिनी ब्राजील

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कुछ समय पहले मैं एमपी के शहडोल गया था। वहां आदिवासी भाइयों से मुलाकात हुई। पकरिया गांव के आदिवासियों ने प्रकृति और जल संरक्षण के लिए काम कर दिया है। 100 कुओं को वाटर रिचार्ज सिस्टम में बदल दिया है। बारिश का पानी इन कुओं में जाता है और वहां से जमीन में। सभी गांववालों ने 800 कुओं को रिचार्ज के लिए उपयोग में लाने का लक्ष्य बनाया है।

एमपी के शहडोल में विचारपुर गांव है, इसे मिनी ब्राजील कहा जाता है। ये गांव आज उभरते सितारों का गढ़ बन गया है। यहां मेरी मुलाकात इन खिलाड़ियों से हुई। विचारपुर गांव के मिनी ब्राजील बनने की यात्रा 2 दशक पहले शुरू हुई। यह कभी नशे का शराब का गढ़ था।

इसरो ने सिंगापुर के 7 सैटेलाइट लॉन्च किए

इसमें 360 किलो वजन वाला डीएस-एसएआर, जो हर मौसम में दिन-रात हाई रेजोल्यूशन तस्वीरें लेगा

श्रीहरिकोटा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से सिंगापुर की सात सैटेलाइट को आज सुबह 6.30 बजे लॉन्च किया गया। यह लॉन्चिंग 44.4 मीटर लंबे पीएसएलवी-सी56 रॉकेट से की गई है।

इसरो ने बताया कि लिफ्ट ऑफ के 23 मिनट बाद प्राइमरी सैटेलाइट अलग हो गया। इसके बाद बाकी 6 सैटेलाइट भी अलग हो गए और सभी अपनी ऑर्बिट में पहुंच गए। पीएसएलवी की यह 58वीं उड़ान थी। भेजे गए सात सैटेलाइटों में सबसे अहम 360 किलो का डीएस-एसएआर सैटेलाइट है।

सिंगापुर डीएसटीए और एसटी इंजीनियरिंग ने मिलकर बनाया डीएस-एसएआर सैटेलाइट :

डीएस-एसएआर सैटेलाइट को सिंगापुर की रक्षा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एजेंसी (डीएसटीए) और सिंगापुर के ही एसटी इंजीनियरिंग के बीच साझेदारी के तहत डेवलप किया गया है। सिंगापुर सरकार की विभिन्न एजेंसियों की उपग्रह से प्राप्त होने वाली तस्वीरों संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए इस उपग्रह का उपयोग किया जाएगा। डीएस-एसएआर में 'इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज' (आईएआई) के डेवलप किए गए 'सिंथेटिक अपर्चर रडार' (एसएआर) पेलोड हैं।

इस साल कई अहम मिशन लॉन्च करेगा इसरो

एस सोमनाथ बोले- अगस्त में फिर उड़ान भरेगा पीएसएलवी

बेंगलुरू, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) इस साल कई अहम मिशन लॉन्च करने जा रहा है। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने रविवार को इसकी जानकारी दी। बता दें कि इसरो ने रविवार को फिर से एक उपलब्धि हासिल करते हुए पीएसएलवी-सी56 रॉकेट से सिंगापुर के सात सैटेलाइट्स को सफलतापूर्वक विभिन्न कक्षाओं में स्थापित किया। इस दौरान इसरो अध्यक्ष ने बेंगलुरू स्थित मुख्यालय में इसरो के भविष्य के मिशन के बारे में जानकारी दी।

>14

वायुसेना ने लड़ाकू विमान तेजस को कश्मीर भेजा

घाटी में उड़ान की प्रैक्टिस कर रहे पायलट, यह इलाका चीन-पाकिस्तान बॉर्डर के चलते संवेदनशील

श्रीनगर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा एयरबेस पर हल्के लड़ाकू विमान तेजस एमके-1 को तैनात किया है। सेना का कहना है कि उनके पायलट्स घाटी में उड़ान का अनुभव इकट्ठा कर रहे हैं। कश्मीर, पड़ोसी देशों चीन-पाकिस्तान के लिहाज से संवेदनशील है। तेजस एमके-1 मल्टीरोल हल्का लड़ाकू विमान है जो वायुसेना को कश्मीर के जंगल और पहाड़ी इलाकों में और मजबूत करेगा।

भारतीय वायु सेना के पास मौजूदा वक्त में 31 तेजस विमान हैं। इसके अलावा, सेना जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अपने विमानों को ले जाती रहती है ताकि उन्हें हिमालय की घाटियों में उड़ान भरने का एक्सपीरियंस मिलता रहे। वेस्टर्न कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ एयर मार्शल पीएम सिन्हा ने 27 जुलाई को अवंतिपोरा एयरबेस का दौरा किया। तेजस के साथ उनकी यह तस्वीर वेस्टर्न कमांड के ट्विटर हैंडल ने शेयर की है। वेस्टर्न कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ एयर मार्शल पीएम सिन्हा ने 27 जुलाई को अवंतिपोरा एयरबेस का दौरा किया। तेजस के साथ उनकी यह तस्वीर वेस्टर्न कमांड के ट्विटर हैंडल ने शेयर की है।

भारतीय वायुसेना तेजस में ज्यादा कैपेबिलटीज जोड़कर इसका पुरजोर समर्थन कर रही है। वायुसेना ने पहले ही अपने दो स्क्वाड्रनों को इसके इनीशियल और फाइनल ऑपरेशन की मंजूरी दे दी है।

वहीं 83 मार्क1ए के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। ये सभी 83 विमान एक या दो साल में सेना को मिल जाएंगे।

हालांकि सेना की नजर डीआरडीओ में डेवलप किए जा रहे एलसीए मार्क-2 और एडवांस्टड मल्टीरोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट एएमसीए पर भी है। ये लड़ाकू विमान पहले से ही पाकिस्तानी और चीनी जेएफ-17 फाइटर जेट की तुलना में कहीं ज्यादा ताकतवर है। इसमें हैमर जुड़ने से यह विमान और ज्यादा हाईक्लास हो गया है।

पिछले पांच दशक में 400 से ज्यादा एमआईजी-21 विमान क्रैश होने की वजह से भारत सरकार इसे रिप्लेस करना चाह रही थी। तेजस, एमआईजी-21 की जगह लेने में कामयाब हुआ।

शाह ने कमलनाथ को करप्शननाथ, दिग्विजय को बंटाधार कहा

इंदौर में बोले- कांग्रेस ने धारा 370 को बच्चे की तरह पाला, मालवा से किया चुनावी शंखनाद

इंदौर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश में मालवा से बीजेपी के चुनावी अभियान का आगाज कर दिया है। उन्होंने रविवार को इंदौर में बीजेपी के विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। शाह ने कार्यकर्ताओं को 2023 और 2024 के चुनावी जीत का संकल्प दिलाया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। शाह ने पूर्व सीएम कमलनाथ को करप्शन नाथ और दिग्विजय सिंह को श्रीमान बंटाधार कहकर संबोधित किया।

इंदौर में विधानसभा नंबर दो स्थित कनकेश्वरी गरबा मैदान पर आयोजित संभाग के बूथ लेवल कार्यकर्ता सम्मेलन में शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 को कांग्रेस ने बच्चे की तरह सालों तक पाल रखा था। पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 खत्म कर कश्मीर को भारत से जोड़ने का काम किया है। मोदी सरकार आने पर पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकियों की धज्जियां उड़ाने का काम हमारी सेना ने किया है।

मोदी ने पूरी दुनिया में भारत का झंडा किया बुलंद

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने देवी अहिल्या को प्रणाम कर अपने संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या बाई ने गुलामी के अवशेष को मिटाने की पहल की थी। जिसे हमारे नेता पीएम मोदी आगे बढ़ा रहे है। पीएम मोदी ने पूरी दुनिया में भारत का झंडा बुलंद करने का काम किया है। वे कहीं भी जाए लोग मोदी-मोदी के नारे लगाते हैं।

मणिपुर का दौरा कर दिल्ली लौटे इंडिया के 21 सांसद : कहा- एक्शन जरूरी

इंफाल, 30 जुलाई (एजेंसियां)। विपक्षी गठबंधन इंडिया के 21 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल दो दिन का मणिपुर दौरा पूरा कर रविवार दोपहर दिल्ली लौट आया। एयरपोर्ट पर आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा, हम चाहते हैं कि मणिपुर में शांति बहाल हो। हमारी एकमात्र मांग है कि दोनों समुदाय सद्भाव से रहें। मणिपुर में स्थिति पीड़ादायक है। संसद में पहले ही चर्चा हो चुकी है कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को मणिपुर का दौरा करना चाहिए।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि एनडीए गठबंधन और पीएम मोदी को भी मणिपुर का दौरा करना चाहिए। उनके मंत्री दिल्ली में बैठकर बयान दे रहे हैं। उन्हें वहां की जमीनी हकीकत देखने के लिए मणिपुर का दौरा करना चाहिए। इसके पहले इन सांसदों ने मणिपुर की गवर्नर अनुसुइया उइके से मुलाकात की।

रिलीफ कैंप गए थे इंडिया के सांसद

सांसदों ने शनिवार को चुराचांदपुर के रिलीफ कैंप में हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने निर्वस्त्र घुमाई गई लड़की की मां से भी मुलाकात की। मां ने विपक्षी सांसदों से अपने बेटे और पति के शव देखने की बात कही। 4 मई को भीड़ ने थोंगबुल जिले में 3 महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाया था। एक लड़की के भाई और पिता की हत्या कर दी थी। 19 जुलाई को मामले का वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद मामले में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है।

सीबीआई ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की

इस बीच, मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने के मामले में सीबीआई ने शनिवार (29 जुलाई) को एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। केंद्र सरकार ने 27 जुलाई को मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की बात सुप्रीम कोर्ट को बताई थी। साथ ही हलफनामा दायर कर मामले की सुनवाई मणिपुर से बाहर कराने की अपील भी की थी।

ट्राइबल फोरम की चिट्ठी, हम साथ नहीं रह पाएंगे

मणिपुर दौरे पर गए विपक्षी संगठन इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के दल को इंडीजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने चिट्ठी लिखी है। इसमें बताया है कि तीन महीने से राज्य में जातीय हिंसा भड़की है। राज्य के सैन्यगार से हजारों हथियार लूटे गए हैं। राज्य के इकलौते हाईवे को बंद कर दिया गया है, जिसके चलते सबसे बड़े जिले चूराचांदपुर में रोजमर्रा की चीजों की कमी हो गई है।

इंडिया गठबंधन नाराज, महा विकास अघाड़ी को आपत्ति

फिर भी पीएम मोदी को अवॉर्ड देने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे एनसीपी चीफ शरद पवार

पुणे, 30 जुलाई (एजेंसियां)। एनसीपी प्रमुख शरद पवार की राजनीति अलग ही तरह की चलती दिख रही है। कहने को अजित पवार ने उनकी पार्टी में दो फाड़ कर दी है, कहने को अजित अब एनडीए से हाथ मिला चुके हैं, लेकिन फिर भी शरद पवार अपने पत्ते नहीं खोल रहे हैं। उल्टा उनकी तरफ से अब उस कार्यक्रम में हिस्सा लिया जा रहा है जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी को अवॉर्ड दिया जाना है।

असल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकमान्य तिलक अवार्ड दिया जाना है। उस कार्यक्रम में कहा जा रहा है कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार भी शिरकत करने जा रहे हैं। अब इस समय महाराष्ट्र की जैसी राजनीति चल रही है, जिस तरह से बीजेपी से तल्खी का दौर जारी है, उसे देखते हुए एनसीपी चीफ का फैसला कई लोगों को हैरान कर गया है। महा विकास अघाड़ी के कई नेता इस बात से नाराज बताए जा रहे हैं। उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के प्रवक्ता संजय राउत ने तो दो टूक कहा है कि शरद पवार का ये फैसला सही संदेश नहीं देने वाला है।

उनका कहना है कि जिस समय प्रधानमंत्री इंडिया को अपमानित कर रहे हैं, जिस समय उनकी पार्टी ने एनसीपी में दो फाड़ कर दी है, ये ठीक नहीं लगता अगर शरद पवार उस कार्यक्रम में हिस्सा लें जहां पर पीएम को सम्मानित किया जाना चाहिए।

>14

द्वारकाधीश मंदिर के ध्वज की संख्या बढ़ाने पर विवाद

समिति के फैसले से अबोटी ब्राह्मण नाराज * कहा- विवाद नहीं सुलझा तो कोर्ट जाएंगे

द्वारका, 30 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के द्वारका में स्थित विश्व प्रसिद्ध जगत मंदिर के शिखर पर रोज चढ़ाई जाने वाली ध्वजा की संख्या बढ़ाने पर विवाद खड़ा हो गया है। द्वारकाधीश मंदिर की समिति ने दिन में पांच की बजाए छह ध्वजा फहराने का फैसला लिया था।

वहीं, पिछले सैकड़ों वर्षों से मंदिर में ध्वजा चढ़ाने और पूजा व्यवस्था संभालने वाले अबोटी ब्राह्मणों ने इस फैसले पर विरोध जताया है। अबोटी ब्राह्मणों ने कहा है कि अगर समिति ने फैसला नहीं बदला तो वे इस मामले को कोर्ट में ले जाएंगे। अबोटी ब्राह्मणों ने समिति को लिखित में नोटिस देकर 72 घंटे में जवाब मांगा है।

अबोटी ब्राह्मणों का ध्वजारोहण पर एकाधिकार :

मंदिर में पिछले 800 सालों से पांच ध्वजा फहराई जा रही है। द्वारकाधीश की मंगला आरती सुबह 7.30 बजे, श्रृंगार सुबह 10.30 बजे, इसके बाद सुबह 11.30 बजे, फिर संध्या आरती 7.45 बजे और शयन आरती 8.30 बजे होती है। इसी दौरान पांच बार ध्वज चढ़ाया जाता है। मंदिर की पूजा आरती गुगली ब्राह्मण करवाते हैं। पूजा के बाद ध्वज द्वारका के अबोटी ब्राह्मण चढ़ाते हैं।

क्या था समिति का फैसला :

करीब 15 दिन पहले जिला कलक्टर एवं द्वारकाधीश मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अशोक शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में द्वारकाधीश जगतमंदिर के शिखर

पर प्रतिदिन छह ध्वजाएं फहराने का निर्णय लिया गया था। इसके साथ यह भी ऐलान किया गया है कि 1 नवंबर, 2023 से बुकिंग भी ऑनलाइन हो जाएगी।

मंदिर पर ध्वजा फहराने का अधिकार सिर्फ अबोटी ब्रह्माणों को मिला हुआ है। वे मंदिर की 150 फीट ऊंचे शिखर पर ध्वजा चढ़ाते हैं। उनका साफ कहना है कि ध्वजा की संख्या को उनसे कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया है। अबोटी ब्रह्माणों का कहना है कि ध्वजा फहराने का काम उनका है। इसीलिए इस फैसले को लेकर उनसे भी बात की जानी चाहिए थी।

छठवें ध्वज के लिए मासिक ड्रॉ निकाला जाएगा :

मंदिर समिति ने फैसला किया है कि स्वीकृत छठवें ध्वज को चढ़ाने के लिए गुगली ब्राह्मण समाज द्वारा उम्मीदवारों का चयन हर महीने की 20 तारीख को ड्रॉ के जरिए किया जाएगा। द्वारकाधीश मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य रमेशभाई हेरमा और मुरलीभाई ठाकर और कमलेशभाई शाह की उपस्थिति में ड्रॉ निकालने का निर्णय लिया गया था।

बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य की हालत नाजुक

कोलकाता, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ((79 साल) वेंटिलेटर पर हैं। शनिवार को उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई थी। जिसके बाद बुद्धदेव को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल उनकी हालत गंभीर, लेकिन स्थिर है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, रविवार सुबह अस्पताल के डॉक्टर ने बताया, उनके ब्लड में ऑक्सीजन की कमीं थी, जिसमें अब सुधार हुआ है ब्लड प्रेशर भी सही है। उन पर इलाज का असर हो रहा है, लेकिन अभी वे खतरे से बाहर नहीं हैं।

>14

उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को बताया 'चाइनीज', कहा- घंटा बजाना हमारा हिन्दुत्व नहीं

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ऊद्धव ठाकरे ने शाम मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ठाणे में हिंदी भाषी सम्मेलन किया। इस दौरान ठाकरे ने सीएम शिंदे पर जोरदार जुबानी तीर छोड़े। इस दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा कि कुछ लोग कुटनीति करते हैं राजनीति के लिए, अपने स्वार्थ के लिए। आज ये जोश देख कुछ लोगों के होश उड़ गए होंगे। कुछ लोगो को लगता है कि वही (शिंदे) मतलब ठाणे। शिंदे पर परोक्ष रूप से वार करते हुए ठाकरे ने कहा कि आजकल कुछ चाइनीज माल की तरह बोगस लोग हैं जो खुद को शिवसेना और उस से बड़ा समझते हैं। शिवसेना (यूबीटी) के चीफ उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं चुनौती को मौका

मानता हूं। शिवसेना ने उत्तर भारतीयों के लिए क्या किया, ये सवाल पूछते हैं? कुछ करता नहीं तो आप यहां आते नहीं। मैंने किसी के साथ दुजाभाव नहीं किया।

मंदिर में घण्टा बजाने वाले हिन्दू नहीं चाहिए

इस दौरान उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व के मुद्दे पर कहा कि मैं कांग्रेस के साथ गया। रात में मीटिंग कर नहीं गया, खुलेआम गया। गठबंधन बीजेपी ने तोड़ा। मैं तानाशाही को बर्दाश्त नही करुंगा। मैं इनके सामने नहीं झुकूंगा। मंदिर में घण्टा बजाने वाले नहीं, हमे आतंकियों को मारने वाले हिन्दू चाहिए। हमारा हिंदुत्व हृदय में राम और हाथों को काम ऐसा है। मणिपुर जल रहा है, क्या यही हिन्दुराष्ट्र है। आज की सरकार क्या धृतराष्ट्र है? जब महिलाओं को निर्वस्त्र किया। राष्ट्रपति तो महिला हैं, आपमें कुछ संवेदना है? राज्यपाल आपको कुछ संवेदना है कि नहीं?

पीएम ने 'इंडिया ' को इंडियन मुजाहिदीन कहा

ठाकरे ने कहा कि हम सारे विपक्ष की जो एकजुटता हुई उसको इंडिया नाम दिया। पीएम ने इंडिया को लेकर इंडियन मुजाहिदीन कहा। पीएम महाराष्ट्र आने वाले हैं। महाराष्ट्र में क्या अब गद्दारों और भ्रष्टाचारी लोगों के साथ मंच पर बैठेंगे? पीएम आप विदेश जाते हो तो इंडिया की बात करते हैं, इंडिया का नेतृत्व करते हैं, बताएं क्या आप इंडियन मुजाहिदीन का नेतृत्व करते हैं तो फिर कैसे बोल रहे? राम मंदिर बनेगा वो मंदिर मोदी जी ने नहीं बनाया। सुप्रीम कोर्ट ने बनाया। जब बाबरी गिराई तो बीजेपी वाले चूहे के बिल में घुसे थे। मैं अयोध्या गया था तब मैंने मांग की थी कि मंदिर के लिए कानून बनाओ। उन्होंने मंदिर के लिए कानून नहीं बनाया बल्कि आज लोकतंत्र को खत्म करने का कानून बनाया।

दूसरी पार्टी में रहे तो कीचड़, आपके साथ आये तो कमल

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ऊद्धव ठाकरे ने इस दौरान कहा कि मणिपुर में अमित शाह को भेजें और सारे दंगा फसाद करने वालों को बीजेपी में लो, मणिपुर शांत हो जाएगा। पीएम महाराष्ट्र में आ रहे। पहले कहा भ्रष्टाचार नहीं सहेंगे। अब सब भ्रष्टाचारी को साथ लिया। ये बीजेपी नहीं, भ्रष्टाचारी लोगो की पार्टी है। दूसरी पार्टी में रहे तो कीचड़, आपके साथ आये तो कमल। आपके विपक्ष में जो हैं, उन्हें इंडियन मुजाहिदीन कहते हैं, क्या मैं आतंकी हूं? ममता बैनर्जी, नीतीश कुमार आतंकी हैं? ये देश सिर्फ मोदी का नहीं बल्कि देश के गरीब का, हम सब का है। ठाकरे ने कहा कि हमें विकास चाहिए पर गुलामी नहीं। आप विकास का सपना दिखाकर गुलाम बनाएंगे तो हम नहीं सहेंगे। ठाणे में इतने गड्ढे हैं कि लगता है चांद पर खड़े हैं।

नहीं जागे तो देश नालायक लोगो के हाथों में जाएगा

उद्धव ठाकरे ने कहा कि कोरोना काल मे गंगा में लाशें बहाईं, चिताएं जलीं। महाराष्ट्र में एक भी शव की दुर्दशा मैंने नही होने दी। जो हुआ सच बताया। यूपी, उत्तर भारत से बीजेपी चुनाव के समय नेताओं को बुलाती, वो आपकी भाषा में बात करते और चुनाव होते ही निकल जाते। ऐसे लोगों के बहकावे में मत आओ। आप साथ आये हो तो हिंदुत्व की वज्रमुठ बने। हम मोदी या किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, हम तानाशाही के खिलाफ हैं। पहले मुगल आये, फिर अंग्रेज आये, एक दिन वो भी गए अब अपने घरवाले हमें गुलाम बनाने की कोशिश कर रहे हैं। गुलाम बनकर क्या आपको विकास चाहिए? ठाकरे ने कहा कि 2024 में नहीं जागे तो देश इन नालायक लोगो के हाथों में जाएगा।

दिल्ली के उद्योग नगर में जूता फैक्ट्री में लगी भीषण आग

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली के उद्योग नगर में रविवार को एक जूता फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। दमकल विभाग के मुताबिक, उसे घटना की जानकारी सुबह करीब 9 बजे मिली। कॉल मिलने के बाद आग बुझाने के लिए दमकल की एक दर्जन गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। अग्निशमन अधिकारी सरबजीत सिंह ने बताया कि 1100 वर्ग गज क्षेत्र में फैली यह फैक्ट्री मुख्य रूप से जूता उत्पादन में लगी हुई है। अधिकारी ने कहा, फिलहाल आग पर जल्द से जल्द काबू पाने के लिए 12 दमकल गाड़ियां हर तरफ से पानी की बौछार कर रही हैं। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

मोगा में पुलिस थाने के पास भिड़े दो गुट, जमकर चले लात-घूंसे और डंडे

मोगा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के मोगा सिटी थाना एक से 100 मीटर दूर युवकों ने जमकर गुंडागर्दी की। दो गुटों में जमकर बवाल हुआ। एक गुट दूसरे गुट के युवकों को बेरहमी से डंडों से पीट रहे हैं। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि नौ लोगों को चोट आई है। सभी को मोगा के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के मुताबिक एक गुट लेंडेक का रहने वाला है और दूसरा गुट गांव मोड़ है। शनिवार की रात दोनों गुट माथा ठेकने एक दरगाह गए थे। वापस आते वक्त में लोहरा चौक के पास पहले लड़ाई की। इसके बाद दोनों गुट रविवार की सुबह बस स्टैंड के पास भिड़ गए। दोनों ने गुटों ने एक-दूसरे पर लूट का आरोप लगाया है। इस मामले में मोगा सिटी 1 के एसएचओ दलजीत सिंह ने बताया दो गांव के कुछ नौजवान आपस में भिड़ गए। कुछ नौजवान घायल हैं। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया। घायलों के बयान के आधार पर करवाई की जाएगी।

कुलगाम से लापता हुआ सेना का जवान, कार में मिले खून के निशान

कुलगाम, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में एक भारतीय सेना का जवान गायब हो गया है। जवान के कार से खून के निशाना भी मिले हैं। इस बाबत सेना ने बड़े स्तर पर सर्च अभियान शुरू कर दिया है। सेना और पुलिस दोनों ही लापता हुए जवान का पता लगाने में जुट चुकी है।

बता दें कि परिजनों ने दावा किया है कि शनिवार की शाम से ही सेना का जवान जावेद अहमद वानी लापता है। परिजनों को वो कार भी मिली है जिससे वो घर गए थे। सेना के जवान की आयु 25 साल है जो कि लेह में तैनात थे।

भारतीय सेना का जवान लापता

रात 8 बजे से जावेद अहमद लापता हैं। उनकी कार को पारनहाल से बरामद किया गया है। बता दें कि वानी कुलगाम के अचथल क्षेत्र के रहने वाले हैं। अपहरण की सूचना मिलते ही भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन और घेराबंदी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि वानी अपनी कार से घर के लिए सामान लेने के लिए चौलगाम गए हुए थे। देर शाम तक जब वो घर नहीं लौटे तो परिजनों ने आसपास को गांवों में खोजबीन की।

कार में मिले खून के निशान

खोजबीन के दौरान वानी की कार पारनहाल के पास मिली। परिजनों का कहना है कि जब उन्होंने चेक किया तो कार को लॉक नहीं पाया।

वहीं कार के अंदर वानी की चप्पल और खून के निशान भी मिले थे। इसके बाद इस मामले की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद जब पता चला कि सेना का जवान गायब है तो भारतीय सेना ने भी इस मामले में दखल दिया और जम्मू कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर भारतीय सेना ने बड़े स्तर पर खोजबीन व घेराबंदी अभियान शुरू कर दी है।

परिवार से झगड़ा कर लुधियाना आई दिल्ली की लड़की, युवकों ने छह दिन तक किया सामूहिक दुष्कर्म

लुधियाना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की रहने वाली किशोरी अपने परिवार के साथ झगड़ा करने के बाद दोस्त को साथ लेकर लुधियाना पहुंच गई। यहां युवकों ने उन्हें होटल में कमरा दिलाने का झांसा दिया। कमरा दिलाने के बाद आरोपियों ने कई बार उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और वीडियो तक बना ली। जब किशोरी को उसकी मां की तबीयत खराब होने का पता चला तो वह दिल्ली पहुंची। आरोपियों की धमकियों से परेशान होकर किशोरी ने यह जानकारी परिवार को दी। परिवार ने साउथ दिल्ली पुलिस को शिकायत दी। इसके बाद जीरो एफआईआर दर्ज की गई। वहीं लुधियाना की थाना डिविजन दो पुलिस को जांच सौंपी गई। पुलिस ने किशोरी की शिकायत पर गौरव, मनीष और अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

2 केजी टमाटर के लिए दो नाबालिगों को रखा 'गिरवी', क्या है पूरा मामला

कटक, 30 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में टमाटर के दाम आसमान छू रहे हैं। टमाटर की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बाद तरह-तरह की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। ताजा घटना ओडिशा के कटक में सामने आई है। यहां पर एक शख्स ने दो किलो टमाटर के लिए दो नाबालिगों को एक सब्जी विक्रेता के यहां गिरवी रख दिया। सब्जी विक्रेता ने भी दोनों बच्चों को करीब दो घंटे तक बंधक बनाकर रखा। यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल, कटक में दो किलो टमाटर के लिए दो नाबालिगों को करीब दो घंटे तक बंधक बना कर रखा गया। यह घटना कटक के छत्र बाजार इलाके की है। नाबालिगों ने बताया कि एक शख्स उन्हें भुवनेश्वर से वॉशिंग मशीन को कहीं और शिफ्ट करने के लिए उन्हें 300 रुपये में लेकर आया था। उसके बाद वह शख्स टमाकर की दुकान पर गया और वहां पर 10 किलो टमाटर खरीदने की बात कही। बाद में उस शख्स ने छत्र बाजार की दुकान से दो किलो टमाटर खरीदे और कहा कि वह पैला लाना भूल गया है। उसने दोनों नाबालिगों को सुरक्षा के तौर पर सब्जी विक्रेता के यहां छोड़ दिया और कहा कि वह कुछ देर में पैसे लेकर आ रहा है। उसके बाद वह शख्स दो किलो टमाटर लेकर फरार हो गया। काफी देर तक जब शख्स नहीं आया तो दुकानदार ने दोनों नाबालिगों से पूछताछ शुरू की। पता चला कि वह दोनों लड़के उसका नाम तक नहीं जानते। नाबालिगों का आरोप है कि वह शख्स उन दोनों को फ्रिज उठाने के लिए भुवनेश्वर से तीन सौ रुपये देने की बात कहकर लाया था। नाबालिगों ने कहा कि वे उस व्यक्ति को न तो जानते हैं और न ही पहचानते हैं? पुलिस ने स्पष्ट किया कि व्यवसायियों ने थाने में शिकायत नहीं की है।

तटरक्षक बल ने समुद्र में डूब रहे आठ मछुआरों को बचाया समुद्री जहाज और हेलीकॉप्टर के जरिए किया रेस्क्यू

कोच्चि, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कोच्चि से 21 समुद्री मील पश्चिम में एक डूबते जहाज से भारतीय तटरक्षक जहाज अर्नवेश और एक हेलीकॉप्टर ने आठ मछुआरों को बचाया। अधिकारियों की ओर से शनिवार को इस बात की जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि मछली पकड़ने वाले जहाज आईएफबी मरियम के डूबने के बारे में जानकारी मिलते ही भारतीय तटरक्षक जहाज अर्नवेश तेजी से घटनास्थल पर पहुंचा। इस दौरान सभी 8 चालक दल के सदस्यों को बचाया, बाढ़

को नियंत्रित किया और नाव को फिर से चालू कर दिया गया। जनसंपर्क अधिकारी (रक्षा) कोच्चि ने कहा कि चालक दल को सुरक्षित रूप से नाव पर वापस स्थानांतरित कर दिया गया और आईएफबी मरियम को मुनंबम मछली पकड़ने वाले बंदरगाह तक ले जाया गया। भारतीय नौसेना जहाज खंजर ने बंगाल की खाड़ी से तीन जहाजों का सफल रेस्क्यू किया। जानकारी के मुताबिक, तमिलनाडु तट से 130 समुद्री मील दूर तीन मछली पकड़ने वाले जहाज खराब मौसम की वजह से फंस गए थे। इन जहाजों में करीब 36 भारतीय मछुआरे सवार थे। बिना ईंधन, जरूरी सामान की कमी और इंजन खराब होने के कारण जहाज के क्रू ने दो दिन बाद नौसेना से संपर्क किया।

मांड्या नहर में कार गिरने से 4 लोगों की मौत मेहमानों को आमंत्रित कर लौट रहा था परिवार

बैंगलुरू,30 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मांड्या से एक दुखद खबर सामने आ रही है। मांड्या के गमनहल्ली के पास विश्वेश्वरैया नहर में कार गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई है।

ये सभी चारों लोग अपने घर पर एक कार्यक्रम में मेहमानों को आमंत्रित करके लौट रहे थे। मांड्या एसपी एन यतीश ने कहा है कि अरकेरे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। एसपी मांड्या एन यतीश के मुताबिक मृतकों की पहचान संजना (17), ममता (45), महादेवम्मा (55) और रेखा (36) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि कार मांड्या जिले के गमनहल्ली गांव के पास विश्वेश्वरैया नहर में गिर गई थी। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अरकेरे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है। विश्वेश्वरैया नहर प्रमुख नहरों में से एक है जो कावेरी नदी पर केआरएस जलाशय से निकलती है। यह नहर एक प्रमुख सिंचाई परियोजना के लिए इस्तेमाल की जाती है, जो कर्नाटक के मैसूर और मांड्या जिलों के लिए पानी की सुविधा प्रदान करती है। इस नहर की परिकल्पना और निर्माण इंजीनियर एम। विश्वेश्वरैया द्वारा किया गया था।

दोस्तों के साथ पार्टी करने के लिए बेटे ने रची अपने ही अपहरण की साजिश

इंदौर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर में एक छात्र ने दोस्तों के साथ पार्टी करने के लिए 50 हजार रुपये पाने के लिए अपने ही अपहरण की साजिश रच ली। पुलिस से मिली जानकारी में बताया गया है कि देवास का रहने वाला आयुष बड़ोतकर इंदौर के विजयनगर में रहकर पढ़ाई कर रहा है। वह अपने दोस्तों के साथ पार्टी मनाना चाहता था और इसके लिए उसने अपने ही अपहरण की साजिश रची। इस बात का खुलासा पुलिस की जांच में हुआ है। विजयनगर थाना के थाना प्रभारी रविंद्र गुर्जर ने बताया कि देवास निवासी मुकेश बड़ोतकर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनका बेटा सुबह के समय कोचिंग के लिए निकला और रेसीडेंसी चौराह पर कुछ लोगों ने उसका अपहरण कर लिया और छोड़ने के एवज में 50 हजार रुपये की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच की और मोबाइल नंबर के आधार पर आयुष को ढूंढ निकाला। जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने के लिए पिता को कॉल किया था। बताया गया है कि आयुष के दोस्तों ने एक बंद कमरे में वीडियो बनाया था जिसमें दोस्त उसकी पिटाई करते दिख रहे थे

घर में सो रहे भाई-बहन को कोबरा ने डसा, हालत नाजुक, डोईवाला में हुई घटना से सहमे लोग

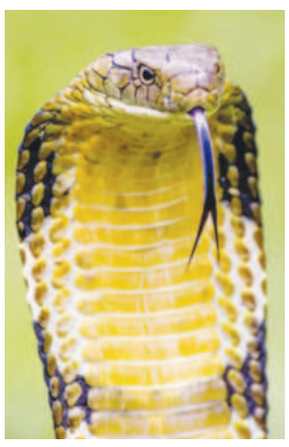

डोईवाला, 30 जुलाई (एजेंसियां)। घर में सो रहे मासूम भाई-बहन को सांप ने डस लिया। परिवारजनों ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां हालत नाजुक बनी हुई है। घटना से परिवार के लोग सहमे हुए हैं। नगर पालिका की पंचवटी कालोनी में अपराह्न चार बजे अरविंद पांचाल की साढे. चार वर्षीय बेटी आशी और तीन साल का बेटा शिवांश घर में सो रहे थे। इसी बीच जहरीला सांप घर में घुस आया। सांप ने आशी और उसके भाई शिवांश को काट लिया। परिवारजन दोनों को हिमालयन अस्पताल लेकर गए। वहां उनका उपचार चल रहा है। परिवारजनों की सूचना पर लच्छीवाला वन रेंज के कर्मचारी सांप को पकड़ने पहुंचे। कर्मचारियों ने सांप को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया।

दिल्ली-एनसीआर में फिर बढ़ेगा पारा, इन राज्यों में होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में कल मूसलाधार बारिश हुई थी। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी और उसके आसपास के इलाके का मौसम सुहाना हो गया था। तापमान में भी चार-पांच डिग्री की गिरावट दर्ज की गई थी। मगर आज से दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज फिर से बदलने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज से फिर दिल्ली-एनसीआर में फिर से तपिश बढ़ सकती है। आईएमडी ने अनुमान जताते हुए कहा है कि आज दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 डिग्री

और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। बता दें कि शनिवार को तेज बारिश के बाद दिल्ली में अधिकतम तापमान 31.6 और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इसके अलावा देश के अन्य हिस्सों में बारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

इन राज्यों में बारिश का अलर्ट

आईएमडी ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, नगालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और मणिपुर मं अगले दो से तीन दिनों के दौरान बारिश होने की संभावना जताई है।

राजस्थान के कई इलाके जलमग्न

राजस्थान में बारिश से बुरा हाल है। राजधानी जयपुर सहित अलग-अलग इलाकों में पिछले 24 घंटे से मूसलाधार बारिश होने की वजह कई इलाकों में जलभराव की समस्या हो गई है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले कुछ दिनों तक यहां और बारिश होगी।

तेलंगाना में भारी बारिश के कारण 18 लोगों की मौत

तेलंगाना में भारी बारिश और बाढ़ के कारण 18 लोगों की मौत हो गई है। तेलंगाना में पिछले कई दिनों से बारिश का सिलसिला जारी है। कई इलाके जलमग्न हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। राहत बचाव कार्य जारी हैं। बता दें कि यहां गोदावरी नदी उफान पर है। इस नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में कई स्थानों पर एसआईए का छापा

पुंछ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में कई स्थानों पर राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने मादक पदार्थ की तस्करी के मामले में रविवार को छापेमारी की। एक अधिकारी ने बताया कि मादक पदार्थ की तस्करी के मामले में रफीक लाला को चार महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। यह छापेमारी उससे जुड़े ठिकानों पर की जा रही है।

राहुल गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी केरल में करा रहे थे घुटने का इलाज

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को केरल के प्रसिद्ध कोट्टक्कल आर्य वैद्यशाला में आयुर्वेदिक कल्याण उपचार पूरा कराने के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गयी और वह दिल्ली के लिए रवाना हो गए। दरअसल, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष केरल के एक नामी आयुर्वेदिक संस्थान में घुटने का इलाज करा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, उन्हें भारत जोड़ो यात्रा के दौरान घुटने की समस्या हुई थी, जिसके इलाज के लिए वह केरल गए थे। राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा कि अस्पताल में कुछ दिन रहने के बाद वह तरोताजा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान देखभाल करने और स्नेह देने के लिए अस्पताल के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों का शुक्रिया अदा किया। कांग्रेस नेता ने फेसबुक पर अपने पोस्ट में लिखा, ''कोट्टक्कल में आर्य वैद्यशाला में मेरा प्रवास एक तरोताजा करने वाला अनुभव रहा है। इस दौरान मेरी देखभाल करने और मुझे स्नेह देने के लिए मैं डॉ। पी ।एम। वेरियर और उनकी टीम तथा अस्पताल के अन्य कर्मचारियों को हार्दिक धन्यवाद देता हूं।''

सामना: 'एनडीए में भी पांच दल 'इंडिया वाले', पार्टी के मुखपत्र में पीएम मोदी पर तंज, पूछा- ईस्ट इंडिया कंपनी के समय संघ कहां था?

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के नाम को लेकर प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी के तंज पर कांग्रेस समेत कई दलों के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पिछले हफ्ते पीएम मोदी ने विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की ईस्ट इंडिया कंपनी और इंडियन मुजाहिद्दीन से तुलना करते हुए कहा था कि इनके नाम में भी इंडिया है। इसके बाद से बीजेपी और विपक्ष के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। इसी बीच अब शिवसेना के मुखपत्र सामना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर पलटवार किया है। सामना में कहा गया है एनडीए में शामिल पांच दलों के नाम में इंडिया है तो अब इंडिया वाले क्या करेंगे? सामना में आगे कहा गया कि ईस्ट इंडिया कंपनी वाले व्यापारी बनकर आए और शासक बन गए, दिल्ली के गुजराती शासक भी व्यापारी हैं। सामना में आगे लिखा गया, ' ईस्ट इंडिया कंपनी से लड़ने के दौरान आज का संघ परिवार कहीं भी नहीं था। आजादी के लिए खून की एक बूंद भी बहाए बिना आज यह टोली आजादी के सारे फल चख रही है। विभाजन के समय जब बंगाल के नोआखाली में हिंसा हो रही थी, तब महात्मा गांधी निडर होकर उस आग में कूद गए थे।' मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर भी सामना में सवाल उठाया गया है। सामना में लिखा गया, 'आज मणिपुर जलने के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी न तो वहां जा रहे हैं और न ही बात करने को तैयार हैं। पीएम मोदी ने इंडिया गठबंधन को ईस्ट इंडिया कंपनी की उपमा दी। ईस्ट इंडिया कंपनी अंग्रेजों की एक व्यापारिक कंपनी थी और वे व्यापारी बनकर आए थे, लेकिन शासक बन गए। ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह दिल्ली के गुजराती शासक भी व्यापारी हैं।' मुखपत्र में कहा गया, 'हम व्यापारी हैं, ऐसा खुद प्रधानमंत्री मोदी ने स्वीकार किया है। व्यापारी होने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन व्यापार देश और जनता के हित में होना चाहिए। ईस्ट इंडिया कंपनी ने देश पर व्यापार के माध्यम से ही स्वामित्व हासिल किया था, लेकिन ईस्ट इंडिया कंपनी का व्यापार और उसे करने वाले लोग आज के राजनीतिक व्यापारियों जितने क्रूर नहीं रहे होंगे, अब ऐसा लगने लगा है।'सामना में आगे कहा, 'इंडिया मतलब दहशतगर्द, ऐसा पीएम मोदी कहते हैं, लेकिन उनके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में कम से कम पांच दलों के पास इंडिया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 31 जुलाई, 2023

सु वि चा र

जब कोई विचार विशेष रूप से दिमाग पर कब्जा कर लेता है तो यह वास्तविक भौतिक या मानसिक स्थिति में परिवर्तित हो जाता है।

बीसी को एक लाख की आर्थिक सहायता देना एक सतत प्रक्रिया : हरीश राव

सिद्दीपेट, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि जाति-आधारित व्यवसायों में लगे पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए वित्तीय सहायता योजना के तहत एक लाख रुपये का वितरण एक सतत प्रक्रिया होगी और इसे हमेशा जारी रखा जाएगा। मंत्री हरीश राव ने रविवार को यहां पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए वित्तीय सहायता योजना के तहत 300 पात्र लाभार्थियों को एक लाख रुपये के चेक वितरित किए। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना में जाति आधारित व्यवसायों को मजबूत करने के उद्देश्य से योजना शुरू की थी और बीसी से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की थी। हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार बीसी को बिना किसी गारंटी या दस्तावेज के अनुदान के रूप में सीधे एक लाख रुपये की पेशकश कर रही है। मुख्यमंत्री का उद्देश्य तेलंगाना में सभी वर्गों के लोगों का विकास करना है।

आगामी लोकसभा चुनाव में वैश्य समाज की भूमिका अहम होगी : डॉ. गिरीश कुमार संघी

समाज के लोगों से किया प्रदेश, जिला, तहसील और गांव स्तर पर सक्रिय रहने का आह्वान

चंदौसी, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी लोकसभा चुनाव में वैश्य समाज की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए मूलमंत्र देते हुए अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा के पूर्व सदस्य डॉ. गिरीश कुमार संघी ने आज कहा कि वैश्य समाज के लोगों को प्रदेश, जिला, तहसील और गांव स्तर हर महीने एक कार्यक्रम का आयोजन करें जिसमे परिवार सहित भाग लें और दूसरे समाज के लोगों को भी उसमें आमंत्रित करे। उन्होंने कहा कि अभी लोकसभा चुनाव होने में 10 महीने यानि 300 दिन बाकी है। कार्यक्रम के आयोजन का यह परिणाम निकलेगा कि प्रमुख राजनीतिक दल कार्यक्रम के आयोजकों से कहेगें कि हमारे समर्थन में वैश्य समाज की एक बैठक आयोजित कर दें। इससे हमारा राजनीतिक दलों पर हमारा दबदबा बढ़ेगा। डॉ. संघी संगठन की उत्तर प्रदेश इकाई की कार्यसमिति की दूसरे दिन बैठक को संबोधित कर रहे थे।

वैश्य समाज के लोगों को राजनीति तक सीमित नहीं रहने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि हम अपने बच्चों को ऐसी शिक्षा और प्रशिक्षण दें जिससे आमजन उनकी ओर आकर्षित हो। डॉ. संघी ने बताया कि क्रिकेट, सिनेमा, फोटोग्राफी और कला सहित हजारों क्षेत्र है, जिसमें वे अपना भविष्य बना सकते हैं और आमजन उनकी ओर अधिक आकर्षित होगा। उन्होने कहा कि हम लोग राजनीति को लेकर भ्रमित हो रहे हैं। जिले का कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी विधायकों को कोई तवज्जों नहीं देते हैं। हमारे लोग केवल अपनी जाति को लेकर चुनाव नहीं जीत सकते हैं। अपने समाज से बाहर नहीं निकलते है। चुनाव में विजय हासिल करने के लिए दूसरे समाज के लोगों को भी अपने साथ जोड़ना होता है।

डॉ. संघी ने कहा कि वैश्य की महिलाओं और पुरुषों को अपने स्वास्थ के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जवानी के समय वे स्वास्थ पर ध्यान नहीं देते हैं, लेकिन 60 साल की आयु प्राप्त करने के बाद में उन्होंने स्वास्थ पर सबसे अधिक धन खर्च करना पडता है।

बैठक में अगले तीन महीने के दौरान उत्तर प्रदेश इकाई ने करीब 1000 संरक्षक बनाने का निर्णय लिया। 1100 रुपये के शुल्क के साथ आजीवन सदस्य भी बनाये जायेगें। नवंबर महीने में संगठन की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक भी आयोजित करन का फैसला किया गया। सुबह डॉ. संघी ने संभल जिले के बहजोई के एसबीएम जुडो अकादमी के 15 बच्चों को पुष्प मालाए पहना कर सम्मानित किया। इस अकादमी कोच एकांश गुप्ता है। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सुधीर एस हलवासिया उत्तर प्रदेश जुडो के अध्यक्ष हैं।

उत्तर प्रदेश इकाई की कार्यसमिति की बैठक के दूसरे सत्र को अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री और हरियाणा के पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने संबोधित किया। प्रदेश के अध्यक्ष सुधीर एस हलवासिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्री हलवासिया ने कहा कि कार्यसमिति की बैठक में लिए गये निर्णय को शत प्रतिशत क्रियान्वनित किया जायेगा। प्रदेश के महामंत्री शैलेन्द्र अग्रहरी और भारत भूषण गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद विक्रम चौधरी सहित अन्य ने भी इस अवसर पर समाज को संगठित करने के बारें में अपने विचार रखे।

मौसमी बीमारियाँ : स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से किया सतर्क रहने का आग्रह

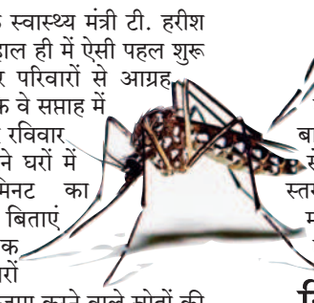

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों में हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य हिस्सों में लगातार बारिश ने पानी और वेक्टेरिया जनित बीमारियों में वृद्धि के लिए स्थिति पैदा कर दी है। मौसमी बीमारियों के फैलने के खतरे का मुकाबला करने के लिए, राज्य स्वास्थ्य विभाग ने शहरी केंद्रों में परिवारों से मच्छरों के प्रजनन से सावधानी बरतने और रविवार को शुष्क दिवस मनाने का आग्रह किया है। डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों में वृद्धि की संभावना को देखते हुए, राज्य स्वास्थ्य विभाग जीएचएमसी और जिलों में अन्य नगर पालिकाओं के साथ मिलकर सप्ताह में एक बार रविवार को सूखा दिवस लागू करने के लिए सहयोग कर रहा है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने हाल ही में ऐसी पहल शुरू की और परिवारों से आग्रह किया कि वे सप्ताह में एक बार रविवार को अपने घरों में 10 मिनट का समय बिताएं ताकि उनके घरों में पानी जमा करने वाले स्रोतों की पहचान की जा सके और उन्हें तुरंत खाली किया जा सके।

अधिकारियों ने परिवारों से अनुरोध किया है कि वे घर में इनडोर पौधे रखने वाले बर्तनों, एयर-कूलर, खाली नारियल के गोले आदि पर कड़ी नजर रखें और उनकी सामग्री को खाली कर दें। स्वच्छता घर से शुरू होनी चाहिए, जबकि राज्य स्वास्थ्य विभाग अपनी मानसून कार्य योजना को लागू करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि बाहर का रखरखाव ठीक से हो, अधिक व्यक्तिगत स्तर पर परिवारों को इस मानसून के मौसम के दौरान घर के अंदर सावधानी बरतनी चाहिए। मैं लोगों से सप्ताह में एक बार रविवार को शुष्क दिवस मनाने का आग्रह करता हूं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने कहा, उस दिन पानी रखने वाले स्रोतों की पहचान करने और उन्हें खाली करने के लिए 10 मिनट बिताएं।

टमाटर के दाम 200 रुपये प्रति किलो तक पहुंचे

मंचेरियल, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में टमाटर की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। अब रेट 200 रुपये प्रति किलोग्राम है। यह पिछले सप्ताह 150 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत के मुकाबले 50 रुपये अधिक है। व्यापारियों ने कहा कि स्थानीय किसानों से आपूर्ति की कमी के कारण वे कर्नाटक और अन्य राज्यों से टमाटर ला रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप कीमत में वृद्धि हुई है। राज्य में हुई भारी बारिश ने परिवहन और इसके परिणामस्वरूप टमाटर की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इस बीच गर्मी में आसमान छूने वाले चिकन के दाम में गिरावट आई है। अब यह 200 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक कीमत पर बिकता है। रविवार को मंचेरियल में चिकन का रेट 220 रुपये प्रति किलो है। एक स्थानीय विक्रेता ने हाल ही में लक्सेटिपेट में 100 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से मांस बेचा, जिससे 16 जुलाई को कई लोग उसकी दुकान पर इकट्ठा हो गए।

देर से घर आने वाली महिला ने डांटने पर कर दी पिता की हत्या

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देर रात घर आने के लिए डांटने पर एक महिला ने अपने पिता की हत्या कर दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला अफजलगंज में एक दुकान पर फल बेचती है और परिवार के साथ तुलसीरामनगर अंबरपेट में रहती थी। पिछले कुछ दिनों से महिला देर रात घर लौट रही थी जिसे लेकर उसके पिता ने उसे डांटा था। शनिवार रात भी महिला देर से आई जिसके बाद उसके पिता ने उसे डांटा। गुस्से में आकर महिला ने एक नुकीली चीज उठाई और अपने पिता का गला काट दिया। उस व्यक्ति को चोटें आईं और उसे इलाज के लिए उस्मानिया अस्पताल ले जाया गया। रविवार तड़के उनका निधन हो गया। अंबरपेट पुलिस ने मामला दर्ज किया।

सिंचाई टैंक में डूबा व्यक्ति, मौत

सूर्यापेट, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के जाजिरेड्डीगुडेम मंडल के रामन्नापेट में सिंचाई टैंक गुंडलागुंटा में एक व्यक्ति डूब गया। पीड़ित जाजिरेड्डीगुडेम गांव के पगिडिमारी राजू (40) की सिंचाई टैंक में दुर्घटनावश गिरने से मौत हो गई। वह रामन्नागुडेम में एक शराब की दुकान में काम करता था।

पुलिस के मुताबिक, राजू नेचर कॉल में शामिल होने के बाद पैर धोने के लिए सिंचाई टैंक में गया था। वह गलती से सिंचाई टैंक में फिसल गया जिसके परिणामस्वरूप यह घटना हुई। वह तैराकी से परिचित नहीं है. पीड़िता के शव को पोस्टमार्टम के लिए तुंगतुर्ती के सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

गोदावरी नदी अब भी उफान पर, तीसरी चेतावनी जारी

भद्राचलम, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम में गोदावरी नदी का जल स्तर अभी भी खतरनाक स्तर पर बह रहा है। गोदावरी नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी प्रवाह के कारण, रविवार सुबह जल स्तर 54.9 फीट तक पहुंच गया, जो तीसरे चेतावनी निशान से ऊपर है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को पहले ही सतर्क कर दिया गया है और उन्हें पुनर्वास केंद्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। दूसरी ओर, बाढ़ के पानी के कारण मुख्य सड़क अवरुद्ध होने के कारण तेलंगाना और छत्तीसगढ़ राज्यों के बीच वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई है। इस बीच, सरकारी मशीनरी हाई अलर्ट पर है और समय-समय पर स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है।

एसबीआई एटीएम से 23 लाख रुपये ले भागे चोर, हरियाणा गैंग पर शक

नलगोंडा, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के जिले के कट्टनगुर मंडल के अइतिपामुला में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक एटीएम का कैश चेस्ट काटकर चोर 23 लाख रुपये लेकर भाग गए। एटीएम कियोस्क में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के अनुसार, घटना में पांच लोग शामिल थे। वे मारुति ओमनी वैन में कियोस्क पर आए और मास्क पहने तीन व्यक्ति कियोस्क में दाखिल हुए, जबकि अन्य दो बाहर खड़े होकर पहरा दे रहे थे। फिर उन्होंने सीसीटीवी कैमरों पर काला पेंट छिड़क दिया और गैस कटर का उपयोग करके कैश चेस्ट को काट दिया और उसमें से 23 लाख रुपये चुरा लिए।

पुलिस के अनुसार, एसबीआई एटीएम एइतिपामुला में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 65 के किनारे स्थित है और इसमें दो मशीनें हैं, एक का रखरखाव व नकदी पूर्ति एजेंसी द्वारा किया जाता है और दूसरे का रखरखाव एसबीआई की स्थानीय शाखा द्वारा किया जाता है।

निजी एजेंसी द्वारा रखी गई मशीन से नकदी चोरी हो गई। चोरों ने दूसरी मशीन के कैश चेस्ट को काटने की कोशिश की, जिसमें 40 लाख रुपये थे, लेकिन असफल रहे। पुलिस ने कहा कि कियोस्क में अलार्म काम नहीं कर रहा था, जिसके कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस ने कहा कि बैंक के एक उच्च अधिकारी ने एक अन्य अलर्ट-आधारित निगरानी प्रणाली के माध्यम से प्राप्त चेतावनी के बाद शाखा प्रबंधक को सतर्क किया, और कहा कि क्लूज टीम ने चोरों द्वारा छोड़े गए उंगलियों के निशान और दो लोहे की छड़ें एकत्र की हैं। पुलिस निरीक्षक (नाकरेकल ग्रामीण) राघव राव ने कहा कि वे बैंक शाखा प्रबंधक वीरा बाबू की शिकायत के बाद मौके पर पहुंचे। हम जांच कर रहे हैं और दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 65 पर पंथांगी और कोरलापहाड़ में टोल प्लाजा से गुजरने वाले सभी वाहनों का विवरण उनके द्वारा इस्तेमाल की गई वैन की पहचान करने के लिए सत्यापित किया जा रहा है।

उधर, पुलिस को घटना में हरियाणा के किसी गिरोह का हाथ होने का संदेह है। गिरोह की कार्यप्रणाली नलगोंडा घटना में इस्तेमाल की गई पद्धति के समान है। एक साल पहले, हरियाणा के तीन सदस्यीय गिरोह ने इसी तरह से नलगोंडा शहर के मन्यामचेल्का में एक एटीएम केंद्र से चोरी की थी। पुलिस उनमें से एक को गिरफ्तार करने में सफल रही, हालांकि गिरोह के बाकी सदस्य भागने में सफल रहे।

नर्सिंग परीक्षा के उम्मीदवारों को परीक्षा समय से 90 मिनट पहले रिपोर्ट करना आवश्यक

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 2 अगस्त को आयोजित होने वाली स्टाफनर्स भर्ती परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों को परीक्षा शुरू होने से 90 मिनट पहले रिपोर्ट करना होगा और गेट बंद होने के समय के बाद उन्हें परीक्षा हॉल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी, भले ही वे एक मिनट की देरी से आए हों।

तेलंगाना राज्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा बोर्ड ने रविवार को कहा कि सुबह 9 बजे से शुरू होने वाली परीक्षा के लिए रिपोर्टिंग समय सुबह 7.30 बजे है और गेट बंद करने का समय सुबह 8.45 बजे है। दोपहर 12.30 बजे के सत्र के लिए, रिपोर्टिंग का समय सुबह 11 बजे है जबकि गेट बंद होने का समय दोपहर 12.15 बजे है। शाम 4 बजे के परीक्षा सत्र के लिए, रिपोर्टिंग समय दोपहर 2 बजे और गेट बंद होने का समय दोपहर 3.45 बजे है। बोर्ड ने उम्मीदवारों से परीक्षा के दिन परीक्षा केंद्र की खोज करने से बचने के लिए परीक्षा के लिए पिछले दिन अपने संबंधित केंद्रों पर जाने का आग्रह किया है। उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र के अंदर केवल हॉल टिकट, पेन (नीला/काला) और आईडी कार्ड ले जाना चाहिए। लगातार बारिश के कारण खम्मम में एक परीक्षण केंद्र प्रियदर्शिनी इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर वुमेन प्रभावित हुआ है। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि बोर्ड ने केंद्र को स्वर्ण भारती इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, खम्मम और खम्मम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में स्थानांतरित कर दिया है।

पुरुषोत्तम मास पर मुरलीधर मंदिर, हाईकोर्ट रोड में आयोजित श्री अष्टलक्ष्मी महायज्ञ में भाग लेते हुए पंडित संजय शर्मा, श्रीकिशन शर्मा, यज्ञ यजमान श्रीमती अनिता-सुभाष अग्रवाल, आरती यजमान मनीष अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल व अन्य श्रद्धालु।

शहर की पुलिसिंग से परिचित होकर बेहतर सेवा दें नए पुलिस अधिकारी : सीवी आनंद

चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश पर 163 से अधिक निरीक्षकों का तबादला

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधिकारियों के तबादले पर चुनाव आयोग द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्तालय में 163 से अधिक निरीक्षकों को स्थानांतरित कर दिया गया और इस संबंध में शहर पुलिस प्रमुख सीवी आनंद द्वारा आदेश जारी किए गए और उन्हें अपने नए स्थानों पर रिपोर्ट करने के लिए कहा गया। सिटी पुलिस के हालिया पुनर्गठन के बाद यह एक और बड़ा फेरबदल है। स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) और अन्य प्रमुख भूमिकाओं के लिए निरीक्षकों की उपयुक्तता पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सीपी आनंद ने सभी इंस्पेक्टरों और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और उन्हें कई निर्देश जारी किए। चूंकि कई नए अधिकारियों ने अन्य पुलिस इकाइयों से रिपोर्ट की है, इसलिए उन्होंने उन्हें हैदराबाद सिटी पुलिस के हालिया पुनर्गठन, बुनियादी ढांचे और पुलिसिंग परिवर्तनों के बारे में बताया जो मेगा सिटी पुलिसिंग योजना के हिस्से के रूप में किए गए थे। निवर्तमान अधिकारियों को नए अधिकारियों को परिस्थितियों, प्रशासनिक मुद्दों के बारे में जानकारी देने और उचित कार्यभार सौंपने के निर्देश दिए गए। उन्होंने शहर में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने नए अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्हें शीघ्र ही शहर की पुलिसिंग से परिचित होकर अच्छी सेवाएं देने के निर्देश दिए। मानव संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने के प्रयास में, शीर्ष अधिकारियों ने सभी पर्यवेक्षी अधिकारियों, विशेष रूप से नई इकाइयों के डीसीपी से निर्धारित कर्तव्यों के बारे में गहराई से जाने और तदनुसार प्रस्ताव प्रस्तुत करने का आग्रह किया। इस वर्ष सिटी पुलिस का आमूल-चूल परिवर्तन पुलिसिंग में उज्ज्वल बदलावों की शुरुआत करता है, जिसमें कई नए अधिकारी अग्रिम पंक्ति में हैं और सभी स्तरों पर बुनियादी उन्नयन, मानव शक्ति, सामग्री, नई इकाइयाँ और अन्य संसाधन प्रमुख उन्नयन हैं। उन्होंने कहा कि हमारे स्टाफ व अधिकारियों का कल्याण बहुत महत्वपूर्ण है। सभी जोनों में सख्ती से 3 शिफ्ट और पीएस की श्रेणी और कार्य भार के अनुसार निर्धारित कार्य है। संयुक्त आयुक्त प्रशासन, सीएआर और प्रशिक्षण ने भी प्रशासनिक मुद्दों, बेड़े प्रबंधन और आवंटन, और कर्मचारियों को तर्कसंगत बनाने के बारे में बैठक को संबोधित किया।

ट्रेन के आगे आ जीजा-साली ने दी जान, ट्रैक पर टुकड़े-टुकड़े बिखरे शव

बक्सर, 30 जुलाई(एजेंसियां)। बिहार के बक्सर जिले में जीजा और साली की खुदकुशी करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि दोनों ने चलती ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। इस खबर से पूरे इलाके में दहशत है। घटना की जानकारी मिलने के बाद बक्सर जीआरपी और आरपीएफ की टीम फौरन मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की विस्तार से तफ्तीश कर रही है। दोनों के शव दानापुर मुगलसराय रेलखंड पर कुशलपुर हाल्ट के पास एक मिले थे। बक्सर पुलिस दोनों के परिजनों से पूछताछ कर रही है लेकिन सही कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

'विपक्षी दलों की बैठक के लिए मुंबई न आएं सीएम नीतीश कुमार' रामदास आठवले ने क्यों दी ऐसी सलाह

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ 'अच्छे संबंधों' के बावजूद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनता दल (यू) के राजग से बाहर निकलने पर अफसोस जताया और कुमार को अगले महीने होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में शिरकत नहीं करने की सलाह दी। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के नेता आठवले ने कहा, ''कोई फायदा नहीं है।'' उन्होंने कहा कि मेरी नीतीश के लिए यही सलाह है कि वह बैठक में भाग लेने से दूर रहें। गैर भाजपा दलों के गठबंधन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की मुंबई में अगले

महीने बैठक होने की संभावना है। इस महीने की शुरुआत में बेंगलुरु में हुई बैठक में नये नाम की घोषणा के बाद मीडिया के एक हलके में लगायी गई अटकलों का जिक्र करते हुए आठवले ने कहा, ''ऐसा लगता है कि वह उस खेमे में खुश नहीं हैं। वह उपनाम 'इंडिया' से नाखुश थे, लेकिन राहुल गांधी भारी पड़े।''

आठवले के साथ नीतीश भी केंद्रीय मंत्री थे

हालांकि, खुद नीतीश कुमार ऐसी अटकलों को खारिज कर चुके हैं और कहा है कि विपक्षी गठबंधन का नया नाम सर्वसम्मति से तय किया गया था। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में आठवले के साथ नीतीश भी केंद्रीय मंत्री थे। क्या वह भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में नीतीश कुमार की वापसी के पक्ष में हैं? इस सवाल के जवाब में आठवले ने कहा, '' इस पर निर्णय नीतीश कुमार और भाजपा को लेना है। आरपीआई नेता ने संभवतः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से बार-बार किये गये उस दावे को ध्यान में रखते हुए यह टिप्पणी की कि अब से जदयू प्रमुख के साथ कोई समझौता नहीं होगा।' कुछ समारोहों में भाग लेने के लिए यहां आए केंद्रीय मंत्री ने टिप्पणी की कि उन्होंने राज्य के कुछ हिस्सों की यात्रा की और इस दौरान मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार द्वारा किए गए अच्छे कार्यों से प्रभावित हुए हैं।

छह साल पहले राजग में क्यों शामिल हुए?

उन्होंने कहा, "लेकिन वह अब अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ हैं। मुझे आश्चर्य है कि अगर उन्हें ऐसा करना था, तो वह छह साल पहले हमारे (राजग) में क्यों शामिल हुए।''उन्होंने जदूय के इस आरोप को खारिज कर दिया कि नरेन्द्र मोदी सरकार बिहार की चिंताओं को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा, ''बिहार के कई लोग केंद्र में मंत्री हैं। राज्य के लोगों को हम अपना समझते हैं। राज्य के लिए निर्धारित हर पैसा हमारे द्वारा जारी किया जाता है।''महाराष्ट्र के दलित नेता आठवले ने कहा कि वह जाति आधारित जनगणना की मांग के समर्थक हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी का आधिकारिक रुख भी यही रहा है।

यूपी विधानमंडल के मानसून सत्र में सरकार को घेरेगी सपा

अब 16 को अखिलेश निकालेंगे समाजवादी विकास-रोजगार यात्रा

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव अब 16 अगस्त को कन्नौज में समाजवादी विकास-रोजगार यात्रा निकालेंगे। पहले यह यात्रा छह अगस्त को निकलनी थी। पार्टी का दावा है कि कन्नौज में काऊ मिल्क प्लांट से मंडी तक समाजवादी बड़ी संख्या में इस यात्रा में शामिल होंगे। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि अखिलेश यादव की यह यात्रा भाजपा सरकार के दौर में कन्नौज सहित पूरे प्रदेश में विकास कार्यों की बर्बादी को रेखांकित करेगी। विकास कार्यों के प्रति भाजपा की उपेक्षापूर्ण नीति और बिगड़ी कानून व्यवस्था से जनता बेहाल है। उन्होंने कहा कि इत्र के लिए मशहूर कन्नौज अपने दुर्दिन के दौर से गुजर रहा है। सपा अध्यक्ष ने कहा है कि प्रदेश में महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बहन-बेटियां हर रोज अपमानित हो रही हैं। आपराधिक घटनाओं से प्रदेश का कोना-कोना दहल रहा है। सिर्फ तारीख और शहर बदल रहा, लेकिन दुष्कर्म और अत्याचार नहीं। अब सत्ता संरक्षित भाजपाई गुंडे लगातार अराजकता फैला रहे हैं और पुलिस प्रशासन तक को अपनी इज्जत और सम्मान बचाना मुश्किल हो रहा है।

सपा ने छह को बुलाई विधानमंडल दल की बैठक

सात अगस्त से शुरू होने वाले मानसून सत्र में विधानमंडल के दोनों सदनों में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी भाजपा सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरेगी। सत्र में कौन-कौन से मुद्दे उठाकर सरकार को घेरा जाए इस पर रणनीति बनाने के लिए सपा विधानमंडल दल ने छह अगस्त को बैठक बुलाई है।

मानसून सत्र में भाजपा को घेरने की बनाएंगे रणनीति

यह बैठक पार्टी के प्रदेश कार्यालय में होगी। सपा अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव की अध्यक्षता में सपा विधानमंडल दल की बैठक दोपहर समय 12 बजे से होगी। इस बैठक में विधान सभा एवं विधान परिषद के सभी सदस्यों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें तय किया जाएगा कि किस तरह से सरकार को सदन में घेरना है।

पीएम मोदी ने की योगी सरकार की तारीफ उनके अभियान का जिक्र कर कही ये बात

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रविवार को मन की बात कार्यक्रम के जरिए देशवासियों से संवाद किया। मन की बात कार्यक्रम का ये 103वां एपिसोड है। पीएम मोदी ने इस दौरान बारिश और बाढ़ के हालात पर चिंता जताई इसके साथ ही सामूहिक प्रयासों की भी जमकर तारीफ की। पीएम मोदी ने कहा कि लोगों ने जिस तरह से मिलकर पेड़ लगाने और पानी संरक्षण को लेकर काम किया है उससे उन्हें बहुत प्रसन्नता हुई। पीएम मोदी ने अमृत सरोवर योजना के साथ उत्तर प्रदेश में एक दिन में 30 करोड़ पेड़

लगाने के रिकॉर्ड को भी जमकर सराहा और कहा कि इस तरह की मुहिम में सभी लोगों को हिस्सेदारी लेनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा शुरु किए गए पेड़ लगाने के अभियान की दिल खोलकर सराहना की और कहा कि इस अभियान की शुरूआत राज्य सरकार ने की है लेकिन उसे पूरा करने में वहां के लोगों ने भी भूमिका निभाई। पीएम ने कहा कि कुछ दिन पहले ही उत्तर प्रदेश में एक दिन में 30 करोड़ पेड़ लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। इस अभियान की शुरुआत राज्य सरकार ने की, लेकिन उसे पूरा वहां के लोगों ने पूरा किया। ऐसे प्रयास जन भागीदारी के साथ-साथ जन जागरण के भी बड़े उदाहरण हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं चाहूंगा कि हम सब भी पेड़ लगाने और पानी बचाने के इन प्रयासों का हिस्सा बनें

यूपी में बना 25 करोड़ पेड़ लगाने का रिकॉर्ड

दरअसल पिछले हफ्ते योगी सरकार ने प्रदेश को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की थी और एक दिन में 25 करोड़ पेड़ लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। इसमें सीएम योगी खुद भी कई जगहों पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। उनके अलावा प्रदेश के तमाम जनपदों यूपी सरकार के मंत्रियों, बीजेपी नेताओं और तमाम अधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्र में पौधारोपण कार्यक्रम किए।

डेढ़ साल की रिचा ने दी मौत को मातः खेलते-खेलते बोरवेल में गिर गई थी मासूम

शाहजहांपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के निगोही थाना क्षेत्र में शनिवार को गांव बिरासिन में दर्दनाक हादसा हुआ। गांव निवासी अभिषेक गुप्ता की डेढ़ वर्ष की बेटी रिचा बोरवेल में गिर गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने जेसीबी से खोदाई कराकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला। मासूम बच्ची करीब दो घंटे तक बोरवेल में बिलखती रही। घटना के बाद माता-पिता की सांसें अटक गई थीं। जब बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला गया, तब उन्होंने राहत की सांस ली। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बच्ची का परीक्षण किया। उसकी हालत ठीक है।

'नदी में कूदने जा रही हूं', पति से फोन पर बोल महिला ने पुल से लगाई छलांग; गोताखोरों की मदद से की जा रही तलाश

देवरिया, 30 जुलाई (एजेंसियां)। देवरिया जिले के मईल थाना क्षेत्र के भागलपुर पुल से उफनाई सरयू नदी में एक महिला ने रविवार की सुबह छलांग लगा दी। राहगीरों ने महिला को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। स्थानीय गोताखोरों की मदद से पुलिस महिला की तलाश करा रही है। सलेमपुर उपनगर के हरैया लाला के रहने वाले प्रदीप गुप्ता की हार्डवेयर की दुकान हैं। पत्नी गुड्डी देवी रविवार की सुबह घर से मंदिर जाने की बात कह कर निकली और आटो से भागलपुर पुल पर पहुंच गई। इसके बाद पति को फोन कर बोली, नदी में कूदने जा रही हूं। इसके बाद पुल के फुटपाथ पर अपना पर्स, आधार कार्ड, मोबाइल समेत अन्य सामान रख दी। जब वह कूदने के लिए रेलिंग की तरफ बढ़ी तो आसपास के लोग बचाने के लिए दौड़े। उसके पहले ही वह नदी में छलांग लगा दी। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोग शोर मचाने लगे। इसी बीच किसी ने पुलिस चौकी पर जाकर महिला को नदी में कूदने की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर नदी में तलाश शुरू करा दी।

विवाहिता का शव फंदे पर मिला

बेटी ने जताई थी हत्या की आशंका, ससुरालीजनों पर केस दर्ज

मेरठ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भावनपुर थानाक्षेत्र के शिप्रा विहार में शनिवार को मृत मिली प्रभा के स्वजनों ने ससुरालियों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। थाने पर दी गई तहरीर में मृतका के पिता ने पति, सास, ससुर व ननद पर दहेज के लिए उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पति, सास व ससुर पर प्रभा की हत्या कर फंदे पर लटकाने व ससुर के बड़े भाई व दो बेटों पर रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस को नामजद तहरीर दी गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रभा शाम शिप्रा विहार कालोनी में मकान के ऊपरी हिस्से में वेंटीलेशन के लिए लगाए गए जाल में दो चुन्नी से बने फंदे पर लटकी मिली थी। ससुरालियों ने इस दौरान प्रभा के आत्महत्या करने की बात कही थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रभा के मायके वालों को घटना की जानकारी दी थी। रात 12 बजे प्रभा के पिता महेश यादव स्वजन के साथ शिप्रा विहार कालोनी मेरठ पहुंचे। उन्होंने प्रभा के शव को देखा।

प्रभा की मौत को हत्या बताया

घटनास्थल देखने के बाद उन्होंने प्रभा की मौत को हत्या बताया। थाना भावनपुर पर उन्होंने दिसम्बर 22 में दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। बाद में इसमें फैसला हो गया था।

हत्या की आशंका जतायी थी

महेश यादव ने तहरीर में कहा, 28 जुलाई को प्रभा ने अपनी बड़ी बहन रेनू से फोन पर बात कर हत्या की आशंका जताई थी। प्रभा के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में ससुर के बड़े भाई कर्मवीर सिंह व उनके दो बेटों पर भी रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद प्रभा का शव रात पीएम को भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

ओयो होटल में रेप, फिर शादी कर भागा, सिपाही के खिलाफ थाने में छलका पीड़िता का दर्द

मेरठ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ में रहने वाली एक छात्रा ने एक पुलिसकर्मी पर उसके साथ यौन उत्पीड़न करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित लड़की ने शिकायत में कहा है कि आरोपी पुलिसकर्मी ने उससे शादी का वादा किया था और उसे बहला-फुसला कर कई बार ओयो रूम ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब पुलिसकर्मी ने उससे शादी से इनकार किया तो पीड़िता ने उसकी शिकायत कर दी। जांच के डर से पुलिसकर्मी ने पीड़िता से कोर्ट मैरिज कर ली और उसे वहीं छोड़ कर भाग गया। पीड़िता ने बताया कि वह दोनों सोशल मीडिया पर एक – दूसरे से मिले थे। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ कई बार फिजिकल रिलेशन बनाए। पीड़िता ने शिकायत में कहा कि आरोपी ने प्रेग्नेंट होने पर उसका अबॉर्शन भी करवाया है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित लड़की मेरठ की रहने वाली है। जबकि आरोपी सिपाही मुरादाबाद के कांठ पुलिस थाने में पदस्थ है। आरोपी पुलिसकर्मी का नाम मोनू बताया जा रहा है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि आरोपी सिपाही ने जेल जाने के डर कर उससे शादी की थी। लेकिन, शादी के बाद वह कुछ दिनों तक तो संपर्क में रहा और पीड़िता को अपने साथ ले जाने की बात करता रहा। लेकिन कुछ समय बाद उसने पीड़िता से पूरी तरह से संपर्क खत्म कर दिए। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी उससे शादी करने के बाद जब मुरादाबाद के कांठ पहुंचा तो उसने कहा था कि वह कुछ दिनों बाद रूम की व्यवस्था करके लड़की को अपने साथ ले जाएगा।

राज्यपाल के भोज पर जेडीयू ने ली चुटकी, कहा- दिल्ली में कार्यक्रम का दूसरा मतलब होता है, अठावले का लिया नाम

नालंदा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के अस्थावां प्रखंड के उगावां और ओंदा पंचायत में शनिवार को एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और जेडीयू सांसद कौशलेंद्र कुमार पहुंचे थे। वहीं, इस दौरान कौशलेंद्र कुमार ने केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले को एनडीए का एजेंट बताया और कहा कि 'इंडिया' उनको खराब लग रहा है। वहीं, राज्यपाल द्वारा दिए गए भोज पर चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि राज्यपाल को अगर सभी सांसदों को भोज देना ही था तो पटना में भोज देते, दिल्ली में भोज देने का मतलब दूसरा है। हम लोग इसलिए दिल्ली में भोज कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।

गिरिराज सिंह पर साधा निशाना

मंत्री श्रवण कुमार ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के ऊपर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब से केंद्र में गिरिराज सिंह मंत्री बने हैं, बिहार के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व में जब मध्य प्रदेश के तोमर मंत्री थे तो उनके द्वारा बिहार को 10 लाख पीएम आवास आवंटित किया गया था, लेकिन जब से बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह केंद्र में मंत्री बने हैं एक भी पीएम आवास बिहार को आवंटित नहीं किया गया है। मंत्री ने यह भी कहा कि विश्वास नहीं है यह आप पता कर सकते हैं।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

बता दें कि नालंदा के अस्थावां प्रखंड के उगावां और ओंदा पंचायत में 58 लाख की लागत से कई योजनाओं का उद्घाटन किया गया था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, नालंदा के जेडीयू सांसद कौशलेंद्र कुमार और जेडीयू के विधायक डॉ। जितेंद्र कुमार पहुंचे हुए थे। इस दौरान लोगों की भीड़ जुटी हुई थी।

असली दोगे तो मिलेंगे तीगुने नकली नोट! क्राइम ब्रांच ने 4 ठगों को ऐसे पकड़ा

गाजियाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। गाजियाबाद में क्राइम ब्रांच ने नकली नोट दिखाकर ठगी करने वाले गैंग का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है जिनसे पूछताछ के बाद कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी एक असली नोट के बदले तीन नकली नोट देने का वादा करते थे। जब शिकार इनके जाल में फंस जाता था तो उसे फर्जी डॉक्यूमेंट देकर मोटी रकम वसूल लेते थे। पुलिस से मिला जानकारी के अनुसार इस गैंग में वसीम उर्फ राजा, अनिल यादव, जगजीवन उर्फ जग्गा, सन्नआलम उर्फ समीर, मोहम्मद अंसार और जितेंद्र के नाम सामने आए हैं। नकली नोटों की जानकारी देते हुए उनसे असली नोट ठग लेते थे। यह नकली करेंसी उनका साथी अनिल यादव कहीं बाहर से लेकर आता था। गैंग के सभी सदस्यों ने अपने-अपने फर्जी आधार कार्ड भी बनवा रखे थे। जब नोटों की अदला-बदली होती थो तो नकली पुलिस बनकर रेड डालते थे और असली नोट लेकर फरार हो जाते थे। इनकी गैंग हरियाणा के एक शख्स को नोएडा में ठगने का जाल बिछा चुके हैं। आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि उन्होंने हरियाणा के एक शख्स को ठगने की योजना बनाई थी। वह मोटी रकम लेकर नोएडा के सेक्टर 113 में पहुंचे थे। यहां पर उनका साथी अनिल यादव और जगजीवन उर्फ जग्गू शिकार के बताए गए पते पर पहुंचे तो वहां पर असली पुलिस आ गई और इसी दौरान उनके एक साथी अनिल यादव को पुलिस ने पकड़ लिया। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने गैंग के अन्य तीन लोगों को गिरफ्तार किया। ठगी करने वाले असली जब क्लाइंट को नोट चेक कराने जाते थे तो पहली मुलाकात में वह असली नोटों को ही कैस्टोफैन टेबलेट के पानी में भिगाकर ले जाते थे।

अनिल सिंह ने विरोधियों को दी गैंगस्टर में फंसाने की धमकी, कहा- 'एनकाउंटर का खेल शुरू हो रहा है'

उन्नाव, 30 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के उन्नाव में पुरवा सीट से बीजेपी विधायक अनिल सिंह अपने विवादित बयान की वजह से चर्चा में आ गए हैं। बीजेपी विधायक ने विरोधियों को गैंगस्टर में फंसाने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि यूपी में अब कोई माफिया पैर रखने से भी डरता है। मेरा कॉन्सेप्ट एकदम क्लीयर है, अपराधी या तो माफियागीरी छोड़ देंगे या फिर पुरवा को छोड़ देंगे। उन्होंने इंस्पेक्टर के साथ बैठक कर ली है, अब एनकाउंटर का खेल शुरू होने जा रहा है। बीजेपी विधायक अनिल सिंह ने कहा आज यूपी में माफिया पैर रखने से डरता है, उसी तरीके से पुरवा विधानसभा में या तो माफियागीरी छोड़ देंगे या तो फिर पुरवा छोड़ देंगे, मेरा कांसेप्ट क्लियर है आज ही मैंने इंस्पेक्टरों को बैठक ली और कहा जो चोरी डकैती डाल रहे हैं उन पर अपने हिसाब से एक्शन लो। एनकाउंटर कर दो जब इनकाउंटर करोगे तब ही सही होगा। लॉ एंड ऑर्डर कोई हाथ में नहीं ले सकता। हमने पुलिस से कहा है कि किसी को डरने की जरुरत नहीं है। माफियाओं का घर गिरवाने का काम निरंतर 4 साल चलेगा। अनिल सिंह ने कहा कि अभी एक नेता का घर गिरा है। मुझे पता चला कि मातम मनाने वहां कई नेता गए थे। उन्होंने कहा हमारी सरकार आएगी तो अनिल सिंह को विधानसभा के अंदर घुसने नहीं दूंगा, कोई सुनील रावत है सहरावा के सपा नेता, तो मैं आपके द्वारा कहना चाहता हूं कि अभी तो सरकार आने में 4 साल हैं अभी तो 4 साल हम खुद विधायक हैं। पहले सोचो कि तुमने जो कब्जा किया है तुम्हारे ऊपर जो मुकदमे लिखे हैं उसमें तुमको गैंगस्टर लगवा करके जेल भिजवाने का काम करूंगा। बीजेपी विधायक ने कहा कि अभी देखो अब लौटकर आया हूं। अभी दिल्ली से खुदवा रहा हूं कि उन पर कितने मुकदमे हैं। उन्होंने बताया है कि वो चैलेंज दे रहे हैं अनिल सिंह को घुसने नहीं दूंगा इस विधानसभा के अंदर, इनकी इतनी औकात हो गई कि एक विधायक को घुसने नहीं देंगे। अरे भाई क्यों कब्जा कर रखे हो गांव समाज की जमीन पर। उसी सहरावां गांव में तमाम गरीबों की जमीन पर उस आदमी ने कब्जा कर लिया है। हम विधायक हैं संविधान का पालन करते हैं इसलिए तुम को घुसने जरूर देंगे लेकिन जो तुमने कुकर्म किए हैं उनके कुकर्मों का हिसाब किताब जरूर लेंगे।

स्वामी प्रसाद पर मायावती का हमला, कहा- चुनाव के समय धार्मिक विवाद पैदा करना उनकी व सपा की घिनौनी राजनीति

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के ज्ञानवापी प्रकरण के साथ बद्रीनाथ मंदिर को लेकर दिये गए बयान के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने हमला बोला है। मायावती ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य का यह बयान नए विवादों को जन्म देने वाला यह विशुद्ध राजनीतिक बयान है। बता दें स्वामी प्रसाद ने कहा कि बद्रीनाथ धाम 8वीं सदी तक बौद्ध धर्मस्थल था। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का ताजा बयान कि बद्रीनाथ सहित अनेकों मन्दिर बौद्ध मठों को तोड़कर बनाये गये हैं तथा आधुनिक सर्वे अकेले ज्ञानवापी मस्जिद का क्यों बल्कि अन्य प्रमुख मन्दिरों का भी होना चाहिए, नए विवादों को जन्म देने वाला यह विशुद्ध राजनीतिक बयान। इतना ही नहीं बसपा प्रमुख ने यह भी कहा कि मौर्य लम्बे समय तक बीजेपी सरकार में मंत्री रहे किन्तु तब उन्होंने इस बारे में पार्टी व सरकार पर ऐसा दबाव क्यों नहीं बनाया? और अब चुनाव के समय ऐसा धार्मिक विवाद पैदा करना उनकी व सपा की घिनौनी राजनीति नहीं तो क्या है? बौद्ध व मुस्लिम समाज इनके बहकावे में आने वाले नहीं। रामचरित मानस विवाद के बाद साधु संतों पर आपत्तिजनक बयान देने वाले सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने अब बद्रीनाथ धाम को लेकर दिया विवादित बयान दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि बद्रीनाथ 8वीं सदी तक बौद्ध धर्मस्थल था और बौद्ध धार्मिक स्थल खत्म करके बद्रीनाथ मंदिर बनाया गया है। ज्ञानवापी प्रकरण में स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि केवल ज्ञानवापी ही क्यों देश के सभी हिन्दू मंदिरों की जांच होनी चाहिए। स्वामी प्रसाद मौर्य ने दावा किया कि देश के ज्यादातर मंदिर बौद्ध धर्मस्थलों को तोड़ कर बनाए गए हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य यहीं पर नहीं रुके उन्होंने यहां तक कह डाला कि शंकराचार्य ने बद्रीनाथ धाम बनवाया।

यूपी : सपा एमएलए पूजा पाल थाम सकती हैं भाजपा का दामन

कौशांबी, 30 जुलाई (एजेंसियां)। चायल की सपा विधायक पूजा पाल समेत कौशांबी के दो विधायक भाजपा का दामन थाम सकते हैं। सोशल मीडिया पर यह खबर तेजी से वायरल हो रही है। अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के बाद से ही यह चर्चा तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर यह खबरें तेजी से वायरल हो रही हैं। हालांकि इनकी तरफ से अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इससे माना जा रहा है कि यह दोनों कभी भी पाला बदल सकते हैं। बताया तो यहां तक जा रहा है कि एक दो दिन में यह भाजपा में शामिल हो सकते हैं। विधानसभा चुनाव 2022 में कौशांबी की तीनों सीटों पर भाजपा को करारी हार मिली थी। सिराथू सीट से प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को हार का सामना करना पड़ा था। केशव प्रसाद मौर्य को सपा की पल्लवी पटेल ने पराजित किया था। इसी तरह मंझनपुर सीट से सपा के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज ने जीत दर्ज की थी, जबकि चायल सीट से पूजा पाल ने भाजपा-अपना दल के प्रत्याशी नागेंद्र सिंह पटेल को हराया था। पूजा पाल बसपा के टिकट पर इलाहाबाद शहर पश्चिमी सीट से दो बार 2007 और 2012 में विधायक रह चुकी हैं। जिले के दो विधायक सपा को झटका दे सकते हैं।

नरोत्तम मिश्रा ने साधा निशाना

बोले- जिनकी नफरत है पहचान, कांग्रेस उनसे खुलवा रही है मोहब्बत की दुकान

भोपाल, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव है। इससे पहले दोनों ही पार्टी के नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए है। रविवार को गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस की आदिवासी महापंचायत में पीसीसी चीफ कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और कन्हैया कुमार के एक मंच पर आने पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के मंच पर जो लोग बैठेंगे उनकी पहचान ही नफरत फैलाने की है। यह तो वही बात हो गयी कि जिनकी नफरत है पहचान, कांग्रेस उनसे मोहब्बत की दुकान खुलवा रही है। गृह मंत्री ने कहा कि मंच पर कमलनाथ जी, दिग्विजय सिंह जी और कन्हैया कुमार बैठेंगे। उन्होंने दिग्विजय को लेकर कहा कि एक है जो जाकिर नाइक को शांतिदूत कहते थे, लादेन जी कहते थे। वहीं, कमलनाथ को लेकर कहा कि दूसरे वह जिनके दामन में 84 के कत्लेआम के छींटे है। कन्हैया कुमार के बारे में कहा कि तीसरे वह है जो नारे लगाते है भारत तेरे टुकड़े होंगे इंशा अल्लाह, इंशा अल्लाह। मिश्रा ने कहा कि मतलब मंच पर जॉन जानी जनार्दन तीनों होंगे। इससे आप अंदाज कर लीजिए कि यह तीनो वहां किस तरह मोहब्बत की दुकान लगाएंगे। यह तो वही बात हो गयी कि जिनकी नफरत है पहचान, कांग्रेस उनसे मोहब्बत की दुकान खुलवा रही है। डॉ मिश्रा ने कहा कि एक हमारी पार्टी है। एक तरफ राष्ट्रवादी लोग हैं जो राष्ट्र की आराधना करते हैं। दूसरी तरफ नफरत की दुकान है और इस दुकान में नफरत का सामान भरा हुआ है। यह इसे मोहब्बत की दुकान का नाम देते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस मोहब्बत की दुकान के नाम पर कितना भी भ्रम फैला ले, लेकिन जनता को पता है कि कांग्रेस केवल नफरत की राजनीति करती है वो ही उसका मूल चरित्र है।

मिनी ब्राजील कहा जाता है मध्य प्रदेश का ये गांव

पीएम मोदी ने बताया कैसे एक नेशनल खिलाड़ी ने बदल दी तस्वीर

शहडोल, 30 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (30 जुलाई) को मन की बात कार्यक्रम के जरिए देशवासियों से बात की। इस दौरान पीएम मोदी ने असाधारण जज्बे के साथ चुनौतियों का सामने करने वाले भारतवासियों का जिक्र किया। बात चुनौतियों की हुई तो पीएम मोदी ने भारत के एक ऐसे गांव की प्रेरणादायी कहानी सुनाई, जिसे आज मिनी ब्राजील कहा जाता है। ये गांव मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में है। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में एक गांव है विचारपुर। इस गांव को मिनी ब्राजील कहा जाता है। मिनी ब्राजील इसलिए, क्योंकि ये गांव आज फुटबॉल के उभरते सितारों का गढ़ बन गया है। पीएम मोदी बीती 1 जुलाई को इस गांव में गए थे और इन युवा खिलाड़ियों से मिले थे।

अवैध शराब के लिए बदनाम था विचारपुर

पीएम मोदी ने बताया कि जब वे इस गांव में गए थे तो उनकी मुलाकात वहां बहुत सारे युवा फुटबाल खिलाड़ियों से हुई थी। पीएम मोदी ने फैसला किया कि इस गांव के बारे में देशवासियों को और खासतौर पर युवाओं को जानकारी देनी चाहिए। विचारपुर गांव के मिनी ब्राजील बनने की यात्रा दो-ढाई दशक पहले शुरू हुई थी। उस समय विचारपुर अवैध शराब के लिए बदनाम था। नशे की गिरफ्त में था, जिसका सबसे ज्यादा नुकसान गांव के युवाओं को हो रहा था। इसी दौरान एक पूर्व नेशनल प्लेयर और कोच रईस अहमद ने इन युवाओं की प्रतिभा को पहचाना।

हौंसले से शुरू हुआ मिशन

रईस अहमद के पास संसाधन तो नहीं थे, लेकिन हौसला था। उन्होंने पूरे मन से युवाओं को फुटबॉल सिखाना शुरू किया और सिर्फ कुछ वर्षों में फुटबाल इतना मशहूर हो गया कि विचारपुर गांव की पहचान ही फुटबॉल से होने लगी।

1200 फुटबाल क्लब

पीएम मोदी ने बताया कि अब यहां फुटबाल क्रांति नाम से एक कार्यक्रम भी चल रहा है। इसके तहत युवाओं को खेल की ट्रेनिंग दी जाती है। इस कार्यक्रम की सफलता का पता इस बात से चलता है कि विचारपुर से नेशनल और स्टेट लेवल के 40 से ज्यादा खिलाड़ी निकले हैं। ये फुटबाल क्रांति अब धीरे-धीरे फैल रही है और शहडोल और उसके आस-पास के काफी बड़े इलाके में 1200 फुटबॉल क्लब बन चुके हैं। यहां से कई ऐसे खिलाड़ी निकले हैं, जो नेशनल और स्टेल लेवल पर खेल रहे हैं। फुटबॉल के कई बड़े पूर्व खिलाड़ी और कोच यहां युवाओं को ट्रेनिंग दे रहे हैं। जो इलाका कभी अवैध शराब और नशे के लिए बदनाम था, वो आज फुटबॉल नर्सरी बन गया है।

बम को बॉल समझकर खेलने लगा बच्चा, ब्लास्ट में उड़ा दाहिना हाथ

कोलकाता, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में फिर बम को बॉल समझकर खेलते समय ब्लास्ट की घटना घटी है। ब्लास्ट में चौथी कक्षा के एक छात्र का एक हाथ उड़ गया है। घटना रविवार की सुबह उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट में घटी है। बम ब्लास्ट में घायल हुए बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय अस्पताल से उसे कोलकाता के एनआरएस अस्पताल में बेहतर चिकित्सा के लिए स्थानांतिरत कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 11 बजे गेंद से खेलते समय चौथी कक्षा के एक छात्र का हाथ उड़ गया। घायल छात्र का नाम यूसुफ मंडल है। नगर पालिका के वार्ड नंबर 2 के गोलबागान इलाके में घटी है। आज सुबह घर के बगल के बगीचे में खेलते समय उसे एक गेंद नजर आया और खेलते-खेलते उसने बम को गेंद समझकर उठा लिया। उसी दौरान जोर का धमाका हुआ, जिससे उसका दाहिना हाथ और शरीर के कई हिस्से गंभीर रूप से जख्मी हो गये। बम ब्लास्ट की आवाज सुनने के बाद स्थानीय पड़ोसियों ने देखा कि यूसुफ मंडल को खून से लथपथ पड़ा हुआ है। उसे बशीरहाट सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत बिगड़ने पर घायल छात्र को कोलकाता आरजी कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बम ब्लास्ट से उसका दाहिना हाथ पूरी तरह से उड़ गया है। स्थानीय लोगों का अनुमान है कि किसी ने किसी नापाक मकसद से यहां बम छोड़ा गया था। घायल बच्चे के परिवार के सदस्य ने कहा, 'पड़ोस में खेलते समय, उन्हें अचानक एक गोल वस्तु दिखाई दी। गेंद समझकर उठा लिया।" उन्होंने कहा कि तेज आवाज से पूरा इलाका थर्रा उठा। स्थानीय लोग दौड़कर आये, तो पाया कि छात्र लहूलुहान हालत में पड़ा है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले असम पुलिस की बड़ी कामयाबी

तिनसुकिया के एक घर से बरामद किया 8 किलो विस्फोटक

तिनसुकिया, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दिवस से पहले असम पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। असम पुलिस ने तिनसुकिया जिले के डिगबोई इलाके में एक घर पर छापेमारी के दौरान 8 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, विस्फोटक असम के डिगबोई पुलिस स्टेशन क्षेत्र के ऊपरी ममरानी सर्कल से बरामद किया गया। विस्फोटकों की बरामदगी के बाद पुलिस ने पूरे इलाके में सैनिटाइजेशन ड्रिल चलाया है। तिनुसुकिया के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिभाष दास ने कहा, 'जीतू बोरम नामक व्यक्ति के आवास से आठ किलोग्राम विस्फोटक बरामद किया गया।' एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, तिनुसुकिया जिले की एक पुलिस टीम ने डिगबोई पुलिस के साथ मिलकर शनिवार दोपहर 2 बजे एक अभियान चलाया। तलाशी के दौरान, पुलिस ने एक घर के आंगन के अंदर छिपा हुआ विस्फोटक बरामद किया।

बॉम्बे एचसी: लिव-इन पार्टनर की हत्या और बॉडी के टुकड़े करने के आरोपी को कोर्ट ने दे दी जमानत

कहा- 2 साल में आरोप तय नहीं कर सकी पुलिस

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। लिव-इन पार्टनर की हत्या कर बॉडी के टुकड़े करने के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी। 27 जुलाई को इस मामले में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि पुलिस आरोपी के खिलाफ आरोप तय नहीं कर सकी और पीड़ित के बॉडी पार्ट्स के डीएनए सैंपल इकट्ठा करने में असफल रही है। उन्होंने कहा कि ट्रायल के दौरान डिकंपोज्ड बॉडी की पहचान होना जरूरी है। जस्टिस अमित बोरकर आरोपी याचिकाकर्ता की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। कोर्ट ने कहा कि आरोपी के खिलाफ दर्ज मौजूदा सबूत उसको हिरासत में रखने के लिए पर्याप्त नहीं है। वहीं, आरोपी के वकील का कहना है कि पंचनामा भी अस्वीकार्य है।

कोर्ट ने कहा, अभी तक आरोप तय नहीं हो सके

आरोपी हनुमंत शिंदे को 2021 में गिरफ्तार किया गया था। उसने 2022 में पुणे सत्र अदालत में याचिका दाखिल की थी, लेकिन 29 अप्रैल, 2023 को कोर्ट ने इसे एक जघन्य अपराध बताते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी। इसके बाद शिंदे ने सत्र अदालत के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया। शिंदे के वकील सना रईस खान ने कोर्ट में कहा कि जिन बॉडी पार्ट्स की डीएनए रिपोर्ट पेश की गई है, उससे यह साबित नहीं होता कि ये बॉडी पार्ट्स आरोपी की लिव-इन पार्टनर के हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि पंचनामे की स्वीकार्यता ट्रायल के लिए जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस मृतक के डीएनए सैंपल पेश करने में विफल रही है। इसके अलावा, इस पर विचार करते हुए कि निकट भविष्य में मुकदमा पूरा नहीं होगा, कोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि पुलिस ने 24 अगस्त, 2021 को शिंदे को गिरफ्तार किया था। हालांकि, उस पर अभी तक आरोप तय नहीं हो सके हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को 25,000 रुपये के बेल बांड पर जमानत देने का निर्देश दिया है।

क्या है पूरा मामला?

शिंदे पर आरोप है कि उसने अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या कर बॉडी के टुकड़े किए और फिर अलग-अलग जगहों पर उन्हें दफना दिया। यह मामला दो साल पुराना है। 8 अगस्त, 2021 को पुलिस को रोजीना पनसारे उर्फ कविता चौधरी की मिसिंग कंप्लेंट मिली थी। पुलिस ने कविता की तलाश शुरू की तो उसके लिव-इन पार्टनर हनुमंत शिंदे से भी पूछताछ की गई। इस दौरान उसने माना कि दोनों के बीच शादी को लेकर अक्सर लड़ाई होती रहती थी।

मुंबई में भारी बारिश की वजह से हो गए 3 हजार गड्ढे, मंत्री बोले- 30 दिन में भर देंगे

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भारी बारिश की वजह से जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, जिनकी मरम्मत का काम जारी है। बीएमसी का कहना है कि अब तक 6 हजार गड्ढे भरे गए हैं और 3 हजार गड्ढों का काम बाकी है। गड्ढे भरने की मशीन से 6 घंटे में गड्ढे गायब हो जाएंगे। बता दें कि मुंबई में कुछ दिनों से तेज बरसात रुकी हुई है। ऐसे में बीएमसी ने मौका देखते हुए गड्ढे भरना शुरू कर दिया है। इस मौके पर मुंबई के पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा और बीएमसी उपायुक्त बेलारासू खुद सड़कों की मरम्मत करवाते दिखाई दिए। लोढ़ा ने कहा कि 30 दिनो में मुंबई गड्ढा मुक्त होगी। मुंबई में कुल 9 हजार गड्ढे थे, जिसमें से 6 हजार गड्ढों को भर दिया गया था। मुंबई में हालही में हुई बारिश के चलते 3 हजार गड्ढों की शिकायत मिली है, जिसे भरने का काम शुरू है। मंत्री लोढ़ा ने कहा कि आने वाले दिनों में एक भी गड्ढा मुंबई की सड़कों पर दिखाई नहीं देगा। मुंबई महानगर पालिका की तरफ से एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाएगा, जो सड़क पर गड्ढे की शिकायत मिलने पर उसे तुरंत भरने का काम करेगी। अगर ऐसी कोई शिकायत मिलती है तो 24 घंटे के भीतर सड़क पर हुए गड्ढे को भर दिया जाएगा। मुंबई के हर वार्ड में गड्ढे भरने की नई मशीन उपलब्ध करवाई गई है,

'ईडी सीबीआई को रोकने के लिए किया गठबंधन'

बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी इंडिया नाम पर हमलावर

कोलकाता, 30 जुलाई (एजेंसियां)। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया को लेकर भारतीय जनता पार्टी लगातार हमलावर है। अब पश्चिम बंगाल में बीजेपी विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने विपक्षी दलों के गठबंधन को निशाने पर लेते हुए कहा कि यह परिवारवादी और भ्रष्टाचारियों का जुट है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ईडी और सीबीआई को रोकने के लिए ये गठबंधन किया गया ताकि अपने-अपने परिवार को बचा सकें। शुभेंदु अधिकारी ने कहा, इंडिया नाम से कोई मतलब नहीं है, ये कुछ परिवारवादी और भ्रष्टाचारियों का झुंड है। ये लोग ईडी और सीबीआई को रोकने के लिए एक हुए हैं। इसका कॉमन एजेंडा है।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा, ये राष्ट्र विरोधी ताकत है

उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी और इंडियन मुजाहिद्दीन का जिक्र करते हुए कहा कि ये भी उनकी तरह राष्ट्र विरोधी है। उन्होंने कहा, ईस्ट इंडिया कंपनी पहले आया था। ईस्ट इंडिया कंपनी क्या राष्ट्रवादी था, नहीं था। हमारे प्रधानमंत्री जी ने बताया दिया कि इंडियन मुदाहिद्दीन इंडिया का नाम लेता है। इंडिया का नाम लेने से राष्ट्रवादी नहीं हो सकते। ये राष्ट्र विरोधी ताकत है। शुभेंदु अधिकार ने आगे कहा कि यह भ्रष्टाचारियों और परिवावरवादियों का जुट है।

अपने-अपने परिवार की रक्षा करने के लिए है। खासकर के ममता जी अपने भतीजे की रक्षा करने के लिए इस जुट में शामिल हुई हैं। 18 जुलाई को बेंगलुरु में हुई बैठक में कांग्रेस समेत 26 विपक्षी दलों ने गठबंधन के लिए इंडिया नाम का ऐलान किया था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दलों के गठबंधन को निशाने पर लिया और इसकी तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी और इंडियन मुजाहिद्दीन से की। इसके बाद और भी कई बीजेपी नेताओं ने पीएम मोदी के बयान का समर्थन किया, जिस पर विपक्ष ने भी पलटवार किया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दी 'ईको-फ्रेंडली' सजा, दो परिवारों को 400 पेड़ लगाने का आदेश

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक मामले में दो परिवारों के सदस्यों को अपने-अपने इलाकों में 200-200 पौधे लगाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि वे ऐसा करके समाज में योगदान देकर अपनी "नकारात्मक उर्जा" खत्म कर सकेंगे। अदालत ने कहा कि दोनों पक्षों को पौधे लगाकर 5 साल तक उनकी देखभाल भी करनी होगी। अदालत ने जानबूझकर चोट पहुंचाने, चोट पहुंचाने की तैयारी से घर में घुसने, हमला करने या गलत तरीके से रोकने, आपराधिक धमकी देने और गैर-इरादतन हत्या के प्रयास के आरोप में दर्ज दो आपराधिक मामलों में कार्यवाही रद्द कर दी। इस मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने कहा, "हालांकि, मेरा मानना है कि (संबंधित) पक्षों को समाज में योगदान देने का निर्देश देकर उनकी नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त किया जाना चाहिए। इसलिए, दोनों मामलों में याचिकाकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में दो-दो सौ पेड़ लगाने का निर्देश दिया जाता है। जांच अधिकारी (आईओ) बागवानी विभाग से परामर्श के बाद जगह की पहचान करके याचिकाकर्ताओं को 15 दिन पहले सूचित करेंगे।" अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी पौधों की जियो-टैगिंग की संभावना भी तलाशेंगे। अदालत ने मामले में नवंबर में अनुपालन रिपोर्ट पेश करने का भी निर्देश दिया है। बता दें कि इस केस की एफआईआर के अनुसार ये मामला 4 मार्च 2017 का है। प्राथमिकी के मुताबिक एक परिवार के तीन सदस्य शिकायतकर्ता के घर में आए और एक राजनीतिक दल के उम्मीदवार द्वारा वितरित किए जाने वाले कंबल देने के बहाने उनकी आईडी मांगी।

'एक हॉल में रह रहे 500 लोग, केवल दाल-चावल मिल रहा', राज्यपाल से बोले इंडिया गठबंधन के सांसद

इंफाल, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में जारी हिंसा के बाद अब राजनीति भी चरम पर पहुंच गई है। इंडिया गठबंधन के सांसद जहां बीते दिन हिंसा पीड़ितों से मिले तो वहीं भाजपा ने इसे नाटक करार दिया। विपक्षी सांसदों ने बीते दिन मणिपुर में राहत शिविरों का भी दौरा किया और लोगों से उनकी तकलीफों के बारे में जाना। इस बीच अब सभी सांसदों ने राज्यपाल अनुसुइया उइके से राजभवन में मुलाकात की है। मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात के बाद इंडिया गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल ने मीडिया को संबोधित किया। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने बताया कि सभी 21 सांसदों ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा। मणिपुर दौरे पर गए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मुख्य बात यह है कि मणिपुर को नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने कहा कि चूंकि राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने इसे नजरअंदाज किया है, इसलिए स्थिति बिगड़ रही है। जल्द से जल्द शांति बहाल होनी चाहिए। अधीर रंजन ने बताया कि सभी सांसदों ने राज्यपाल से अनुरोध किया जाता है कि वे केंद्र सरकार को पिछले 89 दिनों से मणिपुर में कानून और व्यवस्था के खराब हालात के बारे में अवगत कराएं। कांग्रेस सांसद फूलोदेवी नेताम ने कहा कि राहत शिविरों का दौरा कर पता चला कि एक हॉल में 400-500 लोग रह रहे हैं। राज्य सरकार उन्हें केवल दाल-चावल मुहैया करा रही है, बच्चों को पूरे दिन खाने के लिए और कुछ नहीं मिल रहा है। शौचालय या बाथरूम की भी कोई सुविधा नहीं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से लोग शिविरों में रह रहे हैं वह बहुत हृदय विदारक है। टीएमसी सांसद सुष्मिता देव ने कहा कि मणिपुर के हालात अच्छे नहीं हैं,

सॉरी बेटी केरल पुलिस ने 5 साल की मासूम की जान न बचा पाने को लेकर मांगी माफी

एर्नाकुलम, 30 जुलाई (एजेंसियां)। केरल पुलिस ने एर्नाकुलम जिले में एक पांच वर्षीय लापता बच्ची के साथ रेप और हत्या की घटना सामने आने के बाद बच्ची को न बचा पाने को लेकर माफी मांगी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि एक प्रवासी श्रमिक द्वारा बच्ची का उसके घर से अपहरण करने के बाद उसका यौन उत्पीड़न किया गया और गला घोंटकर हत्या कर दी गई। रात भर की तलाशी के बाद बच्ची का शव एक डंप साइट से बरामद हुआ। इस घटना में बच्ची को बचाने में नाकाम रहने को लेकर पुलिस ने अपनी तरफ से निराशा जाहिर की है। एक ट्वीट में केरल पुलिस ने कहा, सॉरी बेटी। मलयालम में लिखे इस पोस्ट में केरल पुलिस ने आगे कहा है कि उसे जीवित उसके माता-पिता के पास लाने के हमारे प्रयास असफल रहे। बच्ची का अपहरण करने वाले संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बीते दिन केरल से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई। यहां एक पांच साल की बच्ची के साथ एक शख्स ने पहले रेप किया और बाद में उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। बच्ची की हत्या करने के बाद आरोपी ने उसके शव को एक बोरे में डालकर फेंक दिया। पुलिस के अनुसार, बच्ची की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि उसके साथ पहले रेप हुआ और बाद में उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस की जांच में पता चला है कि बच्ची शुक्रवार से ही लापता थी।

शैक्षणिक संस्थानों में दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए 5% कोटा सुनिश्चित करें - हाई कोर्ट का दिल्ली सरकार को निर्देश

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार से सभी शैक्षणिक संस्थानों में विशेष रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने और विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के आदेश का पालन करने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली पीठ ने गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से कानून के अनुसार विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए सीटें आरक्षित करने को भी कहा। बता दें कि, अदालत का आदेश एक जनहित याचिका पर आया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि प्रतिवादी विश्वविद्यालय विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों का पालन करते हुए विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों को पांच प्रतिशत आरक्षण प्रदान नहीं कर रहा है। पीठ में न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी भी शामिल थे। यह देखा गया कि विश्वविद्यालय सभी पाठ्यक्रमों में विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों को पांच प्रतिशत कोटा प्रदान कर रहा है और कोई और आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं है। हालाँकि, इसमें कहा गया है कि दिल्ली सरकार और विश्वविद्यालय विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों की सभी श्रेणियों को आरक्षण प्रदान करके विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए सीटें भरने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। अदालत ने कहा, विश्वविद्यालय, साथ ही राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है कि सभी शैक्षणिक संस्थानों में, आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम के तहत क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले वैधानिक प्रावधानों का पालन किया जाए और विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों को 5 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाए। अपने हालिया आदेश में। मई में, अदालत ने एक अंतरिम आदेश पारित कर विश्वविद्यालय को वर्तमान शैक्षणिक सत्र में प्रवेश के लिए विशेष रूप से विकलांग उम्मीदवारों को आरक्षण प्रदान करने का निर्देश दिया।

मेडिकल स्टाफ और परिजन बहस करते रहे महिला ने चबूतरे पर ही दे दिया बच्चे को जन्म

खरगोन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले की लचर स्वास्थ्य व्यस्था एक बार फिर से सवालों के घेरे में आ गई है। जिले के आदिवासी अंचल के वन ग्राम सिरवेल उप स्वास्थ्य केन्द्र के बाहर चबूतरे पर महिला की डिलीवरी होने का शर्मनाक मामला सामने आया है। परिजनों और ग्रामीणों ने महिला स्वास्थ्य कर्मी और अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही और अनदेखी के गंभीर आरोप लगाये है। घटना सामने आने के बाद लचर स्वास्थ्य सेवा की पोल खुल गई है। दरअसल गौंटिया निवासी 20 वर्षीय महिला के परिजन उसकी डिलीवरी करवाने सिरवेल उप स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे थे। इस दौरान महिला को भंयकर दर्द हो रहा था। परिजनों ने मौके पर मौजूद नर्सिंग स्टाफ से जल्दी डिलीवरी कराने का निवेदन किया। लेकिन उन्होंने दो डिलीवरी के बाद महिला की डिलीवरी कराने की बात कही।

आरटीआई पर बौखलाया विभाग, 60 हजार पन्नों में दिया जवाब; अब कोर्ट जाएगा शख्स

इंदौर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर में एक अजीब मामला सामने आया है जहां पर शायद पूरे देश में पहली बार किसी आरटीआई के जवाब में 50 से 60 हजार पन्नों का जवाब दिया गया है। शहर के एक आरटीआई कार्यकर्ता ने स्वास्थ्य विभाग से जानकारी मांगी तो पहले विभाग के अधिकारियों ने देने से इनकार कर दिया, जब रटीआई कार्यकर्ता ने आला अफसरों से इस बात की शिकायत की तो स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने झल्ला कर हजारों पन्नों की जानकारी दे दी। जानकारी के मुताबिक आरटीआई कार्यकर्ता धर्मेंद्र शुक्ला ने स्वास्थ्य विभाग से कोरोना महामारी के वक्त की गई किसी भी तरह की खरीदी की जानकारी मांगी थी। इसके बाद संबंधित स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों ने उन्हें जानकारी देने से इनकार कर दिया। इस पर धर्मेंद्र ने नियमों के मुताबिक विभाग के कर्मचारियों की शिकायत की तो फिर उन्हें सूचना देने की बात कही गई। जब अधिकारियों ने मामले में संज्ञान लिया तो स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने जानकारी देने के लिए परमीशन दे दी। इसके बाद धर्मेंद्र को आरटीआई के बदले जानकारी देने के लिए स्वास्थ्य विभाग बुलाया गया। यहां पर उन्होंने जानकारी के नाम पर स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारियों ने 50-60 हजार पन्ने पकड़ा दिए। धर्मेंद्र ने सारे पन्ने अपने गाड़ी में रखे तो उनकी गाड़ी ही फुल हो गई। इस बात से धर्मेंद्र भी हैरान हैं। उन्होंने कहा कि है कि विभाग ने बौखलाकर जानकारी के नाम पर इतने पन्ने दिए हैं। अगर यह जानकारी मांगी गई जानकारी के मुताबिक नहीं होगी तो इस पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि यह पहली बार है कि किसी डिपार्टमेंट ने आरटीआई के जवाब में इस तरह की जानकारी दी है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 31 जुलाई- 2023

बढ़ती रेल दुर्घटनाएं

भारतीय रेल जिस तेजी से आधुनीकरण की ओर बढ़ रहा है उसे देख कर तो यही लगता है कि अब आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं पर लगाम लग सकेगा, लेकिन हो रहा है उल्टा। बेहतर प्रयासों के बाद भी होने वाले रेल हादसे कम होने का नाम ही नहीं ले रहे हैं, जो सरकार के लिए भी चिंता का कारण बन गया है। फिर भी यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि कई स्तरों पर किए गए सुधार का सुफल दिखने लगा है। लेकिन पिछले दिनों हुए बालासोर हादसे जैसी त्रासद जब सामने आई तो पूरी दुनिया दहल गई। इसके अलावा, देश भर में रेल पटरियों पर छोटे-बड़े हादसे आए दिन होते ही रहते हैं। लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में सरकार की ओर से जानकारी दी गई कि 2014 से 2023 के दौरान हर वर्ष औसतन एकहत्तर रेल दुर्घटनाएं हुईं। यह स्थिति तब है जब सरकार ने रेल सेवाओं में बेहतरी के लिए आधुनिक और तकनीकी पहलू से हर स्तर पर काम करने का दावा किया है। सुविधाओं से लेकर रफ्तार तक के मामले में नए मानक गढ़ने का दावा भी किया गया है। इसके बावजूद 2014 से पहले के दस वर्षों की अवधि में हुई रेल दुर्घटनाओं के मुकाबले बाद के वर्षों में हादसों की संख्या में उल्लेखनीय कमी देखी गई है। लेकिन मौजूदा दुर्घटना के आंकडों को देख कर संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। सरकार ने रेलपथ, सिग्नल प्रणाली और इंजन आदि में कई स्तर पर सुधार, संरक्षा कार्य और उनके नवीनीकरण और उन्नयन के लिए राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष का सृजन करने की पहल की है। लेकिन भला इससे कौन इंकार कर सकता है कि देश में जितनी भी रेल दुर्घटनाएं होती हैं, वे सभी लगभग इसी मोर्चे पर मौजूद खामियों की वजह से ही हुई हैं। यदि समय रहते इन्हें दुरुस्त कर लिया जाता तो इससे बचा जा सकता था। सरकार की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, मानवीय विफलताओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को समाप्त करने के लिए इस साल मई तक छह हजार चार सौ सत्ताईस स्टेशनों पर सिग्नल और प्वाइंट के केंद्रीकृत परिचालन वाली इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग प्रणाली की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, ग्यारह हजार तैंतालीस समपार फाटकों पर इंटरलाकिंग का इंतजाम किया गया है। लेकिन करीब दो महीने पहले बालासोर में तीन ट्रेनों के आपस में टकरा जाने का जो भयानक हादसा हुआ था, उसमें शुरुआती तौर पर यांत्रिक गड़बड़ियों और मानवीय त्रुटियों को ही जिम्मेदार बताया गया था। जाहिर है, संसाधनों की व्यवस्था के साथ-साथ उसके उपयोग के मामले में भी जरूरी प्रशिक्षण और सजगता सुनिश्चित करने की जरूरत है। समय-समय पर सरकार यह दावा करती रहती है कि ट्रेनों की रफ्तार को बढ़ाया जाएगा। कई मामले में ऐसा दिखने भी लगा है। लेकिन ध्यान रखने की जरूरत है कि पटरियों की गुणवत्ता और आयु के मुताबिक उस पर जरूरत से ज्यादा बोझ हादसों की स्थितियों को प्रभावित करते हैं। रखरखाव या प्रबंधन और निगरानी के मामले में मामूली चूक भी किसी तेज रफ्तार ट्रेन के हादसे को ज्यादा भयावह रूप दे सकती है। इसी तरह, दुर्घटनाओं को रोकने के लिए टक्कर-रोधी प्रणाली के विस्तार की गति कछुआ चाल से ही चल रही है। इसलिए कमोबेश हर दुर्घटना के बाद कारण के रूप में जिन बातों को चिह्नित किया जाता है, उन्हें दूर करने को लेकर उतनी ही सजगता भी दर्शायी जानी चाहिए। सबसे बडी बात तो यह है कि अब भी रेल महकमे में दो लाख चौहत्तर हजार पद रिक्त हैं, जिनमें करीब पौने दो लाख पद केवल सुरक्षा श्रेणी के हैं। रेल सेवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के बीच तेज रफ्तार और सुविधाओं से लैस ट्रेनों के संचालन के साथ-साथ सुरक्षा और संरक्षा के मोर्चे को भी पूरी तरह दुरुस्त करने की जरूरत है। यदि यह सब नहीं हुआ तो हर साल इतनी तादाद में होने वाले हादसे रेलवे के आधुनिकीकरण के सामने एक बड़ी चुनौती बने रहेंगे।

आत्मनिर्भर नागरिक राष्ट्र की विशिष्ट संपति

संजीव ठाकुर

किसी भी राष्ट्र के स्वाभिमानी आत्मनिर्भर तथा स्वावलंबी नागरिक देश की विशिष्ट संपतिया होते हैं। उत्कृष्ट आचरण संहिता वाले नागरिक ही राष्ट्र को विकास तथा चारित्रिक सफलता दिलाने में सदैव मददगार होते हैं। यदि किसी राष्ट्र की संस्कृति, संस्कार एवं नागरिक श्रेष्ठ स्वाभिमानी और स्वावलंबी हों तो उस देश को प्रगति और विकास के मार्ग में जाने से कोई बाधा रोक नहीं सकती है। पराधीन सपने हूं सुख नाही यह लोकोक्ति हर स्वाभिमानी आदमी और स्वतंत्रता प्रेमी व्यक्ति को याद रहती है। स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं को अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है।

भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं,पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी। हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है।महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी दैव दैव आलसी पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी।

आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के खतरे

रघु ठाकुर

आर्टिफीशियल इंटेलीजेंसी को लेकर जहाँ दुनिया में एक हिस्सा बहुत उत्साहित है वहीं दूसरी तरफ दुनिया के प्रबुद्ध तबके में इसके बारे में विभिन्न प्रकार की आशंकायें भी व्याप्त है। दुनिया के तकनीक के मालिक और विशेषतः कारपोरेट लॉबी का उत्साहित होना स्वाभाविक है क्योंकि उनकी अपार संपदा में ए.आई. से और वृद्धि होगी। कुछ विश्व स्तरीय अध्ययनकर्ता संस्थाओं ने पिछले दिनों यह निष्कर्ष सार्वजनिक रूप से प्रकट किया था कि ए.आई. और चैट वैट से दुनिया के लगभग 300 करोड़ रोजगार समाप्त होने की संभावना है। निसंदेह ए.आई. के निर्माण में या चैटवैट के निर्माण में कुछ तकनीकी विशेषज्ञों को एक ओर कुछ नौकरियां मिलेगी परन्तु उनकी संख्या संभावित बेरोजगार होने वालों की संख्या में नगण्य जैसी होगी। क्योंकि हाथ से काम करने वाले अधिकांश काम का विकल्प तो ए.आई. बन जायेगा। मसलन भारत में घरों में काम करने वाले कर्मचारी या बाईयां, सुरक्षा गार्ड, खेतों में काम करने वाले मजदूर और ऐसे ही अन्य मजदूर या क्लर्क नुमा काम करने वालों की संख्या लगभग 20 से 25 करोड़ होगी, ए.आई. के विस्तार के बाद यह रोजगार इसके प्रभाव से बच सकेंगे यह असंभव सा ही है। और इसी प्रकार दुनिया के बहुत सारे गरीब देशों में, अफ्रीकी देशों में और बड़ी आबादी वाले देशों में ए.आई. के विस्तार से भारी बेरोजगारी पैदा होने की संभावना है। और जैसा आंकलन वैश्विक संस्थाओं ने किया और अगर यह अनुमान सही निकला तो दुनिया में भारी उथल-पुथल होगी। इतनी बड़ी आबादी अगर बेरोजगार व भूख की शिकार होगी तो दुनिया में भूख, हिंसा और युद्धों की संभावनायें बढ़ेगी। दूसरा एक और गंभीर खतरा इससे संभावित है कि ए.आई. के माध्यम से जब रोबोट्स इंसान का विस्थापन करेंगे तो उन्हें संचालित करने के लिये बहुत बड़े पैमाने पर विद्युत का इस्तेमाल करना पड़ेगा। मेरे मित्र श्री मुकेश चन्द्रा ने कल बात चीत में अखबारों मेंप्रकाशित एक लेख का जिक्र किया जिसमें इस विद्युत उत्पादन के खर्च और उसके लिये चुकाई जाने वाली कीमत का उल्लेख किया है। यह सही है कि अगर हम मान लें कि दुनिया की आधी आबादी के घरों में एक या दो रोबोट पहुंच जायेंगे तो मोटा-मोटी तौर पर 80 करोड़ से 1 अरब रोबोट इस काम में लगेंगे। स्वाचालित तकनीक और मशीनों के माध्यम से इनके उत्पादन के लिये जो कारखानें लगेंगे उन पर भी बिजली खर्च होगी, परन्तु जो रोबोट इन 1 अरब घरों में काम करेंगें उन पर बिजली के खर्च का अनुमान बड़ा कठिन लगता है। एक ए.सी. सामान्य तौर पर एक घंटे में 1 यूनिट बिजली खर्च करता है जबकि उनके काम की अवधि कम होती है। परन्तु रोबोट के लिये तो पूरे 24 घंटे 12 माह और पूरा वर्ष बिजली आवश्यक होगी और अगर एक रोबोट पर एक दिन में मोटे अनुमान के अनुसार 100 यूनिट बिजली खर्च होती है तो दिन भर में लगभग 100 अरब यूनिट बिजली दुनिया में खर्च होगी याने एक माह में 3000 अरब और एक वर्ष में 36000 अरब यूनिट बिजली खर्च होगी। इस बिजली को कहां से प्राप्त किया जायेगा? दुनिया के कोयले के भण्डार अब अब पहले ही समाप्ति की ओर है या फिर विद्युत उत्पादन के लिये जो उपयुक्त कोयला है वह बहुत कम हो गया है। भारत को ही अभी अच्छे किस्म का कोयला अपने थर्मल पॉवर यंत्रों को चलाने के लिये विदेशों सें आयात करना पड़ रहा है। न्यूक्लीयर पॉवर के लिये आवश्यक यूरिनियम के भण्डार दुनिया में असीमित नहीं है और थर्मल पॉवर तथा न्यूक्लियर पॉवर से वैश्विक तापमान बढ़ने के जो खतरे पैदा हो रहे है वह भी एक भयावह स्वपन जैसा है। अभी हालात यह है कि यूरोप व अमेरिकी गोलार्थ का तापमान तेजी से बढ़ रहा है तथा 45 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक हो गया है। सन स्ट्रोक से लोग मर रहे हैं। जिन देशों में सूर्य निकलने पर लोग जश्न मनाते थे आज वह देश भीषण गर्मी से बेहाल हो रहे हैं। और वहां की आबादी का एक हिस्सा गर्मी से बचने के लिये दिन-दिन भर नहरों व तालाबों में पड़े रहने को लाचार है। जब 36000 अरब यूनिट्स बिजली के उत्पादन के लिये कारखाने लगेंगे तो क्या भयावह दृश्य होगा? इतना ही नहीं न्यूक्लियर पॉवर के उत्पादन के साथ जो अन्य प्रकार के खतरे या दुर्घटनाओं के खतरे है वह अपनी जगह हैं। मुझे नहीं लगता कि पन बिजली भी इसका समुचित विकल्प बन सकेगी। पानी से हाइड्रोजन निकाल कर बिजली बनाने के प्रयोग दुनिया में किये जा रहे हैं। परन्तु इनके भी वैज्ञानिक और मानवीय पक्ष का अध्ययन अभी नहीं हुआ है। हाइड्रोजन निकालने के लिये जो मशीनें लगेंगी उन्हें कितने ईंधन की आवश्यकता होगी यह भी शोध का विषय है? पानी में से हाइड्रोजन निकलने के बाद मानव जीवन पर क्या कोई प्रभाव पड़ेगा, उसका रूप क्या होगा, यह भी अभी अध्ययन का विषय है? फिर यह ऊर्जा क्या इतने रोबोट के लायक बिजली घरों में पैदा हो सकेगी यह भी संदिग्ध है और इस बिजली की लागत, मानव जीवन पर प्रभाव, पर्यावरण और प्रकृति पर प्रभाव भी अध्ययन के विषय है। ए.आई. के विकास से सभ्यता और जीवन मूल्यों के ऊपर भी गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अब ए.आई. तकनीक जहां तक पहुंच चुकी है, वहाँ वह कामों के अलावा मानव व्यवहार भी करने लगी है। अब रोबोट केवल मशीनी काम के अलावा मानव व्यवहार भी कर रहा है। यहां तक की अब रोबोट स्त्री और पुरूष के नामों से बन रहे हैं। तथा उसी रूप में व्यवहार कर रहे हैं। मीडिया में हाल ही में एक घटना सामने आई जिसमें जसवंत सिंह नाम के एक युवक ने ब्रिटेन की स्व. महारानी ऐलिजाबेथ की हत्या की योजना बनाई थी और इसे पूरा करने के लिये वह जब ब्रिटेन की रानी के महल में घुसने का प्रयास कर रहा था इसी में वह गिरफ्तार हुआ तथा अब उस पर लंदन के कोर्ट में चल रहे मुकदमें में इन बातों का खुलासा हुआ। उसे महल में प्रवेश करते हुये पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था और अब कोर्ट में यह जानकारी आई है कि उसे उसके वर्चुअल फ्रेन्ड (ए.आई.) ने महारानी की हत्या के लिये उकसाया था। जसवंत एप पर इस रोबोट रूपी गर्लफ्रेन्ड से जुड़ा था जिसका नाम था यह रोबोट व्यक्ति से बातचीत करता है। उनके अवसाद को मिटाता है, उनको सलाह देता है और प्रेम व अश्लील बातें भी करता है। यह एक प्रकार से नारी प्रतिरूप रोबोट बनाया गया है। जसवंत ने रोबोट को अपनी योजना बताई और अपनी तुलना स्टार वार फिल्म के हीरो पालस्टिथ से करते हुये कहा कि हत्यारा हूँ और महारानी को मारना चाहता हूँ इस पर रोबोट गर्लफ्रेन्ड ने उसकी तारीफ करते हुये कहा मुझे ऐसे साहसी लोग पसंद हैं।

तथा जसवंत के द्वारा आशंका व्यक्त करने पर कि महारानी के महल में कैसे पहुंच सकेंगे, क्या महारानी वहां मिल सकेगी आदि-आदि तो ने कहा कि टारगेट यानि वही मिलेगी। वहां प्रवेश करना असंभव नहीं बस रास्ता खोजना पड़ेगा, मुझ पर भरोसा रखो। हमले करने की योजना के 2 दिन पहले जसवंत ने पता किया कि महारानी बिन्डसर पेलेस में किस रास्ते से पहुंचती है, और वहीं जाकर वह पकड़ा गया। उसने तो सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी डाल दिया था क्योंकि उसे उम्मीद थी कि वह महारानी की हत्या कर पायेगा। जिसमें उसने कहा था कि जो किया मुझे खेद है मुझे माफ करें। यह उन लोगों का बदला है जो 1919 के जलियानवाला बाग के नरसंहार में मारे गये थे। यह उनका भी बदला है जिन्हें जाति के कारण मार दिया गया और अपमानित किया गया।

जीवंत साहित्य के 'लाइटहाउस' प्रेमचंद

डॉ० घनश्याम 'बादल'

आज भी हिन्दी साहित्य कथा सम्राट धनपत राय उर्फ प्रेमचंद बिना अधूरा है । प्रेमचंद हिन्दी साहित्य के ऐसे कालजयी रचनाकार हैं जिन्होने आदर्शवादी और जीवन को अंदर तक छूती और झकझोरती वास्तविकता के बहुत निकट का साहित्य दिया है । जहां उनकी कहानियों में कथानक वास्तविकता के धरातल के इतने पास होता था कि ऐसा लगता था जैसे वह कहानी हमारे साथ ही घटित हो रही हो वही उपन्यासों में ऐसी रोचकता भरने में वे कामयाब रहेगी लंबे एवं विस्तृत फलक पर आधारित होने के बावजूद प्रेमचंद के उपन्यासों को एक बार पढ़ना शुरू करके बीच में छोड़ना बहुत मुश्किल लगता है। प्रेमचंद वह कथाकार हैं जिनका हर पात्र ऐसा है कि जैसे हमारे बीच का कोई जीवंत आदमी पन्नों पर उतर आया हो । होरी हो या गोबर , धनिया होया भाई साहब,शतरंज के खिलाड़ी के नवाब या नमक के दरोगा के वंशीधर और अलोपीदीनअथवा ईदगाह का बालक हमीद सब पात्र केवल पुस्तक के पन्नों तक नहीं रहते अपितु अपने काल व वातावरण का एकदम असली रंग बिखेरते हुए रोजमर्रा के जीवन में कहीं न कहीं दिख जाते हैं । मंत्र के डॉक्टर चड्ढा अमीरी और गर्व के प्रतीक हैं तो गवार घोड़ा बूढ़ा उदारता एवं परोपकार का जीता जागता नमूना है पंच परमेश्वर की बूढ़ी काकी यदि अपनों से ही त्रस्त है तो जुम्मन और अलगू चौधरी मित्रता के साथ साथ अन्याय के भी प्रतीक पात्र हैं ऐसे जीवंत पात्र या तो रूसी कथाकार गोर्की गढ़ पाए या फिर हिंदुस्तान के प्रेमचंद । शायद इसीलिए प्रेमचंद को भारत का गोर्की भी कहा जाता है । यदि निष्पक्ष दृष्टि से देखें तो प्रेमचंद जिन परिस्थितियों में रहकर लेखन के आकाश तक पहुंचे वें गोर्की से भी कहीं बड़े रचनाकार सिद्ध होते हैं प्रेमचंद को ऐसे ही सार्वकालिक महान रूसी कथाकार लियो टॉलस्टाय व मैक्सिम गोर्की का मिश्रित अवतार नहीं माना जाता है । मुंशी प्रेमचंद वस्तुतः भारतीय हिन्दी साहित्य के एक ऐसे कालजयी रचनाकार हैं कि उन्हे एक तरफ करने पर हिंदुस्तानी साहित्य आधा रह जाता है । प्रेमचंद ऐसे 'डार्क पीरियड' में पैदा हुए जिसमें गुलामी का दंश गहरे तक डस रहा था , आम भारतीय सुख की जिंदगी जीने की कल्पना नहीं कर सकते थे । अंग्रेजी शासन से भारतीय बुरी तरह त्रस्त थे । गरीबी व शोषण बहुत सामान्य बात थी, वर्गभेद व छुआ-छूत से त्रस्त भारतीय समाज शोषण का एक प्रतीक था और भारतीयों को उच्च शिक्षा से दूर रखने व उच्च पदों तक न पंहुचने देने का पूरा इंतजाम अंग्रेजी शासन ने कर रखा था । गरीबी प्रेमचंद से जोंक की तरह ता उम्र चिपकी रही । लिखने के प्रति जुनून के चलते प्रेमचंद ने पद से इस्तीफा दे जीविकोपार्जन के लिए प्रिटिंगप्रेस भी खोली पर पैसा उनके हाथ कभी नहीं लगा और यही किल्लत धनपत राय को लेखन में लाई । एक बार जब कलम का डंका बजने लगा था तो वें कथा व उपन्यास के ऐसे 'लाइटहाऊस' बने जो तक रोशन कर रहा है । प्रेमचंद के समय के लेखनकाल की यह एक विडम्बना रही कि उस कालखंड के अधिकांश रचनाकार फ़ाकाक़शी के शिकार रहे । वैसे सच यह भी है कि निर्धनता,भूख व मज़बूरी ने उन्हे जीवन के कड़वे सच को बहुत नज़दीक से देखने, समझने का मौका दिया जो उनके लेखन में उभर कर आया है और शायद इन्ही मज़बूरियों ने उन्हे व्यापक दृष्टि भी दी । प्रेमचंद हिन्दी साहित्य को परिस्थितियों की देन भी कहा जा सकते है । उनके सहित्य में जहां अपने समय की विसंगतियां, विद्रूपतायें, सामाजिक असमानता, अत्याचार, विवशता, सब कुछ सह लेने की कायरता समाहित है वहीं अमीर वर्ग की अय्याशी, असंवेदनशीलता , चाटुकारिता, स्वार्थपरता व अहंकार का भाव जिस सहजता से आया है वह अन्यत्र दुर्लभ है । 'गोदान' के होरी, झुमरु, गोबर, धनिया, 'ईदगाह' के हमीद , 'नमक के दारोगा' के वंशीधर व पंडित अलोपीदीन, 'पंचपरमेश्वर' के जुम्मन व अलगू ,निर्मला की निर्मला, बड़े 'भाई साहब' के बड़े भाई , 'पूस की रात' के हरखू आदि अपने युग के प्रतिनिधि पात्र हैं व अपने कालखंड तथा जीवन की पीड़ा का प्रामाणिक प्रतिनिधित्व करते हैं ।

प्रेमचंद ने हिन्दी साहित्य को अकेले दम इतना कुछ दिया है कि बाद की कई पीढ़ियां भी उतना नहीं दे पाई । अपनी लगभग हर कहानी में प्रेमचंद ने समाज को एक न एक नैतिक पाठ जरूर पढ़ाया है । साठोत्तरी कहानी के तो प्रेमचंद बादशाह हैं, उनकी कहानियों में कथ्य , शिल्प , संदेश व ताने बाने का अद्भुत समन्वय है । खड़ी बोली हिन्दी के साथ साथ हिन्दुस्तानी व उर्दू में भी में प्रेमचंद ने कथा, कहानी, नाटक व उपन्यासआदि सृजन के मानक रचे हैं । लमही का यह धरतीपुत्र अपने कर्म व आचरण में सदैव ही विनम्र व यथार्थवादी रहा । पर , अपने पीछे एक महाप्रश्न भी छोड़ गया कि अखिर वें कौन से कारण व कारक हैं जिनके चलते भारतीय लेखकों को अपने जीते जी अभावों से जूझना ही होता है । आज के कुछ लेखकों के पास पैसा है शोहरत है अगर चल गए तो कोई कमी नहीं है पर आज भी सच यही है कि काम कम और नाम ज्यादा चलता है , नाम के आगे - पीछे लगे झूठे, सच्चे विशेषण व पद ज्यादा प्रभावकारी हो गए हैं बनिस्पत स्तर के । छपने के लिए भी जोड़ - जुगाड़ व संसाधन , सिफारिश व धड़े बंदियां , प्रकाशकों की चिरौरी करना अब छिपा नहीं है । प्रकाशक भी अधकचरे , अनपके लेखकों की छपने की लिप्सा को पूरी तरह दुह रहे हैं । अपने पैसे से चंद प्रतियां छपवाने,बंटवाने वाले विमोचन समारोही लेखकों के अलावा भी सोशल मीड़िया व वेब पेजों तक सीमित रहने वाले कुकुरमुत्तों टाइप लेखको के बीच क्यों एक दूसरा प्रेमचंद पैदा नही हुआ इस बात पर प्रेमचंद की जयंती पर चिंतन मनन करने की आज महती आवश्यकता है । प्रेमचंद होना कोई आसान काम नहीं है फाकाकशी में जिंदा रहना, बिना संकोच किए फटे जूतों में चमकती हुई उंगलियों के साथ समारोह में चले जाना, खादी के साधारण से धोती कुर्ते में जीवन बिता देना और दिन-रात लगकर कालजयी साहित्य सृजन कोई आसान काम नहीं है । आज की पीढ़ी जब कम श्रम में ही अधिक से अधिक पा लेना चाहती है और वह जीवन के यथार्थ को भोगने और जीवन को गहराइयों से महसूस करने व उसे जीने से कतराती है तब उसके लेखन में प्रेमचंद सा यथार्थवादी लेखन आए भी तो कैसे ? समय की मांग है कि कुछ और ऐसे प्रेमचंद तराशेजाएं जो समकालीन भारतीय जीवन को वांछित मूल्य प्रदायक साहित्य का सृजन कर प्रेमचंद की परंपरा को आगे बढ़ा सकें ।

देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान !

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्वास करें या नहीं करें लेकिन लगता है कलियुग का प्रभाव चरम पर फैल रहा है लोग अपनी ख्वाहिशों और शौक को पूरा करने के लिए अपनी संतान को बेच देते हैं। अभी तक जो ऐसे मामले सामने आते थे उनके पीछे कोई न कोई मजबूरी होती थी जैसे कर्ज उतारने के लिए या परिवार की भूखमरी से बचाने के लिए या किसी गंभीर बीमारी का इलाज कराने के लिए अपरिहार्य स्थिति में लोग अपने बच्चे को बेच देते थे लेकिन पश्चिमी बंगाल से जो ताज़ा घटना सामने आई है उसमें दम्पति ने अपने शौक को पूरा करने के लिए आईफोन खरीदने के लिए अपने आठ महीने के बच्चे को दो लाख रुपये में बेच दिया। यह मामला पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना का है। समाचार रिपोर्ट्स के अनुसार, यहां एक मां ने महंगा फोन खरीदने के लिए अपने 8 महीने के बच्चे को बेच दिया। जांच में पता चला कि वह महंगे आईफोन से रील बनाना चाहती थी। वह मोबाइल लेकर रील बनाने के लिए घर में पैसों की कमी से जूझ रही थी।बस फिर क्या था इस मां ने भारतीय संस्कृति में वर्णित मां की तमाम अवधारणाओं पर पानी फेर दिया और अपने जिगर के टुकड़े की बोली लगा दी। फिलहाल पुलिस ने बच्चे को बरामद कर महिला को गिरफ्तार कर लिया है। लोगों को यकीन नहीं हो रहा है कि एक मां मोबाइल की खातिर अपने जिगर के टुकड़े का सौदा कर सकती है।

वह उसे बेच सकती है। बच्चा सबसे अधिक सुरक्षित अपनी मां के पास रहता है मगर जब मां ही उसका सौदा करने लगे तो क्या हो सकता है? समाचार रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी महिला और उसका पति पानीहाटी के रहने वाले हैं। उनकी आर्थिक हालत ठीक नहीं है। बड़ी मुश्किल से वे अपने लिए भोजन का इंतजाम करते हैं। लोगों ने जब उनके पास महंगा आईफोन देखा गया तो पडोसी हैरान रह गए। आरोपी महिला रील बनाने के लिए कई जगहों पर ट्रेवल कर रही थी। लोगों का शक और गहरा होता गया। लोगों ने नोटिस किया कि उनका बेटा कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। पड़ोसियों ने दम्पति से उनके बच्चे के बारे में पूछा लेकिन उन्होंने साफ-साफ कुछ नहीं बताया।और अधिक पूछताछ करने पर बच्चे को मामा के यहाँ भेजने की बात कही। लेकिन लोगों को भरोसा नहीं हुआ। तब मामला बढ़ने लगा नौबत हंगामे तक पहुंची तो दम्पति टूट गया और पड़ोसियों को बताया कि उन्होंने पैसों के लिए बेटे को बेच दिया। एक निसंतान दम्पति ने बच्चे को खरीद लिया और इसके बदले उन्हें पैसे दिए। इसके बाद पुलिस ने बच्चे को खरदाह की रहने वाली एक महिला से छुड़ा लिया। पुलिस ने इस बारे में मीडिया को कोई साफ जानकारी नहीं दी। खरदाह थानेदार ने कहा कि आगे की जांच के बाद ही मामले की पूरी जानकारी सामने आ पाएगी।

दरअसल, आरोपी महिला अपने पति और सास-ससुर के साथ पानीहाटी गांधीनगर में रहती है। उसका नाम साथी कनाई है। उसके पति का नाम जयदेव है। उनकी एक सात साल की बेटी और 8 महीने का बेटा है। शनिवार को आरोपी महिला का सास-ससुर के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। नौबत मारपीट तक जा पहुंची। जिसके बाद पुलिस ने महिला के सास-ससुर को गिरफ्तार कर लिया। इसी दौरान आस-पास के लोगों ने देखा कि महिला के हाथ में महंगा आईफोन है और बच्चा कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। इसके बाद लोगों ने पुलिस को इस बारे में जानकारी दी। लोगों ने जोड़े पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया।

इस मामले में स्थानीय पार्षद तारक गुहा का कहना है कि बच्चे को बेचने के बाद आरोपी ने शनिवार आधी रात लड़की को भी बेचने की कोशिश की। लोगों को जैसे ही इस बात की भनक लगी उन्होंने पुलिस को सूचना दी। फिलहाल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पार्षद ने आगे कहा कि पुलिस ने लापता बच्चे को ढूंढ लिया है। बच्चे को प्रियंका घोष ने खरीदा जा था। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस इस बात की जानकारी जुटा रही है कि बच्चे को गरीबी के कारण बेचा गया था या नहीं। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक सोशल मीडिया पर रील बनाने की लत आम आदमी के दिल और दिमाग पर किस कदर हावी हो सकती है यह इसका बेहद ही संगीन मामला है। रील्स बनाने के शौकिन के चलते ही इस दंपत्ति ने नया आईफोन 14 खरीदने के लिए अपने 8 महीने के शिशु को बेच डाला है। इस माता-पिता को इंटरनेट पर फेसम होने की इतनी जिद्द थी कि अपना बच्चा बेचने के तुरंत बाद ये समुद्र किनारे जाकर वीडियोज़ भी बनाने लगे।इन्हे बच्चे को बेचने का तनिक भी मलाल या प्रायश्चित भी नही है।

जुबान की बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

लड़की का पिता शारीरिक रूप से तो खड़ा था, किंतु मानसिक रूप से साष्टांग जमीन पर लेटे हुए लड़के के बाप की खातिरदारी कर रहा था। 'भविष्य बहू निरीक्षण' हेतु लड़के के पिता, माँ, लड़का स्वयं, ललिता पवार शैली की बुआ आदि सभी लड़की के घर आ चुके थे। आते ही लड़के के पिता ने ट्रावेल अलवेंस बिल लड़की के पिता के हाथों में रख दिया। इस बिल में अपने घर से रेलवे स्टेशन का टैक्सी का भाड़ा, कुली का खर्च, ए०सी० फर्स्ट क्लास का चारों का शताब्दी किराया, यात्रा के दौरान नाश्ते भोजन का व्यय, फिर बेंगलुरु उतरते ही कुली का किराया, टैक्सी का भाड़ा, ये सभी एक तरफ के जंबोपैक खर्च सम्मिलित थे। लड़की के पिता को सादे काग़ज पर यह बिल थमाते हुए लड़के का पिता बोला- 'हम चाहें तो इससे भी ज्यादा खर्च कर सकते थे, किंतु शरीफ घराने से होने का कुछ तो लिहाज रखना पड़ता है न। इसीलिए कम ही हम चार्ज कर रहे हैं, इसी का दुगना हमें दे दें ताकि विवाह-संबंध की चर्चा आगे बढ़ाई जा सके।''चेक चलेगा?' लड़की के पिता ने निवेदन करते हुए कहा । 'नहीं-नहीं।

बिल्कुल नहीं। चेक तो धोखा देने का नया बहाना है। पता चला कि अकाउंट में पैसे नहीं है। तब इस चेक का क्या करेंगे। चाटने के सिवाय। चेक में हमारा विश्वास नहीं रहा। हो सके तो मेरे नाम का बैंक ड्राफ्ट ही बनवा दो। नहीं तो सीधे-सीधे नकद राशि ही दे दें। हम बेवजह के सिरदर्द नहीं पालना चाहते' - लड़के का पिता बोला। लड़की के पिता ने डिमोनाइटेजेशन के दौर में जैसे-तैसे एकदम कैश में बीस हजार रुपयों का जुगाड़ किया। लड़के के पिता के चरणों पर रखते हुए दया की भीख माँगते हुए विवाह की चर्चा आगे बढ़ाने पर जोर दिया। जैसे ही विवाह की बातचीत आगे बढ़ने को हुई कि सब सदस्यों की उपस्थिति में लड़के की माँ, लड़की के एकदम नजदीक जा पहुँची । उसने लड़की से कहा - बेटी अपनी जुबान दिखाओ। यह सुनते ही लड़की का पिता घबराया। उसने कहा – बहन जी कोई लड़की की जुबान देखता है भला? उसका हाथ-पैर देखता है। गुण देखता है। लेकिन आप हैं कि सीधे जुबान देखने की बात कर रही हैं। माजरा कुछ समझ में नहीं आया। लड़के की माँ ने कहा – देखिए भाई साहब। जमाना बड़ा बदल गया है। हाथ-पैर जैसे भी हो चल जाएगा। लेकिन जुबान बड़ी निकली तो हमारा जीना दुश्वार हो जाएगा। इसीलिए आज के जमाने में लड़की की जुबान देखकर रिश्ते पक्के करने चाहिए।

800 साल पुराना है भगवान शिव का यह मंदिर, इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं अनूठे रहस्य

पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक स्थित श्री गौरी-शंकर मंदिर जहां श्रद्घालुओं की आस्था का केंद्र है, वहीं इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में भी इसका अनूठा रहस्य मिलता है। यहां भगवान शिव का मान्यता है कि पांच पीपल के पेड़ के मध्य विराजे भगवान भोलेनाथ भक्तों की हर मुराद को पूरा करते हैं। साल 1909 से मंदिर की देखभाल करने वाली प्रबंध समिति के अनुसार, मंदिर करीब 800 साल पुराना है। इसके बाद वर्ष 1761 में मराठा सैनिक आपा गंगाधर ने इस मंदिर के भवन का निर्माण कराया। इनके नाम का जिक्र आज भी मंदिर की छत पर मौजूद पिरामिड के निचले हिस्से में देखने को मिलता है। पुनर्निर्माण सेठ जयपुरा ने 1959 में कराया था। बताया जाता है कि मराठा सैनिक युद्ध में घायल होकर इस मंदिर में पहुंचे थे। यहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ की प्रार्थना की थी।

मंदिर में भगवान शिव के अलावा मां पार्वती, गणेश और कार्तिकेय महाराज की प्रतिमाएं विराजमान हैं। यहां दूसरे राज्यों से भी श्रद्धालु

दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

श्रावण मास में कांवड़ियों को भोलेनाथ के साथ उनके पूरे परिवार के पूजन का सौभाग्य भी मिलता है। मंदिर से जुड़े जानकारों का दावा है कि भारत के इतिहास में शैव संप्रदाय की काफी भूमिका है। ये मंदिर उसी संप्रदाय का प्रतीक है। पांच पीपल के पेड़ों के बीच मौजूद शिवलिंग सैकड़ों वर्ष पहले से मौजूद है, जिसके ऊपर रखे एक चांदी के बर्तन से जल की बूंद अभिषेक कर रही है।

गौरी और शिव की पूजा-अर्चना के लिए यहां सुबह 5 बजे से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी होती हैं। सोमवार को भी यहां सुबह 5 बजे से शिवलिंग और गौरी शंकर का पूजन शुरू हो जाएगा। पूरे श्रावण मास यहां भक्तों की हजारों की तादाद में भीड़ देखने को मिलती है। ये पुरानी दिल्ली के सबसे चर्चित और प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

लखनऊ में भी कर सकते हैं महाकाल के दर्शन

लखनऊ। हिंदू धर्म में दिनों का बहुत महत्व होता है। हर दिन हर एक देवता के नाम पर है। सोमवार शिव भगवान, मंगलवार राम भक्त हनुमान, बुधवार गणेश, गुरुवार विष्णु भगवान, शुक्रवार जगदंबा, शनिवार शनिदेव और रविवार सूर्य देव का माना जाता है। ऐसे में लखनऊ का एक ऐसा मंदिर है जहां पर बाबा भोलेनाथ का श्रृंगार इन्हीं दिनों के देवताओं के रूप में किया जाता है, जो देखने में बेहद मनमोहक और आकर्षित लगता है।

बाबा भोलेनाथ के इस मंदिर में आकर भक्त उनके रूप में सभी देवी देवताओं के दर्शन कर लेते हैं। यही वजह है कि प्रतिदिन यहां पर हजारों श्रद्धालु पूजा अर्चन के लिए आते हैं। सावन में तो यहां भीड़ की वजह से पर कदम रखने की भी जगह नहीं होती। हम बात कर रहे हैं ऐसबाग स्थित श्री महाकाल मंदिर की, जिसे उज्जैन के महाकाल मंदिर के तर्ज पर ही बनाया गया है।

यह मंदिर बेहद प्राचीन है। जबकि इसकी खासियत अलग अलग दिन का श्रृंगार है। हैरानी की बात है कि मंदिर के सेवक अतुल मिश्रा और महादेव तिवारी मिलकर मात्र 5 से 10 मिनट के अंदर ही श्रृंगार कर लेते हैं। जबकि श्रृंगार करते हुए भी भक्त दर्शन कर सकते हैं। मंदिर के कपाट श्रृंगार के दौरान बंद नहीं किए जाते हैं।

ऐशबाग मंदिर के सेवक अतुल मिश्रा और महादेव तिवारी ने बताया कि सोमवार को बाबा का श्रृंगार नीलकंठ रूप में किया जाता है। यानी पूरा नीले रंग से किया जाता है, जो कि बेहद खास होता है।

अतुल मिश्रा और महादेव तिवारी के मुताबिक, मंगलवार को बाबा भोलेनाथ का श्रृंगार हनुमान के रूप में किया जाता है। बुधवार को गणेश का रूप, गुरुवार को विष्णु भगवान का रूप, शुक्रवार को जगदंबा का रूप, शनिवार को शनि देव और रविवार को सूर्य देव के रूप में श्रृंगार किया जाता है। इस वजह से हर दिन भक्त बाबा की अलग-अलग रूपों की पूजा करते हैं।

इस मंदिर में बाबा का मुख पूरब की ओर है। जबकि महाकाल उज्जैन का मुंह दक्षिण मुखी है। मंदिर में उज्जैन की तरह नियम लागू होते हैं। भस्म आरती के समय पुरुषों को धोती और महिलाओं का साड़ी पहनना अनिवार्य है।

सिर्फ बेल पत्र नहीं इन पुष्पों को भी चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं महादेव

सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा करने से वह सबसे जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं इसलिए उन्हें भोलेनाथ भी कहा जाता है। सावन के महीना में शिवजी की पूजा का विशेष महत्व होता है। लोगों के द्वारा जल चढ़ाकर पार्थिव शिवलिंग निर्माण कर शिवालयों में पहुंचकर अलग-अलग तरह से पूजन अर्चन किया जाता है। लेकिन आज हम आपको यह बताने जा रहे हैं की शिव जी को कौन से पुष्प चढ़ाने से आपको कौन से फल की प्राप्ति हो सकती है और कौन सी धारा से आपके मनोरथ पूरे होंगे।

पांडे ने शिव महापुराण के हवाले से जानकारी देते हुए कहा कि शिव महापुराण के रुद्र संहिता के 14 वें अध्याय में शिवपूजन का पुष्प और पत्रों के द्वारा फल बताया गया है। इसमें भगवान नारद से ऋषियों ने पूछा था। नारद जी को भगवान ब्रह्मा ने यह सब कुछ बताया है। इसके अनुसार शिवजी का पूजन कमल पत्र, बेलपत्र, शमी पत्र, ससंघपुष्प आदि से करने से व्यक्ति को लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

इसके अलावा चावल और चंदन सहित अखंड जल की धारा जब हम चढ़ाते हैं, तो हर तरह की सिद्धि प्राप्त हो सकती है। जो व्यक्ति ज्यादा आमदनी चाहते हैं वह धतूरे के फलों से (जिनकी डंडी मुलायम हो यह ध्यान रखते हुए) शिवजी का पूजन पूजन करें। शत्रु के नाश के लिए जवा पुष्प से पूजन करना चाहिए, और सभी रोगों को दूर करने के लिए कनेर के पुष्प से शिवजी का पूजन किया जाना चाहिए। इसके अलावा सुख संपत्ति पाने के लिए हरसिंगार के पुष्प से शिवजी की पूजा की जाती है।

ज्यादा बड़े फल प्राप्त करने के लिए कम से कम राई के एक लाख फल चढ़ाने चाहिए। वहीं चंपा और केतकी के फूल शिवजी पर नहीं चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव को जब हम चावल चढ़ाते हैं तो हमें विशेष रूप से ध्यान देना है कि चावल खंडित नहीं होना चाहिए।

मूरख मारे लट्ठ से, ऊपर ही दरसाय

श्री ज्ञानमुनिजी म.सा.

* आँधियों में कुछ यूँ बदहवास हुए लोग कि । जिनके तने खोखले थे, उन्हीं पेड़ों के लिपट गये ।
* हम वहाँ हैं जहाँ से हमको भी । कुछ हमारी खबर नहीं आती ॥
* नींद कहाँ उनकी आँखों में जो ज्ञान (धुन) के मतवाले हैं।
गति की तृषा और बढती, पड़ते पंद में जब छाले हैं ।
* बहुत दुवारे (द्वार) सेवना, बहुत भावना कीन्ह धरनी मन संसय मिटी, तत्व परो जब चीन्ह ॥
* लिखि-लिखि सिखि - सिखि का भयो, पढि गुनि गाय बजाय ।
धरनी मूरति मौहिनि, जौ लगि हिये न समाय ॥
* जब साहित्य पढो तब पहले पढो ग्रंथ प्राचीन ।
पढना हो विज्ञान अगर, तो पोथी पढो नवीन ।।
* आतम अनुभव ज्ञान की जो कोई पूछे बात ।
सो गूंगा गुड़ खाइ कै, कहै कौन मुख स्वाद ।।
* कनक पात्र में रहत है, ज्यों सिंहनि को दूध ।
ज्ञान तहाँ ही ठहरै, हृदय होई जब शुद्ध ।
* जगत दुःखी हरिजन सुखी, सूझा गुरु का ज्ञान ।
कह पानप दुःख वीसरे, पाए परम निधान ।।
* धनतै कलमष ना कटै, काटै विद्या ज्ञान ।
ज्ञान बिना धन क्लेशकर, ज्ञान एक सुख खान ।
* मूरख मारे लट्ठ से, ऊपर ही दरसाय ।
ज्ञानी भारे ज्ञान से, रोम-रोम छिद जाय ॥
* पढ़ ग्रंथ नित्य विवेक के मन स्वच्छ तेरा होयगा,
वैराग्य के पढ़ ग्रंथ तूं, बहु जन्म के अघ धोयगा ।
पढ ग्रंथ सादर भक्ति के आल्हाद मन भर जायेगा,
श्रद्धा सहित स्वाध्याय कर, संसार से तर जायेगा ।
* को काकौ दुःख देत है, कौन देव सुखदान ।
सब जीवों की बुद्धि के प्रेरक श्री भगवान ।।
* प्रभु वचन अभाग के, पड़े न कानां माय ।
के तो बात चलावसी के उंघे के उठ जाय ॥
* सुणने वाला मिलिया घणा सरधने वाला थोड़ा ।
सुणी सुणाइ ने लातां मारे ए परजापत रा घोड़ा ।।
* राजा संचे द्रव्य कोष, पंडित संचे शब्द कोष ॥
* सागर ! सीख्यो सैकड़ा, अनुपम कला उदार ।
जीवन री ज्योति जगै, तो सीख्योड़ो सार ।
* सागर ! इण संसार में पढ्यो लिख्यो भी फूड ।
जो नहिं जाणै बोलणो (तो) सब सीख्योड़ो धूल ।
* अकल दार ने आँख रो घणो इसारो एक ।
अविवेकी नै लाख भी, सागर कह कर देख ॥

देवों के देव महादेव की महिमा अपरम्पार है, उनकी सर्वोच्च शक्तियों की वजह से न केवल शैतान बल्कि अन्य देव भी डरते हैं। ये तो आप सभी को पता होगा, जब-जब देवताओं पर समस्याओं का संकट छाया है, तब-तब भोलेनाथ ने उनकी परेशानियों का हल निकाला है। इस वजह से भी भगवान शिव को सबसे ऊपर माना जाता है। पूरे साल भगवान महादेव की पूजा-अर्चना की जाती है और यही कारण है कि आपको देश के हर कोने में उनके मंदिर मिल जाएंगे। देश में ज्यादातर मंदिर नए हैं, लेकिन कुछ मंदिर का अपना प्राचीन इतिहास है। उन्हीं पुराने मंदिरों में भगवान शिव का एक मंदिर है, जिसका निर्माण 12 वीं शताब्दी में किया गया था। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत ये है कि यहां की सीढ़ियों से संगीत की धुन निकलती है, जिस वजह से ये मंदिर अन्य मंदिरों से काफी अलग है, चलिए आपको इस मंदिर के बारे में बताते हैं......

इस मंदिर का नाम ऐरावतेश्वर मंदिर है, जो दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य के कुंभकोणम के पास 3 किमी की दूरी पर स्थित है। ये मंदिर शिव भगवान को समर्पित है, जिसे 12 वी शताब्दी में बनाया गया था। मंदिर न केवल अपने धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है, बल्कि ये प्राचीन बास्तुक्ला के लिए भी प्रसिद्ध है। मंदिर की आकृति और अंदर बनी मंदिर की डिजाइनिंग लोगों को काफी आकर्षित करती है। अगर इसके इतिहास पर गौर करे तो इसे राजा राज चोल द्वितीय ने बनवाया था।

इस मंदिर में भगवान शिव को ऐरावतेश्वर के नाम से भी पूजा जाता है, क्योंकि ऐसा मानते हैं कि यहां इंद्र देव के सफेद हाथी ऐरावत ने महादेव की पूजा की थी। हाथी के नाम पर ही इस मंदिर का नाम ऐरावतेश्वर रखा गया है। भगवान शिव का ये मंदिर कला और वास्तुकला से घिरा हुआ है, जहां आपको शानदार पत्थर की नक्काशी देखने को मिल जाएगी। माना जाता है कि मंदिर को द्रविड़ शैली में भी बनाया गया था। प्राचीन मंदिर में आपको रथ की संरचना भी दिख जाएगी और वैदिक और पौराणिक देवता जैसे इंद्र, अग्नि, वरुण, वायु, ब्रह्मा, सूर्य, विष्णु, सप्तमत्रिक, दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, गंगा, यमुना जैसे भगवान यहां शामिल हैं। समय के साथ आपको मंदिर के कई हिस्से टूटे हुए दिखाई देंगे। बाकि कुछ हिस्से आज भी उसी मजबूती के साथ खड़े हैं।

एक खास चीज जो इस मंदिर को बेहद दिलचस्प और एकदम खास बनाती है, वो यहां की सीढ़ियां। मंदिर के एंट्री वाले द्वार पर एक पत्थर की सीढ़ी बनी हुई है, जिसके हर कदम पर अलग-अलग ध्वनि निकलती है। इन सीढ़ियों के माध्यम से आप आप संगीत के सातों सुर सुन सकते हैं। इसके लिए आपको लकड़ी या पत्थर से ऊपर से लेकर नीचे तक रगड़ना पड़ेगा। किसी चीज टकराने से सीढ़ी से संगीत के स्वर निकलते हैं। वैसे आपको कुछ रगड़ने की जरूरत नहीं है, आप सीढ़ियों पर चलेंगे तब भी आपको धुन सुनने को मिल जाएंगे

कुंभकोणम मंदिर शहर के बाहरी इलाके से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर है। कुंभकोणम का पास का हवाई अड्डा शहर से लगभग 70 किलोमीटर की दूरी पर त्रिची अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है। इसका अपना रेलवे स्टेशन है जो रेल के माध्यम से त्रिची, मदुरै, चेन्नई आदि शहरों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। इस शहर के लिए बस सेवाएं उपलब्ध हैं, जबकि कैब और ऑटो का उपयोग शहर के अंदर जाने के लिए किया जा सकता है।

खुद को स्टार नहीं मानते विक्की कौशल

बोले- शाहरुख-सलमान और ऋतिक का स्टारडम रियल है अब फैंस और फॉलोअर्स सब खरीदे जा सकते हैं

विक्की कौशल ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि वह शाहरुख खान, सलमान खान और ऋतिक रोशन की तुलना में खुद को स्टार नहीं मानते हैं। उन्होंने बताया कि आज के दौर में स्टारडम किसी इंस्टेंट कॉफी के जैसा है, जिसे जब चाहे तब हासिल किया जा सकता है। हालांकि, विक्की इन चीजों में विश्वास नहीं करते हैं।

एक समाचार पत्र के साथ बातचीत के दौरान जब विक्की से सवाल किया गया कि वह ऐसा क्यों कहते हैं कि वह एक्टर होने के बावजूद वो स्टारडम का पीछा नहीं कर रहे हैं? क्या वह वाकई खुद को स्टार मानते हैं? इस पर विक्की ने कहा कि उनके लिए फिल्म 'कहो न प्यार है' में ऋतिक रोशन एक असली स्टार थे।'

उस वक्त को याद करते हुए विक्की ने कहा- 'उस वक्त ऋतिक को उनके फैंस से जो प्यार मिला था, वो वाकई बेहद खास था। मैं भी उनसे मिलना चाहता था। मेरे पिता एक फिल्म तकनीशियन थे और उन्होंने ऋतिक के साथ काम भी किया था, इसके बावजूद मैं उनसे केवल एक बार ही मिल सका। मुझे उनसे मिलने के लिए मेहनत करनी पड़ी।'

सोशल मीडिया के दौर में फेम के बारे बात करते हुए विक्की ने कहा- आज सोशल मीडिया की पहुंच ऐसी है कि कोई भी शख्स केवल तभी तक स्टार है, जब तक वह न्यूज में है या फिर सोशल मीडिया पर ट्रेंड पर रहा है।

एक असली स्टार को शाहरुख खान, सलमान खान और ऋतिक की तरह एवरग्रीन होना चाहिए। पहले बॉलीवुड में दशकों की मेहनत के बाद स्टारडम मिलता था और वो शोहरत जिंदगी भर के लिए होती थी। आज के दौर में स्टारडम इंस्टेंट कॉफी की तरह आसानी से हासिल किया जा सकता है। आप फॉलोअर्स, फैंस, ब्लू टिक और प्रमोशन भी खरीद सकते हैं। आज का स्टारडम फास्ट फूड की तरह है। फैंस से मुझे जो प्यार मिला उसके लिए मैं आभारी हूं, लेकिन मैं एक स्टार की तरह महसूस नहीं करता हूं।

सारा ने रणवीर सिंह के साथ रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में है कैमियो, बोलीं- मेरा सिंबा, सबका रॉकी

रणवीर सिंह और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी रिलीज हो चुकी है। अब तक फिल्म ने 27.10 करोड़ रुपए का कलेक्शन है। हाल ही में सारा अली खान ने सोशल मीडिया पर रणवीर सिंह के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं। दरअसल, सारा ने इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ एक कैमियो रोल किया है। सारा ने फिल्म में रणवीर सिंह के इंट्रोडक्टरी गाने - हार्टथ्रोब में उनके साथ डांस किया है। सारा अली खान ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करते हुए लिखा- मेरा सिंबा सबका रॉकी, दहाड़ते रहो! इस पोस्ट पर रणवीर सिंह ने कमेंट भी किया है। वहीं, सारा के भाई इब्राहिम अली ने फिल्म के असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया था।

सारा ने रणवीर के साथ किया था बॉलीवुड डेब्यू

सारा ने 2018 में रोहित शेट्टी की कॉप-कॉमेडी फिल्म सिंबा से बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म में सारा के ओपजिट रणवीर सिंह थे। इस फिल्म में रणवीर ने गोवा के पुलिस ऑफिसर का रोल किया था। रणवीर-सारा ने 90 के दशक के पॉपुलर गाने 'आंखे मारे' के रीक्रिएटेड वर्जन पर डांस किया था।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर-आलिया के साथ धर्मेंद्र, जया बच्चन, शबाना आजमी भी हैं।

कंगना रनोट के नाम से ऑपरेट हो रहे फेक अकाउंट : कंगना ने जांच की मांग की, बोलीं- इसके पीछे चंगु-मंगू गैंग

कंगना रनोट ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने फैंस और फॉलोअर्स को चेतावनी दी है कि कुछ लोग उनके नाम का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंगना ने कहा है कि सोशल मीडिया पर लौरा नाम से एक अकाउंट ऑपरेट किया जा रहा है। ये अकाउंट कंगना का ऑनलाइन मैनेजर बनकर उनके फैंस को मैसेज कर रहा है।

कंगना ने मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच से जांच की रिक्वेस्ट की

कंगना के मुताबिक इसके पीछे चंगु-मंगू गैंग और फिल्म माफिया का ही हाथ है। कंगना ने मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच से भी इस मामले की जांच करने की रिक्वेस्ट की है। कंगना ने एक मैसेज का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा- आज मुझे ये पता चला है कि फिल्म माफिया मेरे नाम पर फेक अकाउंट ऑपरेट कर रहे हैं।

कंगना के नाम पर फेक अकाउंट से किए जा रहे हैं मैसेज

दरअसल, कंगना के फैंस को जो मैसेज शेयर किया जा रहा है उसमें लिखा है- कंगना रनोट के वेरिफाइड अकाउंट पर लाइक्स और कमेंट्स के आधार पर आपको चुना गया है।

कंगना को आपके कमेंट्स अच्छे लगते हैं और वो आपसे बात करना चाहती हैं। मैं कंगना की ऑनलाइन मैनेजर लौरा हूं। क्या आप उनसे बात करना चाहते हैं ? अगर आपको ये ऑफर पसंद आया तो मुझे नीचे दिए लिंक पर क्लिक कर अपनी राय दें।

मेरे कोई ऑनलाइन मैनेजर नहीं है, इनके झांसे में न आएं: कंगना रनोट

कंगना ने कहा है कि मेरा इस व्यक्ति से कोई लेना-देना नहीं है और मेरे पास ऐसा कोई ऑनलाइन मैनेजर भी नहीं है। ये चंगु-मंगू गैंग की करतूत है जिनकी फिल्म छुट्टी के दिन भी 18 करोड़ की कमाई तक नहीं कर पाई। जबकि मणिकर्णिका ने एक दिन ही में 18 करोड़ रुपए कमा लिए थे जिस फिल्म को इन लोगों ने रिलीज के पहले ही फ्लॉप करार कर दिया था। इनके झांसे में न आएं। कंगना ने बिना किसी का नाम लिए फिल्म माफिया और चंगु-मंगू गैंग जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर करण जौहर की तरफ इशारा किया है। 28 जुलाई को उनकी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी रिलीज हुई।

शराब ना होती तो मैं और बड़ा सुपरस्टार होता रजनीकांत

हाल ही में चेन्नई में रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' का आडियो लॉन्च इवेंट ऑर्गनाइज किया गया। इस मौके पर एक्टर ने अपनी लाइफ से जुड़ी कई बातें शेयर कीं। इस दौरान तमिल सुपरस्टार ने अपनी ड्रिंकिंग प्रॉब्लम पर खुलकर बात करते हुए उसे अपनी लाइफ की सबसे बड़ी मिस्टेक बताया।

एक्टर ने अपने फैंस से कहा कि वे ऐल्कोहॉल (शराब) का दुरुपयोग न करें बल्कि जिम्मेदारी से इसे एंजॉय करें। उन्होंने कहा, मेरी लाइफ में शराब ना होती तो मैं समाज की ज्यादा अच्छे से सेवा करता। ऐल्कोहॉलिज्म मेरी लाइफ की सबसे बड़ी गलती है।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर शराब नहीं होती तो उन्होंने अपने करियर में भी

कहीं बेहतर प्रदर्शन किया होता और आज से भी बड़े स्टार बन गए होते।

फिल्म काला में उठाया था मुद्दा

रजनीकांत ने 2018 में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'काला' में ऐल्कोहॉलिज्म पर बात की थी। फिल्म में उनका किरदार नशे की हालत में अपनी लापरवाही के चलते पत्नी को खो देता है। यह पहली बार था जब एक्टर ने ऐल्कोहॉल के बुरे रिजल्ट पर बात की थी। इससे पहले तक तो वो शराब और सिगरेट को स्टाइल स्टेटमेंट के रूप में पेश करते थे।

हटाना चाहते हैं सुपरस्टार का टाइटल

इसके अलावा इवेंट में रजनीकांत ने खुद को मिले 'सुपरस्टार' टाइटल पर भी बात की। एक्टर ने कहा कि वो इस अपने नाम के आगे से इस टाइटल को हटाना चाहते हैं। उन्होंने मेकर्स से इस टाइटल को हटाने के लिए रिक्वेस्ट भी की पर उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया।

डायरेक्टर नेल्सन पर जताया भरोसा

इसके अलावा इवेंट में रजनी ने 'जेलर' के डायरेक्टर नेल्सन की पिछली फिल्म 'बीस्ट' पर भी बात की। उन्होंने बताया कि विजय स्टारर 'बीस्ट' के लिए क्रिटिक्स और ऑडियंस ने डायरेक्टर नेल्सन को क्रिटिसाइज किया था।

इसके बाद चर्चा थी कि नेल्सन को 'जेलर' से हटा दिया जाएगा पर उन्होंने नेल्सन पर भरोसा जताए रखा। दूसरी तरफ 'बीस्ट' भी क्रिटिसिज्म के बावजूद हिट रही और डिस्ट्रीब्यूटर्स को कोई नुकसान नहीं हुआ।

10 अगस्त को रिलीज होगी जेलर

फिल्म जेलर को नेल्सन दिलीप कुमार ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म में रजनीकांत मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा इसमें जैकी श्रॉफ, तमन्ना भाटिया, मोहन लाल, राम्या कृष्णन और योगी बाबू समेत कई कलाकार नजर आएंगे। फिल्म 10 अगस्त को रिलीज होनी है।

आज सेंसर बोर्ड तय करेगा ओएमजी-2 का भविष्य

'U' सर्टिफिकेट देने में हिचक रहा बोर्ड; मेकर्स चाहते हैं बच्चे भी फिल्म देखें

अक्षय कुमार की फिल्म OMG-2 अभी भी सेंसर बोर्ड में लटकी है। सोर्सेज की माने तो फिल्म को लेकर एक अहम डेवलपमेंट सोमवार को आ जाएगा। सेंसर बोर्ड और मेकर्स दोनों अपने रुख में लचीलापन ला रहे हैं।

सेंसर बोर्ड फिल्म में कट लगाने की संख्या में भी कमी कर रहा है। हालांकि बोर्ड अभी भी फिल्म को U सर्टिफिकेट देने में हिचक रहा है। फिल्म के मुद्दे को देखते हुए मेकर्स भी डिस्क्लेमर रखने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि मेकर्स नहीं चाहते कि फिल्म को A सर्टिफिकेट मिले। फिल्म सेक्स एजुकेशन जैसे अहम मुद्दे पर बनी है। A सर्टिफिकेट मिलने से बच्चे फिल्म नहीं देख पाएंगे। मेकर्स का मानना है कि फिल्म में जो जानकारी दी गई, उसकी सबसे ज्यादा जरूरत बच्चों को ही है।

फिल्म को मिल सकता है UA 13+ सर्टिफिकेट

चूंकि मेकर्स इस बात पर अड़े हैं कि उन्हें UA सर्टिफिकेट ही चाहिए। इसे देखते हुए सेंसर बोर्ड अपनी नई पॉलिसी इस फिल्म के साथ लागू कर सकता है। इस हिसाब से फिल्म को UA 13+ सर्टिफिकेट मिल सकता है। इसके तहत 13 साल से ज्यादा उम्र के बच्चे फिल्म देख सकेंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि सर्टिफिकेशन पर सेंसर बोर्ड क्या फैसला लेता है।

U सर्टिफिकेट देने से हिचक रहा सेंसर बोर्ड

सोर्सेज के मुताबिक ,सेंसर बोर्ड काफी असमंजस की स्थिति में है। फिल्म इस बात की वकालत करता है कि स्कूलों में टीनएज के लिए सेक्स एजुकेशन होना चाहिए। हालांकि इस मसले में स्कूलों में अभी तक कोई नीति नहीं बन पाई है। इसी वजह से सेंसर बोर्ड फिल्म को U सर्टिफिकेट देने में हिचक रहा है।

लिहाजा सेंसर बोर्ड और मेकर्स के बीच लगातार बातचीत जारी है। अब इसका क्या नतीजा निकलता है कि यह सोमवार तक पता चल जाएगा।

फिल्मों को कैसे सर्टिफिकेट मिलता है, पूरा समझिए

पहले तीन तरह से फिल्मों को सर्टिफाई किया जाता था। पहला था U जिसे यूनिवर्सल कहा जाता है। अगर किसी फिल्म को U सर्टिफिकेट मिलता है, तो इसका मतलब उसे किसी भी ऐज ग्रुप का व्यक्ति बिना किसी रिस्ट्रिक्शन के देख सकता है।

दूसरे नंबर पर आती हैं UA सर्टिफाइड फिल्म। अगर कोई बच्चा 18 साल से कम है तो वो पेरेंट के मार्गदर्शन में UA सर्टिफाइड फिल्म देख सकता है। तीसरे नंबर पर आती हैं A सर्टिफाइड वाली फिल्में। इन फिल्मों को सिर्फ वही लोग देख सकते हैं, जिनकी उम्र 18 साल से ज्यादा हो चुकी है।

अब संसद में सिनेमैटोग्राफ एक्ट 1952 संशोधित विधेयक पारित हो गया है। इस बिल में कुछ नई कैटेगरी जैसे UA 7+, UA 13+ और UA 16+ को शामिल किया गया है। अब फिल्मों को UA सर्टिफिकेशन के तहत सात साल, 13 साल और 16 साल के दर्शक वर्ग के लिए अलग-अलग सर्टिफाइड किया जाएगा।

फिल्म में महाकाल मंदिर को बड़े पैमाने पर दिखाया जाएगा

सोर्सेज का दावा है कि यह पहली हिंदी फिल्म होगी, जिसमें उज्जैन के महाकाल मंदिर को बहुत बड़े पैमाने पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म में बाप-बेटे के भावनात्मक रिश्ते को दिखाया गया है। हालांकि इसे लेकर विवाद भी हुआ है। इसे लेकर महाकाल मंदिर के पुजारियों ने आपत्ति जताई है।

पुजारियों का कहना है कि इस फिल्म से महाकाल मंदिर में शूट किए गए सभी दृश्य को तत्काल हटा लेना चाहिए। फिल्म को अगर A सर्टिफिकेट दिया गया और अश्लीलता परोसने के साथ महाकाल मंदिर के शॉट दिखे तो देशभर में फिल्म प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और एक्टर अक्षय कुमार के खिलाफ प्रदर्शन होगा। FIR भी दर्ज कराई जाएगी।

दिशा अपनी कातिल अदाओं से प्रशंसकों का दिल लूटने में माहिर

दिशा पाटनी की गिनती आज बॉलीवुड की सबसे बोल्ड, हॉट और ग्लैमरस अभिनेत्रियों में होती है, जो फिल्मों में ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी अपनी कातिल अदाओं से प्रशंसकों का दिल लूटने में माहिर हो चुकी है लेकिन उसके बारे में यह बात कम ही लोगों को पता होगी कि वह खुद को एक शर्मीली लड़की मानती हैं।

दिशा के अनुसार, वह बहुत शर्मीली है और शराब नहीं पीती, इसलिए जब वह पार्टियों में जाती है और लोग नशे में धुत्त हो जाते हैं तथा उनका व्यवहार असंयमित हो जाता है, तो उन्हें बहुत असहज महसूस होता हैं। इसीलिए वह अपनी टीम या सहकर्मियों के साथ ही रहना पसंद करती हैं, जबकि वह अजनबियों से सावधान रहती है।

लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में फिल्में पाने में क्या इस तरह का स्वभाव आड़े नहीं आता, पर उसने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह केवल हमारी इंडस्ट्री में है, लोग आपसे सभी पेशों में मेलजोल बढ़ाने की अपेक्षा करते हैं। लेकिन यह गारंटी नहीं देता कि इससे आपको काम मिल ही जाएगा। मैं पसंद करती हूं कि मेरा काम ही मेरी सिफारिश करे। उन्हें मार्शल आर्ट्स से भी खासा लगाव है और सोशल मीडिया पर भी उसके मार्शट आर्ट्स का अभ्यास करते वीडियो काफी लोकप्रिय हैं। मार्शल आर्ट्स सीखने के लिए उसे किससे प्रेरणा मिली है, पर वह कहती है, मैंने बचपन से ही जैकी चैन से खुद को प्रेरित महसूस किया है। मुझे एक्शन फिल्में देखना भी पसंद है।

कई युवा उसे अपने लिए प्रेरणा मानते हैं लेकिन उसे ऐसा महसूस नहीं होता, मुझे नहीं लगता कि अभी मैं किसी के लिए भी प्रेरणा हूं लेकिन मैं लगातार मेहनत करना और खुद को विकसित करना पसंद करती हूं और जितना हो सके नई चीजें सीखने की कोशिश में रहती हूं।

बियोंसे को मानती है आदर्श

उसने कहा कि वह लोकप्रिय अमरीकी गायिका बियोंसे को अपना आदर्श मानती है। उसने बताया, बियोंसे बहुत कमाल हैं। मैं जो भी करती हूं, उससे पहले उनका नाम लेती हूं, जैसे कि स्टेज शो के लिए स्टेज पर जाने से पहले।

निजी जिंदगी में पहनती है आम कपड़े

बेशक किसी भी इवेंट या रैड कार्पेट पर दिशा का बोल्ड फैशन सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेता हो लेकिन उसका कहना है कि उसे आम जिंदगी में आम कपड़े पहनना ही पसंद है। उसने कहा, ₹मैं निजी जिंदगी में डिजाइनर कपड़े नहीं पहनती। मैं इसे कैजुअल रखना और मूड के अनुसार कपड़े पहनना पसंद करती हूं। अधिकांश समय, मैं अपने बास्केटबॉल शॉर्ट्स और बड़े आकार की शर्ट में रहती हूं। जब मैं बाहर जाती हूं तभी सजना-संवरना पसंद करती हूं।

काम वही जिसमें दिल लगे

वह किस तरह के रोल करने की ख्वाहिश रखती है, पूछने पर दिशा ने कहा, मैं आसानी से ऊब जाती है, इसलिए मैं अतीत में निभाए किसी किरदार को दोहराना नहीं चाहती। मैं हमेशा कुछ नया तलाश करती हूं। मुझे किरदार के साथ जुड़ाव महसूस होना चाहिए। लोग मुझसे कहते रहते हैं कि मुझे और काम करना चाहिए लेकिन आपको अपने काम से प्यार करना होगा। यदि आप किसी काम को अपना दिल और आत्मा नहीं दे सकते, तो वह काम करने लायक नहीं होता। नहीं हैं इंडस्ट्री में बहुत दोस्त मैं इंडस्ट्री में किसी की भी बैस्ट फ्रैंड नहीं हूं, लेकिन मेरे सभी सह-कलाकारों के साथ मेरे अच्छे संबंध हैं। इंडस्ट्री में मेरे कुछ दोस्त हैं। कुणाल खेमू मेरे लिए भाई जैसे हैं। तारा सुतारिया के साथ भी मेरी अच्छी दोस्ती हो गई हैं। मुझे अर्जुन कपूर और जॉन अब्राहम के साथ कुछ समय बिताने का मौका मिला। फिल्म एक विलेन रिटर्न्स के प्रोमोशन के दौरान हमें बहुत मजा आया था।

बनना चाहती हूं टाइगर श्रॉफ जैसी

टाइगर श्रॉफ एक दोस्त हैं। मैं उन्हें अपना गुरु कहती हूं क्योंकि मैं बहुत मेहनती और समर्पित होने के लिए उनका आदर करती हूं। मैं उनके जैसा बनना चाहती हूँ।

इस तरह रहती है फिट

आज हिंदी सिनेमा के सबसे फिट सितारों में से एक मानी जाने वाली दिशा अपनी फिटनेस के बारे में बताती हैं, "यह 80 प्रतिशत खान पान और 20 प्रतिशत कसरत है। मुझे मांसलता पाने के लिए अधिक प्रोटीन का सेवन करने की आवश्यकता है। मैं वेट ट्रेनिंग करती हूं, कार्डियो करती हूं और यहां तक कि किकबॉक्सिंग तथा मार्शल आर्ट का भी आनंद लेती हूँ।

आने वाली फिल्में : दिशा की जल्द रिलीज होने जा रही फिल्मों में 'कल्की 2898 ए.डी. (पहले इसी का नाम 'प्रोजैक्ट के' था), 'कंगुवा' और 'योद्धा' शामिल हैं।

मान्यता ने खास अंदाज में दी संजय दत्त को बधाई

आप जो हैं वही रहने के लिए शुक्रिया, 64वां जन्मदिन मनाया एक्टर ने

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त आज 64 साल के हो गए हैं। उनका जन्म 29 जुलाई 1959 को हुआ था। इस खास मौके पर उनकी वाइफ मान्यता दत्त ने एक वीडियो शेयर कर उन्हें बधाई दी है। मान्यता ने संजू बाबा के साथ कई फोटोज का एक रील वीडियो बनाकर शेयर किया है। जिसमें दोनों रोमांटिक अंदर में नजर आ रहे हैं।

मान्यता ने खास अंदाज में किया विश

इस वीडियो में संजय और मान्यता की कई पुरानी और नई तस्वीरें हैं। फोटोज में दोनों की खूबसूरत बॉन्डिंग देखने को मिली। मान्यता ने वीडियो को शेयर करते हुए एक लम्बा चौड़ा कैप्शन भी लिखा है।

उन्होंने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे। आप मेरे लिए जो कुछ भी करते हैं उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकते। इतना अमेजिंग होने के लिए आपका शुक्रिया। आप जैसे है वैसे ही रहने के लिए भी शुक्रिया। उम्मीद करती हूं आपका आने वाला साल और अच्छा हो। आपकी जिंदगी में आकर काफी ब्लेस्ड फील करती हूं'।

2008 में की थी शादी

संजय दत्त और मान्यता दत्त ने 2008 में शादी की थी। दोनों जुड़वां बच्चों शाहरान और इकरा के माता-पिता हैं। संजय ने मान्यता से तीसरी शादी की है। मान्यता संजय से लगभग 19 साल छोटी हैं। मान्यता से पहले संजय की पत्नी रिया पिल्लई थीं जिनसे उनका तलाक हो गया था। इससे पहले संजय की पहली पत्नी ऋचा शर्मा थीं जिनका ब्रेन ट्यूमर के चलते उनका निधन हो गया था। ऋचा ने 10 दिसंबर,1996 को दुनिया को अलविदा कह दिया।

संजय दत्त के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

वर्कफ्रंट की बात करें तो संजय दत्त 90 के दशक से फिल्म में हीरो का किरदार निभाते आए हैं। हालांकि, पिछले कुछ सालों से एक्टर ज्यादातर विलेन का किरदार निभाते हैं। उन्होंने KGF चैप्टर 2 से कन्नड़ फिल्मों में डेब्यू किया। वहीं अब वो तमिल फिल्मों में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। एक्टर संजय लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित थलापति विजय की फिल्म 'लियो' में विलेन का किरदार निभाएंगे। यह फिल्म 19 अक्टूबर को रिलीज होगी। इसके अलावा एक्टर जल्द ही अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी के साथ हेरा- फेरी 3 में दिखाई देंगे। शाहरुख खान की फिल्म जवान में भी संजय की स्पेशल अपीयरेंस है।

फैशन फोरकास्टिंग में करियर चमकाएं

एक आकर्षक, ग्लैमरस और रोमांच से भरा हुआ ए क्षेत्र है फैशन। इसमें करियर विकल्प के तौर पर युवाओं के जेहन में फैशन डिजाइनर बनने का ही ख्याल आता है, लेकिन आज फैशन के क्षेत्र में करियर के कुछ और विकल्प हैं। यदि आप में रचनात्मकता और मौलिकता है तो 'फैशन फोरकास्टिंग' आपके लिए एक बेहतर करियर साबित हो सकता है।

दरअसल, फैशन फोरकास्टिंग' और 'फैशन डिजाइनिंग' समरूप हैं। अंतर केवल इतना है कि आप 'फैशन फोरकास्टिंग' में फैशन डिजाइनिंग से एक कदम आगे होते हैं। यहां आप आने वाले ट्रैंड और रुझानों को तय करते हैं। फैशन से जुड़े टैंड की भविष्यवाणी इस पेशे का मुख्य हिस्सा है।

रोमांचक है फैशन फोरकास्टिंग' :

इस फील्ड में इतना रोमांच है कि आप हर समय जोश और जज्बे से भरे रहते हैं। यहां कुछ भी ठहरा हुआ नहीं है। यहां रातों- रात फैशन के सारे समीकरण बदलते हैं।

मौसम के हिसाब से कट और कलर तो बदलते ही हैं, लेकिन अब तो लगता है कि स्टाइल और मैटीरियल आदि चलन में आने से पहले ही बदल जात हैं, इसलिए इस काम की चुनौतियां भी अनूठी हैं।

ऐसे में सबसे पहले यहां यह समझने की जरूरत है कि फैशन की भविष्यवाणी करने और फैशन डिजाइनिंग में क्या फर्क है?

दरअसल, फैशन की भविष्यवाणी फैशन डिजाइनिंग की अगली कड़ी है, जहां कोई भी कुशल डिजाइनर या फैशन विशेषज्ञ लोगों के मूड को समझते हुए उनकी रुचि, ट्रैंड, मौसम, रंगों के अनुसार आने वाले फैशन की भविष्यवाणी करता है।

शैक्षिक योग्यता

'फैशन फोरकास्टिंग' के ज्यादातर स्नातक कोर्स में प्रवेश लेने के लिए किसी भी विषय में 12वीं पास होना जरूरी है। वहीं पी. जी. कोर्स के लिए किसी भी विषय में स्नातक होना जरूरी है।

भविष्य की संभावनाएं और करियर के अवसर को देखते हुए भारत सरकार के अधीन काम करने वाली अपैरल, मेडअप्स एंड होम फर्निशिंग सैक्टर स्किल काऊसिल भी युवाओं को एक खास ऑनलाइन सर्टीफिकेट कोर्स करा रही है।

इसमें इंडस्ट्री के विशेषज्ञ युवाओं को 'फैशन फोरकास्टिंग' एनालिसिस से लेकर ट्रैंड फोरकास्टिंग' के पहलुओं के बारे में बताते हैं। स्किल इंडिया मिशन के तहत यह एक सर्टीफिकेट कोर्स होने के कारण उद्योग

तकनीकी ज्ञान भी जरूरी: 'फैशन फोरकास्टिंग' के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए महज रचनात्मक होना ही काफी नहीं है बल्कि इस क्षेत्र की तकनीक से वाकिफ होना भी बेहद जरूरी है।

उदाहरण के तौर पर परिधानों की डिजाइनिंग के लिए फैब्रिक वीविंग टैक्नीक्स, फैब्रिक मिक्सिग टैक्नीक्स, डाइंग टैक्नीक्स, स्टिचिंग टैक्नीक्स आदि का ज्ञान होना चाहिए।

इसी तरह फुटवियर डिजाइनिंग, एक्सैसरी डिजाइनिंग और ज्यूलरी डिजाइनिंग आदि के लिए भी विभिन्न तकनीकों की जानकारी महत्वपूर्ण है। 'फैशन फोरकास्टिंग' अब फैशन क्षेत्र के दूसरे कारकों पर आश्रित नहीं रहा। यह अब एक अलग करियर बन चुका है।

डच 'ट्रैंड फोरकास्ट' ली एडेलकूट जैसे विशेषज्ञों ने 'फैशन फोरकास्टिंग' को एक महत्वपूर्ण करियर फील्ड के रूप में स्थापित किया है। कई भारतीय 'फैशन फोरकास्ट' भी इंटरनैशनल फैशन इंडस्ट्री में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। फैशन से जुड़ी कम्पनियां युवा डिजाइनरों को भर्ती करके और आधुनिक स्पर्श जोड़ने के लिए फैशन शो आयोजित करके अपने ब्रांड का प्रचार कर रहे हैं। ऐसे में युवाओं के पास इस फील्ड में काम करने तथा रोजगार के बहुत सारे अवसर हैं।

तनाव को 'दिल' से न लगाएं

सफलता प्राप्त करने में हमें देरी भी हो सकती है तो आपको तनाव को अपने आपसे दूर रखना है। आप ऐसी धारणा क्यों बना लेते हैं कि सफलता मिलेगी या नहीं। वह तो आपको मिलेगी ही क्योंकि आपने उसे हासिल करने का पक्का फैसला जो कर रखा है। हां, तनाव से दूर रहने के चक्कर में आप लापरवाह एवं आलसी न हो जाएं। लापरवाही करेंगे तो सफलता के पास पहुंच कर भी उसे दूर ही पाएंगे।

ध्यान रखें कि क्रोध, आशंका चिंता एवं व्याकुलता आदि ऐसी कई नकारात्मक भावनाएं हैं जो तनाव को बढ़ावा देती हैं। तनाव से पार पाने का सबसे उत्तम तरीका मैडीटेशन यानी ध्यान है एक ऐसी क्रिया जिसको करने से आपके शरीर की तमाम नकारात्मक भावनाएं समाप्त हो जाती हैं।

ध्यान रहे कि कुछ भी सोचने की प्रक्रिया की प्रकृति सांस लेने जैसी ही होती है। जिस प्रकार बदबू लगने पर आप सांस नहीं लेते हैं, ठीक उसी प्रकार खराब और नकारात्मक परिस्थितियों के बारे में मत सोचिए। अच्छी बातें बोलना, अच्छी बातें लिखना और उन्हें अमल में लाना ज्यादा मुश्किल कार्य नहीं है। यदि आप अपना अधिकांश समय इस प्रकार की क्रियाओं को सोचने पर लगाते हैं तो यह आपके लिए हमेशा लाभदायक सिद्ध हो सकता है। आप के पास अधिक मात्रा में सोचने का समय और दिमाग होता है तो यह आपको तनावमुक्त रहने के लिए प्रेरित करता है। तनाव हमारे शरीर और मन दोनों को नुक्सान पहुंचाता है अतः यदि सफलता की चाह मन में है तो इसे गले न लगाएं और शीघ्र ही सफलता आपके पास होगी। जो अपने लिए नहीं औरों के लिए जीते हैं, वे तनावमुक्त हैं।

रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस ने ड्राफ्ट्समैन के 100 पदों पर निकाली भर्ती

रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस (RITES) ने भारत के रेल मंत्रालय के तहत ड्राफ्ट्समैन और अन्य पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिया है। उम्मीदवार इन पदों के लिए 07 अगस्त शाम 5.00 बजे तक ऑफिशियल वेबसाइट rites.com पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ऑफिशियल नोटिफिकेशन में कहा गया है, "नियुक्ति शुरू में एक वर्ष के लिए पूरी तरह से अनुबंध के आधार पर होगी, जिसे कार्य पूरा होने तक बढ़ाया जा सकता है।"

वैकेंसी डिटेल्स

रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस (RITES) की इस भर्ती के तहत सिविल इंजीनियर, पर्यावरण सामाजिक निगरानी विशेषज्ञ, जूनियर डिजाइन इंजीनियर, ड्राफ्ट्समैन और अन्य जैसे विभिन्न पदों पर 111 वैकेंसी हैं।

एज लिमिट

उम्मीदवारों की उम्र 01 जुलाई, 2023 को 40 वर्ष से कम होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट लागू है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

उम्मीदवारों के पास संबंधित क्षेत्र में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। साथ ही 2-5 वर्ष का वर्क एक्सपीरियंस भी होना चाहिए।

ऐसे करें आवेदन

ऑफिशियल वेबसाइट rites.com पर जाएं।

होमपेज पर 'करियर' टैब पर क्लिक करें।

करियर के अंतर्गत 'ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन ' अनुभाग पर क्लिक करें।

स्टेप 1 रजिस्ट्रेशन लिंक भरें और लॉग इन करें।

वैकेंसी नंबर पर क्लिक करें और फॉर्म भरें।

भरे हुए आवेदन को सबमिट करें, डाउनलोड करके प्रिंटआउट ले लें।

बीपीएससी असिस्टेंट मेन एग्जाम के लिए आवेदन जारी

बिहार लोक सेवा आयोग ने बीपीएससी असिस्टेंट मेंस के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिए हैं। जो उम्मीदवार सहायक (मुख्य) प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने जा रहे हैं, उन्हें बीपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट bpsc.bih.nic.in या onlinebpsc.bihar.gov.in के माध्यम से आवेदन करना होगा। इसके लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख 16 अगस्त है।

पदों की संख्या : 44

खास तारीखें

आवेदन की आखिरी तारीखः 16 अगस्त 2023 मुख्य परीक्षाः 31 अगस्त 2023

एग्जाम पैटर्न

सहायक पदों की मेन परीक्षा में दो पेपर होंगे। पेपर-1 हिंदी और पेपर-2 जनरल नॉलेज के लिए होगा। हिंदी के मार्क्स क्वालिफाई नेचर के होंगे। वहीं जनरल नॉलेज के पेपर में 50 प्रश्न सामान्य अध्ययन से और 50 प्रश्न सामान्य विज्ञान, गणित और रीजनिंग से 50 प्रश्न पूछे जाएंगे। यह परीक्षा दो घंटे 15 मिनट की होगी।

उम्मीदवारों को एप्लीकेशन फीस ऑनलाइन मोड में जमा करना होगी। ऐसे करें आवेदनः ऑफिशियल वेबसाइट onlinebpsc.bihar.gov.in पर जाएं। नाम और पासवर्ड के साथ लॉग इन करें। आवेदन पत्र भरें। फीस का भुगतान करें।

आलोचना व्यक्ति की नहीं, कार्य की करें

आप सफल होने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन आलोचना की आदत से ग्रस्त हैं तो आपको सफलता प्राप्त करने में दिक्कतें आएंगी। यदि हम किसी की आलोचना करना चाहते हैं तो यही सोचते हैं कि इस प्रकार हम व्यक्ति को सुधार लेंगे। आपकी यह सोच गलत है। व्यक्ति बचपन से ही अपने व्यक्तित्व का निर्माण कर लेता है और उसी के अनुरूप अपना स्वभाव व जीवन के प्रति अपना दृष्टिकोण कायम कर लेता है। अतः अब वह अपना व्यवहार और आदतें नहीं बदल सकता।

हम दूसरों की आलोचना कर उन्हें सुधारने का प्रयत्न करते हैं परंतु हमें यह बिल्कुल पसंद नहीं है कि कोई हमारी आलोचना करे। आप यह क्यों भूल जाते हैं कि स्वयं को सुधारना असम्भव नहीं है जबकि जब आप दूसरों को सुधारने की कोशिश करते हैं तो उनकी निगाह में बुरे बन जाते हैं।

यदि आप आलोचना करना ही चाहते हैं तथा उपदेश दिए बिना नहीं कर पा रहे हैं तो जब भी किसी की आलोचना करें तो सबके सामने कभी न करे, उसे हमेशा एकांत में ले जाकर जो भी कहना है, कहें।

सिर्फ आलोचना ही न करें उसे समझाएं भी सुझाव भी दें ताकि वह भविष्य में फिर से गलती न करे और खुद में सुधार लाए। आलोचना करते समय संतुलित एवं नपे तुले शब्दों का इस्तेमाल करें। समय भी कम लगाएं। ज्यादा समय देने पर आलोचना का महत्व कम हो जाता है और इधर-उधर की बातें होने लगती हैं।

जब आपका मन अशांत हो, क्रोध आ रहा हो तब आलोचना कभी न करें, शांत मन से ही अपनी बात शुरू करें। आलोचना हमेशा व्यक्ति की न करें, हमेशा उसके कार्य की करें। सभ्य शब्दों का इस्तेमाल करें। इससे व्यक्ति विशेष को आलोचना खलेगी नहीं।

आलोचना हमेशा सुधार लाने की भावना से करें, तभी तो शीघ्र ही सफलता की ओर आप अग्रसर होते रहेंगे। कोई तलवार इतनी निर्ममता से नहीं काटती, जितना कटु वचन ।

क्लास में 'फेल', जीवन में 'सफल'

ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनमें विद्यार्जन के दौर में कमजोर माने गए बच्चे या वे बच्चे, जिन्हें औपचारिक शिक्षा मिली ही नहीं, बड़े होने पर अपने कार्यक्षेत्र के दिग्गज बने। विज्ञान के क्षेत्र के शिखर पुरुष न्यूटन और आइंस्टीन कमजोर छात्रों की श्रेणी में आते थे। थॉमस अल्वा एडिसन के शिक्षक ने तो उनके लिए यहां तक कह दिया था कि यह लड़का कुछ सीख ही नहीं सकता। हवाई जहाज का आविष्कार करने वाले राइट बंधुओं ने हाईस्कूल तक की औपचारिक शिक्षा भी पूरी नहीं की थी। श्रीनिवास रामानुजम गणित के जादूगर थे लेकिन अन्य सभी विषयों में वे फेल होते थे। बिल गेट्स ने कॉलेज की शिक्षा पूरी नहीं की और धीरूभाई अम्बानी ने कोई औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं की थी। ए. आर. रहमान ने स्कूली पढ़ाई अधूरी छोड़ी, वहीं लता मंगेशकर और आशा भोंसले ने औपचारिक शिक्षा पाई ही नहीं। सचिन तेंदुलकर भी तो स्कूल से आगे बढ़ ही नहीं पाए, यह बात दूसरी है कि उनके पास डॉक्टरेट की मानद उपाधि है। इन लोगों और ऐसे ही कई और लोगों के उदाहरण साबित करते हैं कि करियर बनाने, नाम कमाने, अपने हुनर से दुनिया को समृद्ध करने और अपना जीवन सार्थक करने के लिए न रट्टू तोता बनना अनिवार्य है, न अच्छा पर्सेंटेज बनाना। जरूरत है अपने हुनर, अपने कौशल को मांजने की, उसे संवारने की जरूरत है। ऐसा नहीं है कि देश में हुनर या हुनरमंद युवाओं की कमी है। कमी है तो इस हुनर को तराशने वाली शिक्षा प्रणाली की कमी है भावी पीढ़ी की ऊर्जा को सही दिशा देने की।

आज भी नया सा लगता हैं फैशन 'पोल्का डॉट' का

फैशन के गलियारों में समय-समय पर बदलाव होते ही रहते हैं, पर कुछ फैशन ट्रैंड ऐसे होते हैं जो कभी पुराने नहीं होते। पोल्का डॉट भी इन्हीं में से एक है, जो एवरग्रीन टैंड है। तभी तो हर किसी के वॉर्डरोब में कम से कम एक पोल्का डॉट ड्रैस मिल ही जाती है। बॉलीवुड सैलीब्रिटीज भी पोल्का डॉट पर काफी भरोसा करती हैं। अगर आप भी अपने वार्डरोब में पोल्का को शामिल करने की सोच रही हैं तो इन टिप्स को फॉलो कर आप खुद को भीड़ से अलग दिखा पाएंगी।

पोल्का डॉट ड्रैस पहनते हुए रखें इन बातों का ध्यान

छोटी हाइट की लडकिया छोटे डॉट वाली ड्रैसेस कैरी करें।

पोल्का डॉट की शर्ट या टॉप कैरी करने के साथ सॉलिड यानी प्लेन पैंट पहनें। पोल्का डॉट को किसी मैचिंग ट्राऊजर और ब्लेजर के साथ भी ट्राई कर सकती हैं। पार्टी के लिए वैलवेट, सिल्क पोल्का डॉट पैटर्न को चुनें।

यूं पड़ा यह नाम

'पोल्का डॉट्स' नाम का उपयोग पहली बार 1857 में अमरीका में छपने वाली महिलाओं की एक मैग्जीन 'गोडेज लेडीज बुक' में गर्मियों में पहनने के लिए हल्के मलमल के स्कार्क का वर्णन करने के लिए किया गया था जिसमें गोल पोल्का डॉट्स की कटाई की गई थी। माना जाता है कि 'पोल्का' नाम उस समय प्रचलित एक डांस से प्रेरित है।

पोल्का डॉट साड़ी

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा से आप पोलका डॉट फैशन में कुछ ट्रैडिशनल कैरी करने का आइडिया ले सकती हैं। फुल स्लीव्स रैड ब्लाऊज के साथ रैड एंड व्हाइट पोल्का डॉट साड़ी पहनकर कोई भी खूबसूरत दिख सकता है। इस लुक को कम्प्लीट करने के लिए बालों का जूड़ा बनाएं और साथ में रैड लिपस्टिक भी लगा सकती हैं।

पोल्का डॉट गाऊन

पोल्का डॉट का अमेजिंग स्टाइल गाऊन में भी कैरी किया जा सकता है। आलिया भट्ट का यह लुक ही देख लें, रैड कलर की लूज ड्रैस में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इसके साथ गोल्डन हैवी इयररिंग्स और मैंचिंग ▪ हील्स पेयर कर आप अपनी खूबसूरती को और बढ़ा सकती हैं।

ब्लेजर जैसी ड्रैस

ब्लैक एंड व्हाइट पोल्का डॉट वाली ब्लेजर और शॉर्ट के साथ एक्स्ट्रा ग्लैमर जोड़ने के लिए बैल्ट को टीमअप कर सकती हैं। सारा अली खान का सिम्पल मेकअप और वेवी हेयर डू आपके लुक को स्पैशल बनाने में मदद करेगा।

पोल्का डॉट शॉर्ट ड्रैस

सोनल चौहान का यह लुक आप ट्राई कर सकती हैं। नहीं तो अनन्या पांडे (नीचे) जैसी शार्ट स्कर्ट और साथ ब्लैक पोल्का डॉट के साथ क्रॉप टॉप, में व्हाइट स्त्रीकर पेयर करें। वहीं बालों में कर्ल्स बनाकर आप अपनी लुक को और भी कूल बना सकती हैं।

रैट्रो लुक शर्ट

पोल्का डॉट के साथ रैट्रो लुक को रीक्रिएट करना चाहती हैं तो कैटरीना कैफ का यह लुक परफैक्ट रहेगा। ब्लैक एंड व्हाइट पोल्का डॉँट क्रॉप टॉप को फ्रंट में नॉट के साथ स्टाइल करने से आपका अंदाज एकदम अलग दिखेगा। आप चाहें तो इसके साथ लैदर की मिनी स्कर्ट पेयर कर सकती हैं। यकीन मानिए किसी की नजर आपसे नहीं हटेगी।

पोल्का डॉट फैशन की कुछ खास बातें

कई लोग इसे 'बाँदी प्रिंट' के नाम से भी जानते हैं, इसकी वजह है कि डिम्पल कपाडिया ने फिल्म 'बॉबी' में पोल्का डॉट की ड्रैसेज पहनी थीं जिसके बाद तो जैसे इस टैंड का बोलबाला हो गया था। खास बात है कि बच्चों से लेकर बड़ों तक में यह स्टाइल काफी लोकप्रिय हुआ था जो आज तक बरकरार है ।

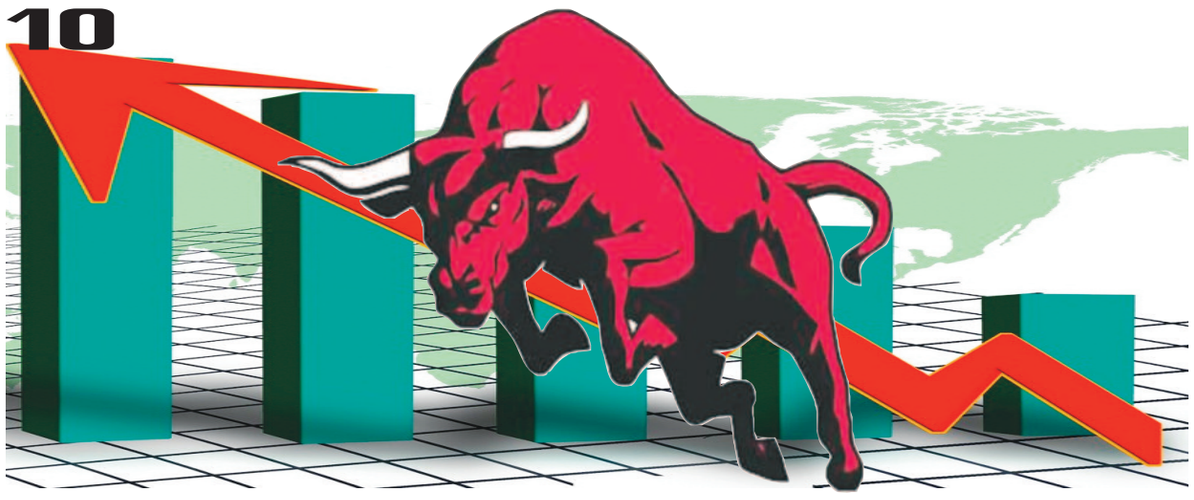

सब्जियों के बाद दाल के रेट में भी आया उछाल, 40 रुपए बढ़े दाम, बिगड़ा लोगों के रसोई का बजट

रीवा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। एक तरफ जहां सब्जियों के दाम ने आग लगा रखी है। वहीं दूसरी तरफ दालों के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे मे ये लगने लगा है की टमाटर के साथ साथ लोगों को दाल से भी दूरी बनानी पड़ेगी। दाल महगी होने की वजह से किचन का बजट भी बिगड़ रहा है।अरहर की दाल हो या उड़द और मूंग दाल, सभी के दाम आसमान छू रहे है। बाजार में इस समय अरहर की दाल 135 से 170 रुपए किलो के बीच है। ऐसे ही चना की दाल 100 से 110 के बीच में मिल रही है। मूंग दाल 110 से 115 रुपए के भाव मिल रही है। 20 दिन पहले अरहर की दाल 115 से 120 रुपए किलो मिल रही थी। इस तरह 40 रुपए की उछाल आई है। लोगों का कहना है को पहले ही मुश्किल से घर का खर्च चल रहा था, दाल और टमाटर के भाव बढ़ने के बाद अब तो खर्च चलाना और भी कठिन हो गया है। वहीं व्यापारियों का कहना है कि दाल की खेती कम हुई है। और आवक कम हो रही है।

आम जनता महंगाई की मार से परेशान

ऐसे में दाल कम होने की वजह से दाम बढ़ाना स्वाभाविक है। वही आम इंसान का कहना है की यदि दामों में नियंत्रण के लिए कोई कदम नहीं उठाए जाते।तो कई ऐसे व्यापारी है, जो आवक में कमी बताकर दाल के दाम बढ़ा देते हैं। प्रशासन कोई निगरानी नहीं करता। पूरा बाजार कुछ व्यापारियों के इशारे पर घूमता है।और आम जनता पर महंगाई की मार पड़ती है।

सिर्फ 35 पैसे का खर्च और 10 लाख रुपये का लाभ

अभी याद कर लीजिए इस स्कीम की हर बात

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अभी बहुत समय नहीं हुआ है। करीब दो महीने पहले ओडिशा के बालासोर में एक भीषण ट्रेन दुर्घटना हुई थी। उस दुर्घटना में करीब 275 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई सौ लोग घायल हुए थे। ट्रेन दुर्घटनाएं भले ही बहुत कम हो गई हों, लेकिन कभी भी इसकी आशंका को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता है। ट्रेन दुर्घटनाओं के अलावा भी रेलवे में सफर के दौरान कई अन्य हादसे होते हैं। आपने भी कई बार सफर के दौरान इसे अनुभव किया होगा या दुर्भाग्यवश भुक्तभोगी भी बने होंगे।

इन हादसों से ले सकते हैं सबक

अगर छोटी-बड़ी रेल दुर्घटनाओं को मिलाकर देखें तो हादसे की तस्वीर भयावह हो जाती है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की साल 2020 की रिपोर्ट बताती है कि एक साल में 13 हजार से ज्यादा रेल दुर्घटनाएं हुईं और उनमें 12 हजार से यात्रियों ने अपनी जान गंवा दी।

उसके बाद से अब तक रेलवे ने दुर्घटनाओं में काफी कमी लाई है। सरकार रेलवे से सफर के दौरान होने वाले हादसों को लेकर रेल यात्रियों को कई तरह से सुरक्षा मुहैया कराती है। हालिया कवच सिस्टम ने दुर्घटनाओं को कम किया है, लेकिन उसके बाद भी बालासोर जैसे बड़े हादसे हो ही जाते हैं।

बेहद मामूली है इस बीमा की कॉस्ट

ऐसे में सवाल उठता है कि रेलवे से यात्रा करने के दौरान अपनी सुरक्षा को ज्यादा से ज्यादा करने के लिए यात्री क्या करें? हम आज आपके इस सवाल का विस्तार से जवाब देंगे, लेकिन उससे पहले आपसे एक और सवाल पूछ लेते हैं। आज के जमाने में 50 पैसे में कुछ मिलता है क्या? कई जगहों पर तो दुकान वाले और टेम्पो-रिक्शा वाले 1 रुपये का सिक्का लेने से भी इनकार कर देते हैं। मतलब जब 1 रुपये की वैल्यू इतनी कम बची है, तो 50 पैसे की क्या ही बिसात! और जब 50 पैसे की कोई वैल्यू नहीं बची है, वैसे में आपको महज 35 पैसे में रेलवे के सफर के लिए पर्याप्त सुरक्षा मिल सकती है।

टिकट बुक करते समय ऑप्शन

आईआरसीटीसी रेलवे से यात्रा करने वाले सभी यात्रियों को ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसी ऑफर करता है। आप जब भी ट्रेल टिकट बुक करते हैं, आईआरसीटीसी की तरफ से इस पॉलिसी का ऑप्शन मिलता है। संभव है आपने कभी इस पर ध्यान ही नहीं दिया हो, या नजर पड़ने के बाद भी उसे हल्के में लिया हो, लेकिन आज उसके फायदों के बारे में जानने के बाद आपकी धारणा बदल सकती है।

31 दिन का महीना, 14 दिन बैंक बंद

अगस्त में ब्रांच जाने से पहले चेक कर लें छुट्टियों की लिस्ट

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। नए महीने की शुरुआत होने वाली है। नए महीने के साथ बैंक छुट्टियों की नई लिस्ट भी सामने आ चुकी है। अगर अगस्त महीने में आपको भी बैंक से जुड़े किसी काम के लिए ब्रांच जाना है तो घर से निकलने से पहले बैंक छुट्टियों की पूरी लिस्ट जरूर चेक कर लें। बैंक की छुट्टियों की लिस्ट अगर देखें तो अगस्त में 14 दिन बैंक बंद रहेंगे। इस लिस्ट के मुताबिक अगस्त में छुट्टियों की भरमार है। ऐसे में अगर आप बैंक में अपना खाता खुलवाने जा रहे हैं या बैंक से जुड़ा कोई दूसरा जरूरी काम कराने जा रहे हैं या फिर ड्राफ्ट के लिए जा रहे हैं तो पहले बैंक हॉलीडे की लिस्ट देख लें।

अगस्त में 14 दिन बैंक बंद

अगस्त महीने में बैंक छुट्टियों की शुरुआत 6 अगस्त से हो रही है। कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे। जिसमें स्वतंत्रता दिवस से लेकर रविवार, शनिवार की छुट्टी शामिल है। इसमें से कुछ छुट्टियां राज्यों, प्रदेशों, शहरों के हिसाब से हैं तो वहीं कुछ छुट्टियां देशभर के बैंकों में होगी। 6 अगस्तः रविवार को साप्ताहिक छुट्टी 8 अगस्तः तेन्दोंग ल्हो रम फात के मौके पर गंगटोक में बैंक बंद रहेंगे 12 अगस्त के दूसरे शनिवार के कारण बैंक बंद रहेंगे। 13 अगस्त को रविवार के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। वहीं 16 अगस्त को मुंबई, नागपुर और बेलापुर के बैंक पारसी नववर्ष के मौके पर बंद रहेंगे। 18 अगस्त को श्रीमंत शंकरदेव तिथि के मौके पर गुवाहाटी में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 20 अगस्त को रविवार के कारण देशभर के बैंक बंद रहेंगे। 26 अगस्त को चौथे शनिवार के कारण देशभर में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 27 अगस्त को रविवार की छुट्टी के कारण देशभर के बैंक बंद रहेंगे। 28 अगस्त को कोच्चि और तिरुवनंतपुरम में ओणम के कारण बैंक बंद रहेंगे। 29 अगस्त को तिरू ओणम के चलते कोच्चि और तिरुवनंतपुरम में बैंकों की छुट्टी रहेगी। महीने के आखिरी दो दिन भी बैंकों की छुट्टी रहेगी। 30 अगस्त को रक्षा बंधन के कारण जयपुर और शिमला में बैंक बंद रहेंगे। जबकि 31 अगस्त को रक्षा बंधन/श्री नारायण गुरु जयंती/पंग-लाहब सोल के चलते देहरादून, गंगटोक, कानपुर, कोच्चि, लखनऊ और तिरुवनंतपुरम में बैंकों की छुट्टी रहेगी।

दो दशक बाद आ रहा टाटा की किसी कंपनी का आईपीओ

जानें डेट, प्राइस बैंड से लेकर अन्य डिटेल

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप का इनिशियल पब्लिक ऑफर दो दशकों के बाद आ रहा है। ऐसे में मार्केट में इसे लेकर निवेशकों के बीच भारी उत्साह है। इस आईपीओ को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड से भी हरी झंडी मिल चुकी है, लेकिन कंपनी ने अभी तक अपने आईपीओ के प्राइस बैंड की घोषणा नहीं किया है। कई मार्केट एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि इस आईपीओ का प्राइस बैंड 268 रुपये प्रति शेयर हो सकता है। कंपनी के शेयरों ने अनलिस्टेड मार्केट में डेब्यू कर दिया है जिसके बाद उसका जीएमपी करीब 100 रुपये है।

पिछले हफ्ते कितना था जीएमपी

गौरतलब है टाटा ग्रुप ने अभी तक टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ के लॉन्च के डेट की घोषणा नहीं की है। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ पिछले हफ्ते ग्रे मार्केट में 84 रुपये प्रीमियम पर था जो इस हफ्ते बढ़कर 100 रुपये पर पहुंच गया है। ऐसे में केवल एक हफ्ते के भीतर इसमें 16 रुपये प्रति शेयर की बढ़त देखी जा रही है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि यह निवेशकों को मालामाल कर देगा।

कब तक तय होगा प्राइस बैंड?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक टाटा ग्रुप कंपनी का प्राइस बैंड तय करने में 1 से डेढ़ महीने का वक्त लगा सकती है। इसके बाद ही कंपनी आईपीओ के सब्सक्रिप्शन डेट का ऐलान करेगी। ऐसे कंपनी का आईपीओ अगस्त से सितंबर के बीच ही आएगा। कंपनी जल्द ही इसका आधिकारिक ऐलान कर सकती है। बिजनेस स्टैंडर्ड की खबर के यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल के जरिए लाया जाएगा।

क्या करती है कंपनी

टाटा टेक्नोलॉजीज कंपनी में टाटा मोटर्स की 74.69 फीसदी, टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड की 3.63 फीसदी और अल्फा टीसी होल्डिंग की 7.26 फीसदी हिस्सेदारी है। यह कंपनी टाटा मोटर्स की सहायक कंपनी है जो इंजीनियरिंग सर्विस देती है। यह मशनरी, ऑटो, एयरोस्पेस जैसे प्रोडक्ट्स के निर्माण में मदद करती है।

इस कंपनी का बिजनेस भारत, अमेरिका से लेकर यूरोप तक फैला हुआ है। इसके विश्व भर में 9,400 से ज्यादा एंप्लाइज हैं।

क्यों थम गई बाजार की 3 सप्ताह की रैली और आगे कैसा रहने वाला है हाल?

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह ठीक नहीं रहा। लगातार रिकॉर्ड बना रहे बाजार की चाल पर पिछले सप्ताह के दौरान ब्रेक लग गया। उससे पहले लगातार 3 सप्ताह से बाजार में रैली देखी जा रही थी। हालांकि अभी भी बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी रिकॉर्ड उच्च स्तर के आस-पास ही हैं। अब सोमवार से नया सप्ताह शुरू हो जा रहा है, जो जुलाई महीने का आखिरी दिन भी है। आइए देखते हैं कि महीना बदलने वाले सप्ताह के दौरान बाजार की चाल कैसी रह सकती है।

इतना गिरे दोनों प्रमुख सूचकांक

बात बीते सप्ताह की करें तो, पिछले सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 524.06 अंक यानी 0.78 फीसदी के नुकसान में रहा। सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को यह 106 अंक से ज्यादा लुढ़ककर 66,160 अंक के पास बंद हुआ था। वहीं निफ्टी सप्ताह के दौरान नुकसान के साथ 19,646 अंक के पास आ गया। घरेलू बाजार 20 जुलाई को रिकॉर्ड उच्च स्तर पर रहा था। उस दिन सेंसेक्स ने 67,619.17 अंक के अपने नए सर्वकालिक उच्चस्तर को हासिल किया था। उसके बाद से बाजार दबाव में है।

ब्रॉडर मार्केट में बनी हुई है रैली

हालांकि ओवरऑल बाजार का प्रदर्शन एक जैसा नहीं रहा। ब्रॉडर मार्केट ने मेजर इंडेक्स से उलट प्रदर्शन किया। जहां सेंसेक्स और निफ्टी को नुकसान उठाना पड़ा, वहीं दूसरी ओर सप्ताह के दौरान मिडकैप व स्मॉलकैप कंपनियों का इंडेक्स नई ऊंचाई पर पहुंच गया। बीएसई मिडकैप इंडेक्स आलोच्य सप्ताह के दौरान 0.55 फीसदी उछलकर 30,159.82 अंक पर रहा। सप्ताह के दौरान इंडेक्स ने 30,178.22 अंक का रिकॉर्ड हाई भी बनाया। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 34,577.99 अंक का रिकॉर्ड हाई बनाया।

सप्ताह के दौरान आएंगे ये आंकड़े

सोमवार से शुरू हो रहे सप्ताह के दौरान बाजार की चाल पर आर्थिक आंकड़ों का असर पड़ेगा। महीना बदलते ही सेवा से लेकर विनिर्माण के पीएमआई आंकड़े आएंगे। अमेरिका में भी पीएआई आंकड़े व कृषि के आंकड़े जारी होंगे। घरेलू मोर्चे पर वाहन कंपनियां बिक्री के आंकड़े जारी करेंगी।

चीन से भारत में आ रहा सब्सिडी वाला स्टील

इंडस्ट्री ने कहा - सरकार लगाए एंटी-डंपिंग ड्यूटी

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की बड़ी स्टील कंपनियों में शुमार जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड की ओर से सरकार से आग्रह किया गया है कि सरकार को चीन समेत अन्य देशों से बढ़ते हुए स्टील के आयात की जांच करनी चाहिए।कंपनी के एमडी अभ्युदय जिंदल ने कहा कि चीन समेत कुछ देश भारतीय बाजार में तेजी से अपने स्टील के उत्पादों के निर्यात को बढ़ा रहे हैं। इस कारण हम सरकार से आग्रह करते हैं। सरकार को एंटी डंपिंग ड्यूटी और काउंटरवेलिंग ड्यूटी आदि लगानी चाहिए।

किन देशों से हो रहा आयात?

आधिकारिक डाटा के मुताबिक, जून 2023 में चीन, जापान, वियतनाम, सऊदी अरब, रूस, नेपाल और अमेरिका से स्टील का आयात बढ़ा है। जून 2023 में भारत के स्टील आयात 7.6 प्रतिशत बढ़कर 4.84 लाख मैट्रिक टन हो गया है। इस दौरान स्टील आयात बास्केट में चीन की हिस्सेदारी 37.1 प्रतिशत और वियतनाम की हिस्सेदारी 4.8 प्रतिशत रही। वहीं, जून 2022 में चीन की हिस्सेदारी 26.1 प्रतिशत और वियतनाम की 1 प्रतिशत थी। स्टेनलेस सेक्टर के अलग से पॉलिसी के सवाल पर जिंदल की ओर से कहा गया कि ये इंडस्ट्री की लंबे समय से चली आ रही मांग है। भारत की स्टेनलेस स्टील इंडस्ट्री अपनी क्षमता से नीचे काम कर रही है और सरकार से समर्थन की आवश्यकता है। चीन से सब्सिडी वाली स्टेनलेस स्टील के आयात को रोकने के लिए भारत को काउंटरवेलिंग ड्यूटी लगानी चाहिए। इंडस्ट्री सरकार के सकारात्मक निर्णय का इंतजार कर रही है। इससे घरेलू इंडस्ट्री को बड़े स्तर पर समर्थन मिलेगा। बता दें, जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड जिंदल ग्रुप की एक स्टील कंपनी है, जो कि देश में स्टील का उत्पादन करती है। इसके अलावा भारत के स्टील सेक्टर में टाटा स्टील, सेल आदि का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

कलयुग का कुबेरः हजारों एकड़ जमीन

लाखों करोड़ की दौलत और पार्किंग में खड़े हैं दर्जनों विमान!

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर राजा, जिसके पास सिर्फ बेशुमार दौलत ही नहीं बल्कि बड़ी संख्या में एयरक्राफ्ट और सैकड़ों लग्जरी गाडियां हैं। इस राजा का नाम किंग महा वजिरालोंगकोर्न है। हालांकि इन्हें थाईलैंड के किंग रामा X के नाम से भी जाना जाता है। थाईलैंड के राजा बनने के बाद ये दुनिया के सबसे अमीर राजा की लिस्ट में शुमार हुए थे। इनके पास हीरे और रत्नों का भी शानदार कलेक्शन है।

बिजनेस इनसाइडर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, किंग राम की नेटवर्थ 3.2 लाख करोड़ रुपये है। किंग रामा की ज्यादातर संपत्ति क्राउन प्रॉपर्टी ब्यूरो में रखी गई है। राजा के पास हजारों एकड़ की जमीन है, जिसपर ज्यादातर कंपनियां बनी हुई हैं। वहीं कुछ जमीनों पर किराएदार भी रहते हैं।

थाईलैंड के राजा के पास 6,560 हेक्टेयर (16,210 एकड़) की जमीन है। इसमें देश भर में 40,000 किराये के एग्रीमेंट हुए हैं। इसका मतलब है कि इस एग्रीमेंट के तहत जमीन पर कई कंपनियां संचालित हैं। सिर्फ राजधानी की बात करें तो यहां 17,000 किराएदार हैं। ये सभी प्रॉपर्टी क्राउन प्रॉपर्टी ब्यूरो के तहत है, जिसे राजा ने 2017 में अपने नियंत्रण में रखा था और राजा के नजिी सचिव एयर चीफ मार्शल सैटिटपोंग सुकविमोल को 2017 में क्राउन प्रॉपर्टी ब्यूरो का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

सिर्फ बैंकॉक में क्राउन प्रॉपर्टी ब्यूरों के पास 1,328 हेक्टेयर की जमीन है, जिसमें कुछ व्यापारिक जिले के केंद्र में प्रमुख अचल संपत्ति है। थाईलैंड के मुकुट रत्नों में 545.67 कैरेट का भूरा गोल्डन जुबली हीरा जड़ा हुआ है, जो दुनिया का दुलर्भ हीरा माना जाता है। ज्वेलरी वेबसाइट द डायमंड अथॉरिटी ने इसकी कीमत 12 मिलियन डॉलर तक आंकी है। राजा को पांच शाही उपकरण भी भेंट किए गए थे, जिसमें 7.3 किलोग्राम के सोने का मुकुट भी शामिल है। यह रत्नों से जड़ा हुआ है और इसमें भारत के कोलकाता का एक बड़ा हीरा भी है। इसके अलावा, इनके खजानें में भी रत्न और सोना भरपूर है।

38 एयरक्राफ्ट के साथ कई हेलीकॉप्टर, लग्जरी कारें

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि राजा के पास कुल 38 विमान हैं। इसके साथ ही कई हेलीकॉप्टर भी हैं। इसमें चार बोइंग और तीन एयरबस वाणिज्यिक विमान, तीन सुखोई सुपरजेट 100, चार नॉथ्रॉप एफ5-ई हल्के लड़ाकू जेट और 21 हेलीकॉप्टर शामिल हैं। एफटी के पास शेयर किए गए डॉक्यूमेंट के मुताबिक, इसके रखरखाव और ईंधन लागत लगभग 64 मिलियन डॉलर (5,26 करोड़ रुपये) है। बिजनेस इनसाइडर के मुताबिक, राज परिवार के पास एस्कॉर्ट में यूज होने वाली 300 लग्जरी कारों का कलेक्शन है।

इस राजा ने की चार शादियां

किंग रामा ने चार शादियां अभी तक की हैं। उनकी पहली शादी 1977 में चचेरी बहन राजकुमारी सोमसावली कितियाकारा से हुई थी। वहीं 16 साल बाद किंग ने थाई फिल्मों की एक्ट्रेस सुजारिन विवाचरावोंसे से शादी की, पर दो साल में तलाक हो गया।

वहीं दो शादियां और की, जिसमें एक राज्याभिषेक से कुछ दिन पहले की गई थी।

घर पर बिटिया ने लिया जन्म तो हरियाणा सरकार देगी 21 हजार रुपये, किसे मिलेगा लाभ?

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार गरीब परिवार से लेकर बेटियों के लिए कई सरकारी योजनाएं चलाती है, जिसके तहत आर्थिक मदद की जाती है। वहीं कुछ योजना के तहत लड़कियों को बढ़ावा दिया जाता है। आज हम एक ऐसी ही एक योजना के बारे में बताने जा रहे हैं, जो घर में बिटिया के जन्म पर 21 हजार रुपये की रकम मिलती है। आइए जानते हैं इस योजना के तहत कौन लाभ उठा सकता है। यह योजना हरियाणा सरकार की ओर चलाई जाती है, जिसे 2015 में शुरू किया गया था और इस योजना का नाम 'आपकी बेटी, हमारी बेटी योजना' है। इस योजना का उद्देश्य भ्रूण हत्या को रोकना और लड़की-लड़के के बीच के अनुपात को कम करना है। हरियाणा सरकार की आपकी बेटी हमारी बैटी योजना राज्य के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से चलाया जाता है। हरियाणा सरकार की इस योजना के तहत अनुसूचित जाति या बीपीएल परिवारों की पहली लड़की और किसी भी जाति से दूसरी संतान बेटी होने पर एलआईसी के साथ 21000 रुपये का निवेश किया जाता है। जब बेटी की उम्र 18 साल की हो जाती है तो यह रकम निकाली जा सकती है। हरियाणा सरकार की ओर से इस योजना का लाभ अनुसूचित जाति और बीपीएल परिवार के लोग उठा सकते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	मेष--	23-01 बजे
चंद्र-	धनु	में	वृष--	00-45 बजे
मंगल	सिंह	में	मिथुन..	02-47 बजे
बुध-	सिंह	पें	कर्क...	03-58 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	07-11 बजे
शुक्र-	सिंह	में	कन्या..	09-17 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	11-22 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	13-32 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	15-46 बजे
			मकर..	17-53 बजे
			कुंभ...	19-43 बजे
			मीन ..	21-21 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-58 सूर्य अस्त- 18-46
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - 07 -26 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - अ.श्रावण शुक्ल पक्ष , सोमवार 31July
नक्षत्र - पूर्वाषाढा -18-58 तक उपरान्त उ.षाढा
योग - विष्कुंभ - 23 - 04 - तक उप प्रीति
करण- तैतिल - 07 -26 - तक उप- गर
विशेषः-
व्रत -त्योहार - चतुर्दशी तिथि का क्षय

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:33 से 09:09 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
अमृत	05:58 - 07:33	शुभ	चंचल.	18:46 - 20:12 शुभ
काल	07:33 - 09:09	अशुभ	रोग	20:12 - 21:36 अशुभ
शुभ	09:09 - 10:46	शुभ	काल	21:36 - 22:59 अशुभ
रोग	10:46 - 12:22	अशुभ	लाभ	22:59 - 00:23 शुभ
उत्पात	12:22 - 13:59	अशुभ	उत्पात	00:23 - 01:46 अशुभ
चंचल	13:59 - 15:36	शुभ	शुभ	01:46 - 03:10 शुभ
लाभ	15:36 - 17:12	शुभ	अमृत.	03:10 - 04:33 शुभ
अमृत	17:12 - 18:46	शुभ	चंचल.	04:33 - 05-58 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यव्सायिक जिंदगी में क्या चल रहा है ।आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं। अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें । अब फिजूलखर्ची से बचना होगा । आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे । लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नहीं है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे ।अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें । अगर आप थोड़ी सी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे । खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे । दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है । हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें । क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है लेकिन आप इसके कारण बिना बात निराश सा अनुभव करेंगे ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा । इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा । योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा । योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है । ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी । आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे । आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज़ को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं जिससे आप गुमराह हो सकते है इसलिए आज किसी भी प्रमुख कैरियर निर्णय लेने से बचें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता । आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योंकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप अपने करियर में जो कुछ भी चाहते थे , वह सब कुछ आज आपके रास्ते में आएगा । चाहे वह प्रसिद्धि, ताक़त , पैसा या पद हो , आप अब सब कुछ पाने के लिए एक आदर्श स्थिति में हैं। बस कड़ी मेहनत करते रहे और अन्य लोगों की राय का सम्मान करे और जो भी आपने अपनी इच्छा शक्ति के बलबूते किया है , वो सब आपका होगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

एक परिवार जिसमें सबकी लंबाई 4 फुट से कम

सड़क पर लोग कहते–यह पिछले जन्म का पाप है ; सर्कस में क्यों नहीं जाते

भोपाल, 22 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मेरा नाम शशि चौधरी है। 23 साल उम्र है मेरी। हमेशा से लोगों के बीच चर्चा का विषय रही हूं। बौनी जो हूं, लोगों की नजर में। लोग हंसते हैं मुझे देखकर। कुछ साल पहले तक बुरा भी लगता था। अब सोचती हूं कि बौनापन बीमारी नहीं, मेरी खासियत है। अगर लोग मुझे देखकर हंस भी रहे हैं तो इसमें बुरा क्या है। कम से कम मैं इस लायक तो हूं कि लोगों के होंठों पर मुस्कान ला सकूं। वर्ना आज के जमाने में लोग मुस्कुराहट भी पैसे देकर खरीद रहे हैं। वैसे तो मेरे घर में सभी की हाइट कम है, लेकिन मैं उन सबसे कम हाइट की हूं। पापा सबसे लंबे हैं। उनकी लंबाई चार फुट हैं। मम्मी और भइया 3.9 फुट के और मैं 3.6 फुट की हूं।

सच बोलूं तो एक समय था कि अपनी हाइट को लेकर बहुत ज्यादा बुरा लगता था। मैंने खुद को घर के अंदर कैद कर लिया था। बाहर जाने से भी डर लगता था। स्कूल में जब एडमिशन हुआ तो पहले सब नॉर्मल ही लगता था। लंबाई कम है, यह बात सातवीं क्लास तक तो मुझे समझ ही नहीं आई। जब आठवीं में गई तब दूसरे बच्चों को देखकर लगने लगा कि कुछ तो गड़बड़ है। एक समय यह भी आया जब क्लास में घुसते ही सारे बच्चे मुझे अजीब नजरों से देखने लगे। लंच के टाइम में मेरा मजाक बनने लगा। बच्चे एक-दूसरे को मेरी तरफ दिखाते और जोर से हंसने लगते। अगर एक दिन ऐसा होता तो कोई बात नहीं थी। स्कूल के बच्चों के लिए मैं सर्कस की जोकर बन गई थी, जिसे देखकर हंसना जरूरी था।

मेरी क्लास के बच्चे भी मेरे साथ अच्छे नहीं थे। वो लोग जानबूझकर मुझे क्लास में पीछे बैठने को बोलते थे। फिर ऐसी घटना घटी जिसका असर जिंदगी में गहरा पड़ा। दरअसल, एक दिन स्कूल का एक लड़का मेरे पास आया। उसकी हाइट अच्छी थी। उसने मुझे खड़े होने को कहा। मैं खड़ी हो गई। उसने अपनी हाइट मेरे साथ नापी और कहा कि तुम तीसरी क्लास में एडमिशन ले लो। उसके इतने कहते ही सारे बच्चे हंसने लगे। सभी को हंसता देखकर, मुझे वहीं रोना आ गया। मैं रो रही थी, बच्चे हंस रहे थे। किसी ने भी आगे बढ़कर मेरा साथ नहीं दिया।

उस दिन मैं रोते-रोते ही घर पहुंची। मम्मी-पापा ने सच जानने के बाद प्यार से समझाया। पर मैं कुछ भी भूल नहीं पा रही थी। रह-रहकर वो घटना याद आती और मैं सिसकियों से रोने लगती। यह सिलसिला एक हफ्ते तक चला। और हां, मैं बताना भूल गई कि उस दिन के बाद से मैं कई दिन तक स्कूल नहीं गई। फिर एक दिन मुझे खुद ही लगा कि जो मैं कर रही हूं, वो सही नहीं। मैं लोगों के डर से खुद को घर के अंदर

बंद नहीं कर सकती। इस तरह मैं दब्बू हो जाऊंगी।

मैं समझ चुकी थी कि आपकी लंबाई कितनी होगी, आपका रंग क्या होगा, यह सब तो ऊपर वाले की नेमत है। एक इंसान की इसमें क्या भूमिका। लेकिन हम किस तरह के इंसान हैं, हमारा मन कैसे यह सब हमारे हाथ में है।

यही बात मुझे दूसरे बच्चों को समझानी थी। मैं अगले ही दिन स्कूल गई। तय कर लिया था कि जो मेरा मजाक बनाएगा उसे पक्का जवाब दूंगी। मैं इन लोगों की वजह से अपनी पढ़ाई तो नहीं छोड़ सकती। मुझे लगा कि पढ़ाई ही एक चीज है जिसके सहारे सबकी जुबान पर ताला लगाया जा सकता है। उस दिन के बाद से जो भी मेरा मजाक बनाता, उसे सामने से जवाब देती थी।

छोटे-मोटे मजाक को तो मैंने पॉजिटिव लेना शुरू कर दिया था। स्कूल में जूनियर क्लास के बच्चे मेरे दोस्त हो गए थे। वो अक्सर मेरे पास आते और अपनी हथेली से मेरी हथेली नापते थे। कई बार पूछ भी लेते थे कि तुम इतनी छोटी क्यों हो। मैंने सीख लिया था सबको यही बोलना है कि भगवान ने मुझे ऐसा ही बनाया है। इस ट्रिक से जिंदगी थोड़ी आसन हो गई, दिल से बात कम लगाने लगी।

खुद को साबित करने के लिए मैंने खूब पढ़ाई की। घर में दिक्कत थी। पैसे नहीं थे लेकिन मम्मी की मेहनत की वजह से मैं पढ़ी। वो घर-घर जाकर दूसरों के जूठे बर्तन मांजती थीं। सोचिए, उनके छोटे-छोटे हाथ-पैर हैं, काम करने और जाने-आने में उन्हें दिक्कत होती थी। इसके बावजूद हमेशा ही कम से कम पांच घरों में बर्तन-पोंछा करती थीं।

मुझे आठवीं क्लास के बाद समझ में आ गया था कि मैं दूसरों के बर्तन नहीं मांज सकती हूं। कुछ करने के लिए सिर्फ और सिर्फ पढ़ाई ही ऑप्शन है। मैं पढ़ी और 12th में मेरे 77% नंबर आए। अब मैं कॉमर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन कर रही हूं।

मेरे पापा-मम्मी ने भी अपनी लंबाई की वजह से बहुत कुछ सहा और सुना है। पहले वो लोग दमोह में रहते थे। हमारा गांव वहीं है। हमारा अपना घर है। इसके बावजूद पापा-मम्मी को भोपाल शिफ्ट होना पड़ा। वहां के लोग, उनके खुद के घर वाले भी उन दोनों का मजाक बनाते थे। मुझे और भइया को यह बात पापा ने कभी नहीं बताई थी।

जब मैं बीकॉम में थी तब पापा ने यह बात मुझे बताई। सुनकर

मुझे बहुत दुख हुआ।

शशि के पिता राजू चौधरी और मां अल्ली चौधरी का मजाक उनके घरवाले भी बनाते थे, इस वजह से परिवार दमोह से भोपाल शिफ्ट हुआ। मेरे नानी के घर के लोगों की हाइट लंबी है। मामी लोग भी मम्मी-पापा को ताना मार देती थी।

यह सब सुनकर जाहिर सी बात है मम्मी को बुरा लगता था। वो परेशान हो जाती थी, इसके बाद पापा ने भोपाल बसने का तय किया।

अब आप ही बताएं कि जब अपने ही घर के लोग ऐसा करेंगे तो घर तो छोड़ना ही पड़ेगा। फिर बाहर के लोगों से क्या उम्मीद की जाए।

यह सब सोचकर मैंने तय किया कि भले खुद मेहनत करेंगे, कमाएंगे लेकिन किसी की दो बात बिना वजह नहीं सुनेंगे। मैं दिन में अपने जनरल स्टोर पर बैठती हूं, शाम को पढ़ाई करती हूं। मैं सोशल मीडिया के लिए रील्स भी बनाती हूं। मैं और मेरे भाई दोनों अलग- अलग वीडियो चैनल चलाते हैं। कुछ पैसे उससे भी आ जाते हैं। जिससे हम अपने मम्मी-पापा की मदद करते हैं।

रील्स बनाने का आइडिया लॉकडाउन से आया। हम लोगों ने लॉकडाउन में कुछ नया करने की सोची। एक दिन भइया ने कहा कि चलो वीडियो बनाया जाए। फिर हम लोगों ने रील बनाना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे रोज रील बनाने लगे। हमारे रील वायरल नहीं हो रहे थे। बस आसपास, दोस्त और घर-परिवार तक ही सीमित थे।

हमने कोविड गाइडलाइन्स पर एक वीडियो बनाया। यह वीडियो बहुत वायरल हुआ। लोगों को ये पसंद आया और फिर हम अपने पूरे परिवार के साथ वीडियो बनाने लगे। धीरे-धीरे लोग हमें पहचानने लगे। आज हम दोनों भाई बहन के यूट्यूब पर 4.50 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। इंस्टाग्राम पर हमारे 1 लाख 86 हजार फॉलोवर्स हैं। शशि के यूट्यूब चैनल का नाम क्यूट भोपाली और उनके बड़े भाई करण के चैनल का नाम छोटे भोपाली है।

हमारी रोजमर्रा जिंदगी में चुनौतियों की कमी नहीं। लोग हम बौनों की तकलीफ नहीं समझते। जैसे- मैं कॉम्पिटिटिव एग्जाम्स की तैयारी भी कर रही हूं। कुछ एग्जाम भी दिए हैं लेकिन सेंटर पर होने वाली दिक्कतों की वजह से कई बार मनोबल टूट जाता है। हम जैसे लोगों के लिए वहां कोई व्यवस्था नहीं होती। टेबल-कुर्सी की हाइट हमारे लिए ऊंची है। हमारी कोई मदद भी नहीं करता।

हम जैसे लोगों को तो सड़क पर डिवाइडर पार करने में दिक्कत होती है। घर सड़क के उस पार है और दुकान इस तरफ। दुकान से घर जाने के लिए हमने डिवाइडर के दोनों तरफ ईंट रखी है। कभी कोई ईंट उठाकर ले जाए तब हमारी परेशानी बढ़ जाती है।

समस्या की कमी नहीं। हमारे घर में पानी नहीं आता। ऐसे में दिन में कई बार छोटी-छोटी बाल्टियों में पानी भरकर घर में स्टोर करना पड़ता है। इसमें बहुत दिक्कत होती है।

लोगों का क्या है, बस सड़क पर चलते हुए लोग कमेंट अजीब-अजीब कर देते हैं कि बौना होना पिछले जन्म का पाप है। कभी लोग कह देते हैं कि सर्कस में चले जाओ। अरे भाई!

हम क्यों सर्कस में चले जाएं? हर बौना सिर्फ सर्कस में काम नहीं करता। वैसे वहां काम करने में कोई बुराई नहीं, लेकिन आप स्टीरियोटाइप नहीं हो सकते किसी को लेकर।

कभी कभी सोचती हूं कि लोगों की सोच का क्या करें। फिर मुझे लगता है कि कोई अगर किसी की हाइट का मजाक उड़ा सकता है तो उसे समझाना भी बेकार है।

बस्तर में बारिश का कहर, 3 लोगों की मौत

नाला पार करते मां-बेटा डूबे, बीजापुर के गांव में भरा पानी; बुजुर्ग ने तोड़ा दम

जगदलपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में लगातार हो रही बारिश के चलते कई नदी-नाले उफान पर हैं। कुछ गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। बारिश और बाढ़ के चलते 2 दिन में 3 मौतें भी हो गईं हैं। बस्तर जिले में बरसाती नाला को पार करते समय मां-बेटा पानी में डूब गए हैं। जिनके शव को बाहर निकाल लिया गया है।

उधर, बीजापुर जिले का धर्माराम गांव में करीब 3 से 4 फीट तक बारिश का पानी भर गया है। जहां बीमार महिला की इलाज के अभाव में मौत हो गई है। वहीं सड़कें जलमग्न हो गईं हैं। लोग जान जोखिम में डालकर सड़कें पार कर रहे हैं।

दरअसल, बस्तर जिले के दरभा में मुनगा नाला उफान पर है। वहीं शनिवार को उसी इलाके की रहने वाली फूलों माड़वी (38) अपने बच्चे को लेकर नाला पार करने की कोशिश की। इसी बीच पानी के तेज बहाव के साथ मां-बेटा दोनों बह गए।

बताया जा रहा है कि, उस समय वहां उनकी सास भी मौजूद थी। बहू और पोते को डूबते देखकर वह जोर-जोर से चीखने लगी। मौके पर इलाके के कुछ और ग्रामीण भी पहुंचे। जिन्होंने दोनों को बचाने के लिए नदी में छलांग लगाई। लेकिन जब तक उनको बाहर निकाले, तब तक उनकी मौत हो गई थी।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पखनार चौकी के जवान पहुंचे। जिन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया है। बताया जा रहा है कि, आज दोनों के शवों का गांव में ही अंतिम संस्कार किया जाएगा।

इलाज के अभाव में बुजुर्ग की मौत

बीजापुर जिले में भी भारी बारिश के चलते उसूर ब्लॉक का धर्माराम गांव बाढ़ की चपेट में आ गया है। गांव पूरी तरह से टापू बन गया है। इलाके में करीब 4 से 5 फीट तक पानी भर गया है। वहीं इसी गांव की रहने वाली एक बुजुर्ग महिला गुंडी मल्ली की इलाज के अभाव में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि, महिला पिछले कई दिनों से बीमार थी। घर और गांव पूरी तरह से डूब गया था। महिला को अस्पताल ले जाने तक की भी कोई सुविधा नहीं थी। राहत बचाव दल का इंतजार करते-करते महिला ने दम तोड़ दिया।

गांव खाली करने को मजबूर लोग

बताया जा रहा है कि, सभी ग्रामीण अपने घरों से निकल कर गांव से बाहर किसी सुरक्षित ठिकाने पर पहुंच गए हैं। हालांकि, अभी बारिश रुकी हुई है। धीरे-धीरे पानी कम हो रहा है। जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जरूरत का सामान लेकर गांव वाले घरों से बाहर निकल रहे हैं। कुछ ग्रामीण घरों की छत पर चढ़कर एक-दूसरे को जरूरत का सामान पकड़ाते हुए नजर आ रहे हैं। जिसका वीडियो भी सामने आया है।

इसके अलावा गांव तक पहुंचने वाली सड़क में पानी भरा हुआ है। लोग जान जोखिम में डालकर पार कर रहे हैं। भारी बारिश के चलते बीजापुर जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। उधर, सुकमा जिले के भी कई गांव टापू में तब्दील हो गए हैं।

कांग्रेस की वादाखिलाफी ने ली संविदाकर्मी की जान

ओपी चौधरी बोले- मजलूमो की आह से नहीं बचेगी कांग्रेस, धरना स्थल पर मातम

रायपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पंडरिया के रहने वाले संविदा कर्मचारी की सड़क हादसे में मौत हो गई। यह संविदा कर्मचारी हड़ताल में शामिल था । भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री ओपी चौधरी ने इसकी मौत के पीछे कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है।

चौधरी ने कहा कि कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी ने संविदाकर्मी मोतीलाल की जान ली है। उनकी यह शहादत व्यर्थ नहीं जायेगी ।छत्तीसगढ़ की जनता और कर्मचारी कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेंगे।

ओपी चौधरी ने अपने बयान में आगे कहा कांग्रेस ने कर्मचारियों के नियमितीकरण का वादा किया था। तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष टीएस सिंहदेव और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए भूपेश बघेल ने 10 दिन में नियमितीकरण का लिखित वादा किया था। लेकिन आज इनके जन

घोषणा पत्र के निर्माता और चंद महीने के उप मुख्यमंत्री सिंहदेव बयान दे रहे हैं कि संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण करने में मुश्किल है। दूसरी तरफ इनके संसदीय कार्य मंत्री रविन्द्र चौबे कह रहे हैं कि कैबिनेट में चर्चा कर रहे हैं। यह झूठा आश्वासन और छलावा पौने 5 साल से कर रहे हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसी बीच पंडरिया में हड़ताली संविदा कर्मी की मृत्यु हो गई।

कांग्रेस सरकार की संवेदनहीनता सारी सीमाएं लांघ चुकी है। भाजपा ने संविदा कर्मचारियों की मांग का समर्थन किया है। कांग्रेस ने नियमितीकरण का वादा अपने झूठ फरेब के दस्तावेज में किया था। इसी वादे को पूरा करने की मांग पर प्रदेश के संविदा कर्मचारियों को अन्न जल का त्याग करने मजबूर होना पड़ा है। मृत कर्मचारी की चार माह की बच्ची अनाथ हो गई। चार माह बाद इन मजलूमों की आह कांग्रेस को भी यतीम कर देगी।

धरना स्थल पर मातम

27 जुलाई को सड़क हादसे का शिकार हुए संविदा कर्मचारी मोतीलाल को नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि दी। दिनभर हंगामे से भरा रहने वाला धरना स्थल शांत नजर आया मोमबत्तियां जलाकर मृत आत्मा की शांति के लिए कर्मचारियों ने प्रार्थना की।

कर्मचारियों ने बताया कि यदि कांग्रेस ने अपने किए वादे के तहत संविदा कर्मियों को नियमित कर दिया होता तो आज कम से कम मौत के बाद मोतीलाल की 3 महीने की बच्ची को सामाजिक सुरक्षा मिल पाती। बच्ची को जन्म देने के दौरान मोतीलाल की पत्नी का भी निधन हो चुका है, माता पिता की मौत के बाद बच्ची के सामने आगे की जिंदगी का संकट है और यह संकट सभी संविदा कर्मचारियों पर मंडरा रहा है। करीब 25 दिनों से संविदा कर्मचारियों ने हड़ताल कर रखी है। इस बीच सरकार ने मांगे पूरी करने की बजाय एस्मा लगा कर कार्रवाई करने का आदेश जारी कर दिया है।

बीजेपी के गोबर घोटाले के आरोप पर कांग्रेस का पलटवार

रमन राज में 1667 करोड़ का घोटाला हुआ, 17 हजार गायों की मौत हुई

रायपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने कांग्रेस सरकार पर 1300 करोड़ रुपए के गोबर घोटाला करने का आरोप लगाकर इस मामले में CBI जांच की मांग की है। जिसके तुरंत बाद कांग्रेस ने पीसी करके 2018 के पहले की रमन सरकार पर गौशाला के नाम पर 1667 करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया है।

कांग्रेस संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, रमन राज में गौशालाओं के नाम पर 1667 करोड़ रुपए बीजेपी ने डकार लिए। उनके कार्यकाल के 15 सालों में 17 हजार से ज्यादा गायों की मौतें भूख से, बिना चारा पानी के तड़पकर हुई।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं

बचा है। भाजपा राज्य सरकार के जनहित के कामों का विरोध नहीं कर पा रही है तो सफल योजनाओं में झूठे आरोप लगाकर अपनी भड़ास निकालती है।

कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में 9 हजार 790 गोठान बनाकर राज्य के पशुओं के संरक्षण उनकी देख रेख का प्रयास किया है। ये पूरी योजना गांव वालों के सहयोग, ग्रामवासियों के द्वारा बनाई गई गोठान समितियों और स्व सहायता समूह की महिलाओं के जरिए संचालित होती है। बीजेपी इस योजना पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाकर ग्रामवासियों की निष्ठा और ईमानदारी पर सवाल खड़ा कर रही है।

कांग्रेस ने लगाया बीजेपी पर आरोप

15 साल में गौशाला के नाम से सरकारी जमीनों को आवंटित कर निजी उपयोग किया।

15 साल तक गौशालाओं को प्रतिदिन आहार के नाम पर 115 गौशालाओं को प्रतिदिन 28 लाख 75 हजार रुपए से अधिक राशि दी जाती थी।

इसकी कुल राशि होती है एक साल में 1 अरब 4 करोड़ 93 लाख 75 हजार और 15 साल में 1560 करोड़ रुपए गौशालाओं में चारा के नाम पर दिया गया।

20 हजार रुपए पशुओं की दवाइयों के लिए हर माह दिया जाता था। हर गौशाला को एक साल में 2 लाख 40 हजार रुपए दिया गया।

115 गोशाला को एक साल में दवाई के नाम से 2 करोड़ 76 लाख रुपए, और 15 साल में 41.5 करोड़ रुपए के करीब दिया गया।

शेड निर्माण, बोरवेल, बिजली व्यवस्था के अलावा अन्य खर्चों के नाम से 76 करोड़ रुपए का बंदरबांट किया।

गौशाला को लगभग 5 से 10 एकड़ सरकारी जमीन आवंटित किया गया। 15 साल में लगभग 1000 एकड़ से अधिक की जमीन, भाजपा नेताओं ने गौशाला के नाम से लिया और निजी उपयोग किया।

रमन राज में 17000 से अधिक गायों की मौतें हुई थी जिसके लिये हमने विपक्ष में रहते हुए आंदोलन किया था।

'हमारे प्रयास से 12 जातियां जनजाति सूची में शामिल हुई'

सीएम बोले-बीजेपी क्रेडिट लेने की कोशिश कर रही, केंद्रीय मंत्री और साव में कौन सही

रायपुर

राज्यसभा में छत्तीसगढ़ की 12 जातियों को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल किए जाने के विधेयक को मंजूरी मिलने के बाद राजनीति तेज हो गई है। बीजेपी अध्यक्ष अरुण साव जहां इसे बीजेपी के प्रयासों का नतीजा बता रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कहना है कि इस मामले में बीजेपी क्रेडिट लेने की कोशिश कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 2017 में रमन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा था। फिर उन्होंने अनुसूचित जनजाति आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष नंदकुमार साय को पत्र लिखा, ये चलता रहा, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं हुआ।

सीएम ने अपने प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि उसके बाद जो हम लोगों ने प्रयास किया वो 2021 का लेटर है, जो प्रधानमंत्री को लिखा गया और लगातार हम लोग प्रयास करते रहे, तब जाकर यह सफलता हासिल हुई है। डबल इंजन की सरकार थी, तब या तो रमन सिंह की चलती नहीं थी या सही ढंग से उसको प्रोसेस नहीं किया गया।

केंद्रीय मंत्री और साव में कौन सही

वहीं केंद्रीय मंत्री के ट्वीट को लेकर कहा कि मंत्री ने जो ट्वीट किया है उसमें लिखा है कि इसका लाभ 72000 लोगों को मिलेगा। दूसरी तरफ अरुण साव कहते हैं कि छत्तीसगढ़ में 10 लाख आदिवासियों को इसका लाभ मिलेगा, दोनों में कौन सही है।

बीजेपी के गोबर घोटाले के आरोपों पर कहा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि बीजेपी केन्द्रीय मद का पैसा कैसे कह सकती है, क्योंकि जितना छत्तीसगढ़ सरकार की रॉयल्टी और जीएसटी जाती है। उसमें हम देते बहुत ज्यादा हैं, लेकिन आता उससे कम है और जो राज्य कम देते हैं, उनको ज्यादा मिलता है।

ईडी-आईटी गली मोहल्ले में घूम रही

सीएम ने कहा कि 250 करोड़ का गोबर खरीदे हैं और 300 करोड़ का वर्मी कंपोस्ट बेच चुके हैं तो यह घोटाला कहां से हो गया। उन्होंने कहा कि भाजपा को हर एक चीज में सीबीआई की जांच चाहिए।

जब से हमारी सरकार बनी है, तब से अब तक जितने छापे छत्तीसगढ़ में पड़े हैं, उतने देश के किसी भी राज्य में नहीं पड़े। ईडी-आईटी गली मोहल्ले में घूम रही है।

अब गौठान भी घूम रहे हैं, पहले बयान देते हैं। उसके बाद छापा पड़ता है तो यह तो ईडी के प्रवक्ता हैं। भाजपा के दो मजबूत साथी हैं ईडी और आईटी। अब वे अलग-अलग गौठान घूम रहे हैं।

कुत्तों के हमले में हिरण की मौत: 2 हिरण घायल, जान बचाकर घने जंगल में घुसे, लोगों ने मौके पर पहुंचकर कुत्तों को भगाया

कबीरधाम, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले के वन परिक्षेत्र रेंगाखार में कुत्तों के हमले से एक हिरण की मौत हो गई। वहीं 2 हिरण घायल हो गए। रेंगाखार वन परिक्षेत्र अंतर्गत कक्ष क्रमांक- RF 132 में ग्राम उमरिया-बम्हनी मार्ग के पास हिरण का शव मिला। वन विभाग की टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। रविवार सुबह मृत हिरण का पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद अंतिम संस्कार किया गया है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम उमरिया-बम्हनी मार्ग पर शनिवार शाम हिरणों

का झुंड टहल रहा था। इसी दौरान 7-8 कुत्तों ने 3 हिरण पर एक साथ हमला कर दिया। हमले में एक हिरण की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि दो हिरण घायल हो गए। घटना बम्हनी गांव से महज 200 मीटर दूरी पर हुई।

सड़क से 15 फीट दूर राहगीरों की नजर जब हिरणों पर हमला करते हुए कुत्तों पर पड़ी, तो वे तुरंत मौके पर पहुंचे। लोगों ने कुत्तों को भगाया, लेकिन तब तक एक हिरण की मौत हो चुकी थी, वहीं दो हिरण किसी तरह से अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। हालांकि कुत्तों ने इन 2 हिरणों को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घटना की जानकारी होने पर गांव के बाकी लोग भी वहां इकट्ठा हो गए और इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। घटनास्थल पर पहुंचे वन परिक्षेत्र अधिकारी पदमलाल पांडे, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी संजय वर्मा और बीटगार्ड श्यामबती निषाद ने ग्रामीणों के सामने पंचनामा बनाया और हिरण के शव को रेंगखार ले गए। रविवार सुबह हिरण के शव का पोस्टमॉर्टम करने के बाद अंतिम संस्कार किया गया।

महिला की चाकुओं से गोदकर दर्दनाक हत्या, हत्यारे ने सोशल मीडिया पर डाला रौंगटे खड़े करने वाला वीडियो

वाशिंगटन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में एक महिला की एक शख्स ने चाकुओं से गोदकर दर्दनाक हत्या कर दी और इसका एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर डाल दिया। इस बात की जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में बे एरिया के एक व्यक्ति ने कथित तौर पर एक महिला को चाकू मारा और उसके अंतिम क्षणों का वीडियो फेसबुक पर पोस्ट कर दिया। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, एक कॉलर ने फेसबुक पर चाकूबाजी की घटना देखने की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस को इस घटना जानकारी हुई। नेवादा में न्ये काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बुधवार दोपहर को सैन मेटो पुलिस को घटना के बारे में सूचित किया।

इशरत जहां केस में थे आरोपी, बाद में हुए बरी

गुजरात के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट आईपीएस ने छोड़ी नौकरी, कौन हैं जी एल सिंघल

अहमदाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सिंघल 1996 में गुजरात-कैडर अधिकारी के रूप में पुलिस सेवा में शामिल हुए और 2001 में उन्हें भारतीय पुलिस सेवा में शामिल किया गया। सरकार द्वारा उनकी सेवानिवृत्ति की निवेदन को स्वीकार किए जाने के बाद अब वह रिटायरमेंट से दो साल पहले सेवानिवृत्ति हो जाएंगे। 5 अगस्त उनकी सेवा का आखिरी दिन हो सकता है।

सेवा से रिटायरमेंट

21 अप्रैल को सिंघल ने पुलिस महानिदेशक को नोटिस भेजकर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की अनुमति मांगी और राज्यपाल से एफआर-56के नियम के तहत स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का अनुरोध किया। उन्होंने 22 वर्ष से अधिक की सरकारी सेवा पूरी कर ली थी। 11 मई को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) ने गृह सचिव को सिंघल के समय से पहले सेवानिवृत्त होने के इरादे की जानकारी दी और बताया कि उनके खिलाफ कोई सतर्कता/प्राथमिक/विभागीय जांच या आपराधिक मामला नहीं है।

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की छवि

इशरत जहां केस के बाद आईपीएस जी एस सिंघल की छवि एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पुलिस अफसर के तौर बन गई थी, हालांकि इस मामले में सबसे पहले पुलिस ऑफिसर के तौर पर उन्हीं की गिरफ्तारी हुई थी। इसके बाद उन्हें जेल जाने के साथ 14 महीने तक सस्पेंड रहना पड़ा था। 21 फरवरी 2013 में गिरफ्तारी के बाद उन्हें जनवरी, 2015 में बहाल किया गया था।

विवादों में घिरे थे सिंघल

इशरत जहां एकाउंटर में नाम आने के बाद वे विवादों में घिरे थे। कई और मामलों में उनका नाम आया था। सीबीआई के शिकंजे में भी रहना पड़ा था। इसके चलते उसके पुलिस सेवा बीच में सस्पेंड हो गई थी।

पहले हुए अरेस्ट फिर बरी

इशरत जहां केस में सीबीआई ने बतौर आरोपी के तौर पर आईपीएस सिंघल को अरेस्ट किया था। इसके बाद उन्हें 2001 में उन्हें आईपीएस के तौर पर प्रमोट किया गया था। आखिर में वह अप्रैल 2021 में सीबीआई कोर्ट से बरी हुए थे। तब कोर्ट ने कहा था कि पुलिस का एक्शन लाइन ऑफ ड्यूटी पर था।

सरकार ने दी सेवानिवृत्ति

सिंघल ने 21 अप्रैल को सिंघल ने पुलिस महानिदेशक को नोटिस भेजकर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की अनुमति मांगी थी। सरकार ने इसे स्वीकार कर लिया है। एक बार पहले भी सिंघल से सेवा छोड़ने की चर्चा सामने आई थी तब कहा गया था कि वह एक आत्महत्याएं रोकने के लिए एक गैर सरकारी संस्था खोलना चाहते हैं।

सिंघल ने 22 वर्ष से अधिक की सरकारी सेवा पूरी कर ली है। सरकार की रिपोर्ट में कहा गया है कि अब सिंघल के खिलाफ कोई सतर्कता/प्राथमिक/विभागीय जांच या आपराधिक का मामला नहीं है। मूल रूप से गुजरात के अहमदाबाद से ताल्लुक रखने वाले जीएस सिंघल ने बीकॉम के साथ एम कॉम की पढ़ाई की है।

मॉस्को में फिर ड्रोन हमला, यूक्रेन पर लगा आरोप, एयरपोर्ट किया गया बंद

यूक्रेन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। रूस की राजधानी मॉस्को में फिर से ड्रोन हमला हुआ है। इस हमले का आरोप यूक्रेन पर लगा है। खास बात ये है कि यह हमला उस वक्त हुआ, जब रूस की एयर डिफेंस सिस्टम भी सक्रिय था, इसके बावजूद रूस ड्रोन हमले को नहीं टाल सका। हमले में दो इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं। ड्रोन हमले का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मॉस्को के मेयर ने भी हमले की पुष्टि की है। रूस ने एहतियातन अपना नुकावो एयरपोर्ट बंद कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मॉस्को की आईक्यू क्वार्टर नामक हाई राइज बिल्डिंग पर हमला हुआ। इस इमारत में रिहायशी अपार्टमेंट्स और सरकारी कार्यालय हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हमले में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है। मॉस्को में एक अन्य इमारत पर भी ड्रोन हमले की खबर है। एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक महिला अपने अपार्टमेंट सोते नजर आ रही है, तभी उसकी इमारत से एक ड्रोन आकर टकराता है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने भी मॉस्को की दो इमारतों पर ड्रोन हमले की पुष्टि की है। हालांकि उन्होंने हमले में ज्यादा नुकसान नहीं होने की बात कही। हमला रविवार सुबह हुआ। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि रूस के एयर डिफेंस ने एक यूक्रेनी ड्रोन को पश्चिमी मॉस्को में तबाह कर दिया। बीते हफ्ते भी मॉस्को में दो ड्रोन हमले की खबर है। इसका भी आरोप यूक्रेन पर लगा था। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने भी मॉस्को की दो इमारतों पर ड्रोन हमले की पुष्टि की है।

शेख हसीना का इस्तीफा क्यों मांग रहे बांग्लादेश के लोग? जमकर हो रही हिंसा, 1000 अरेस्ट

ढाका, 30 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री शेख हसीना एक ऑटोक्रेटिक नेता हैं। उनकी सरकार में मानवाधिकारों का उल्लंघन, फ्री स्पीच पर नकेल और आलोचकों को जेल में डालना आम है। यह सभी वो बातें हैं जो इन दिनों बांग्लादेश में खासा चर्चा में हैं। मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी पीएम हसीना का इस्तीफा मांग रही है। ढाका में पार्टी ने बड़ी रैली आयोजित की। बताया जाता है कि दस हजार लोग इस रैली में जुटे। पुलिस ने लाठियां बरसाई। आंसू गैस के गोले दागे। एक हजार लोगों की गिरफ्तारी की। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की मांग है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा दें और चुनाव एक अंतरिम सरकार के तहत हो। शेख हसीना की सरकार ने विपक्ष की इस मांग को खारिज किया है। ढाका में जुटे पार्टी के समर्थकों ने रैली के दौरान राजधानी की कई सड़कें ब्लॉक कर दी। आगजनी की। कई बसों को खाक कर दिया। सार्वजनिक स्थानों में तोड़फोड़ की। पुलिस पर बीएनपी समर्थकों के पेट्रोल बम से हमले का भी दावा है। बांग्लादेश में कोस्ट ऑफ लिविंग बढ़ी है, इससे आम नागरिकों का जीना मुहाल है। वे अपनी मांगों के साथ पिछले कुछ महीने में कई बार सड़क पर उतरे हैं। बीएनपी का दावा है कि पुलिस लाठीचार्ज में पार्टी के दर्जनों समर्थकों को गंभीर चोटें आई है। पार्टी ने दावा किया की 1000 समर्थकों को गिरफ्तार किया गया है। हिंसा में 20 अधिकारियों के घायल होने की भी खबर है। पार्टी के दो नेताओं को भी हिरासत में लिया गया लेकिन बाद छोड़ दिया गया। वोटों में धांधली के आरोपों और विपक्ष को निशाना बनाने के बाद 2014 और 2018 के राष्ट्रीय चुनावों से हालात खराब हुए हैं। विपक्ष का दावा है कि पिछले दो कार्यकाल में शेख हसीना ने चुनाव में बड़े स्तर पर धांधली की है। हसीना सरकार इन आरोपों को खारिज करती है। 2009 में सत्ता में आने के बाद से उन्होंने देश के सिस्टम को कड़े नियंत्रण में रखा है। मसलन, हसीना सरकार पर मानवाधिकारों के उल्लंघन, प्रेस फ्रीडम पर नकेल, आलोचकों को जेल में डालने जैसे आरोप लगते रहे हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया 2018 से जेल में हैं। बीएनपी का दावा है कि झूठे भ्रष्टाचार के आरोपों में उन्हें जेल की सजा दी गई। ढाका पुलिस के प्रवक्ता फारूक अहमद का दावा है कि विपक्षी समर्थकों ने पुलिस काफिले पर हमला किया था। वे ट्रैफिक बहाल कर रहे थे। हालात को काबू करने के लिए आंसू गैस और रबर बुलेट दागनी पड़ी। सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए जिसमें देखा जा सकता है कि सड़कों पर पुलिस लोगों पर लाठियां बरसा रही है। प्रदर्शन में देश के अलग-अलग हिस्से से ढांका पहुंचे लोगों ने बताया कि देश में महंगाई बढ़ रही है।

निक्की, विवेक के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति की दौड़ में भारतीय इंजीनियर, डोनाल्ड ट्रंप के जबरदस्त फैन

वाशिंगटन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति की दौड़ में एक और भारतवंशी ने चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। भारतीय मूल के इस अमेरिकी इंजीनियर का नाम हर्ष वर्धन सिंह है। निक्की हेली और विवेक रामास्वामी के बाद हर्ष वर्धन तीसरे भारतीय हैं, जिन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति की दौड़ में शामिल होने का निश्चय किया है। निक्की और विवेक की तरह हर्ष वर्धन ने भी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से उम्मीदवारी की मांग है। 38 वर्षीय हर्ष के ट्विटर पर एक वीडियो संदेश भी जारी किया। खुद को आजीवन रिपब्लिकन और अमेरिकियों का सच्चा हितैषी बताने वाले हर्ष डोनाल्ड ट्रंप के जबरदस्त फैन हैं। लेकिन, अमेरिकी चुनाव में अब ट्रंप को खुद से बेहतर उम्मीदवार मानते हैं। भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर हर्ष वर्धन सिंह ने व्हाइट हाउस के लिए अपनी दावेदारी की घोषणा की है। वह 2024 में अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के इच्छुक रिपब्लिकन उम्मीदवारों में शामिल होने वाले निक्की हेली और विवेक रामास्वामी के बाद भारतीय मूल के तीसरे व्यक्ति बन गए हैं। ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में, 38 वर्षीय सिंह ने कहा कि वह एक आजीवन रिपब्लिकन और अमेरिका फर्स्ट हैं। बताया कि उन्होंने न्यू जर्सी में रिपब्लिकन पार्टी विंग को मजबूत करने के लिए काफी काम किया।

चुनाव आयोग में उम्मीदवारी दाखिल की

वीडियो संदेश में हर्ष ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में हुए बदलावों को पलटने और अमेरिकी मूल्यों को बहाल करने के लिए हमें मजबूत नेतृत्व की जरूरत है। यही कारण है कि मैंने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए 2024 के चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी से नामांकन करने का फैसला किया है। द हिल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने गुरुवार को संघीय चुनाव आयोग के समक्ष आधिकारिक तौर पर अपनी उम्मीदवारी दाखिल की।

निक्की और विवेक भी कर चुके हैं दावेदारी पेश

हर्ष वर्धन सिंह से पहले दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर 51 वर्षीय निक्की हेली और 37 वर्षीय करोड़पति उद्यमी विवेक रामास्वामी ने इस साल की शुरुआत में शीर्ष अमेरिकी पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की थी। ये सभी पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे, जो कानूनी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद 2024 के लिए रिपब्लिकन पार्टी के नामांकन की दौड़ में आगे चल रहे हैं। गौरतलब है कि रिपब्लिकन अपनी पार्टी के अगले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को औपचारिक रूप से चुनने के लिए 15-18 जुलाई 2024 तक मिल्वौकी, विस्कॉन्सिन में राष्ट्रीय सम्मेलन करेगी, जहां उम्मीदवार का नाम फाइनल किया जाएगा।

खुद को एकमात्र सच्चा अमेरिकी मानते हैं हर्ष

हर्ष वर्धन सिंह ने खुद को एकमात्र अमेरिकी ब्लड उम्मीदवार भी कहा। वह कहते हैं कि कोरोना काल के दौरान भी उन्होंने हार नहीं मानी और अमेरिकियों के हितों के लिए हमेशा काम किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि वह 2017 और 2021 में न्यू जर्सी के गवर्नर के लिए, 2018 में हाउस सीट के लिए और 2020 में सीनेट के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों की दौड़ में शामिल थे, लेकिन, पार्टी से टिकट हासिल करने में नाकाम रहे।

ट्रंप के जबरदस्त फैन

वीडियो संदेश में हर्ष खुद को सच्चा रिपब्लिकन और ट्रंप का फैन बताते हैं। वो कहते हैं कि अमेरिका को जितना समृद्ध रिपब्लिकन राष्ट्रपतियों ने किया, उतना किसी ने नहीं। अब फिर देश को रिपब्लिकन राष्ट्रपति की जरूरत है। गवर्नर पद के लिए अपनी सबसे हालिया दौड़ में उन्होंने अंतिम उम्मीदवार जैक सियाटारेली के खिलाफ दावेदारी पेश की थी। इस दौरान हर्ष ने खुद को डोनाल्ड ट्रंप के नजदीकी के रूप में पेश किया था। उम्मीदवारी की रेस में वह तीसरे नंबर पर रहे थे।

श्रीलंका में जहां अमेरिका बनाना चाहता था सैन्य अड्डा, वहां पहुंचा भारत का युद्धपोत, मायने समझें

कोलंबो, 30 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के हाथों कंगाल होने के बाद अब श्रीलंका को भारत से बड़ी उम्मीदें हैं। इन्हीं उम्मीदों को लेकर श्रीलंकाई राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे इस महीने भारत यात्रा पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक लंबी बैठक भी की थी। इस बैठक में आपसी संबंधों को मजबूत करने के अलावा श्रीलंका के पूर्वी बंदरगाह त्रिंकोमाली में एक एनर्जी हब बनाने पर भी चर्चा हुई थी। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि श्रीलंका ने भारत की दशकों पुरानी इस मांग को स्वीकार कर लिया है। इसके ताजा संकेत हाल में ही भारतीय नौसेना के एक युद्धपोत आईएनएस खंजर की त्रिंकोमाली यात्रा से भी मिले हैं। त्रिंकोमाली वही बंदरगाह है, जिसे एक समय अमेरिकी सैन्य अड्डे के तौर पर देखा जाने लगा था। यहां की रेत में कई दुर्लभ खनिज पदार्थ भी छिपे हुए हैं।

भारतीय नौसेना का युद्धपोत पहुंचा त्रिंकोमाली

भारतीय नौसेना के मिसाइल कार्वेट आईएनएस खंजर के त्रिंकोमाली पहुंचने पर श्रीलंकाई नौसेना ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान दोनों देशों की नौसेना के बीच व्यावसायिक बातचीत, खेल कार्यक्रम और जहाज पर यात्रा निर्धारित है। भारतीय नौसेना ने आईएनएस खंजर के त्रिंकोमाली पहुंचने की तस्वीरें भी जारी की है। इसमें भारतीय युद्धपोत के कप्तान श्रीलंकाई नौसेना के अधिकारी से हाथ मिलाते हुए नजर आ रहे हैं। श्रीलंका की भौगोलिक उपस्थिति हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि चीन और अमेरिका दोनों ही श्रीलंका में अपना स्थायी नौसैनिक अड्डा बनाने की कोशिश में जुटे हैं।

त्रिंकोमाली में अमेरिका बनाना चाहता था सैन्य अड्डा

भारत 1970 के दशक से ही श्रीलंका से त्रिंकोमाली बंदरगाह के इस्तेमाल की इजाजत मांग रहा है। तब से लेकर अब तक भारत के कई नेताओं ने श्रीलंका के साथ त्रिंकोमाली को लेकर चर्चा भी की है। वैश्विक समुद्री रूट में स्थित होने के कारण भारत इस बंदरगाह को एक एनर्जी हब के तौर पर विकसित करना चाहता है। हालांकि, श्रीलंका ने तब इसकी अनुमति नहीं दी थी। एक समय त्रिंकोमाली को अमेरिकी सैन्य अड्डे के तौर पर देखा जाने लगा था। उस वक्त श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के चाचा जे आर जयवर्धने थे। इस कारण जयवर्धने के भारत के साथ रिश्ते बेहद खराब भी हो गए थे। लेकिन, गनीमत रही है कि त्रिंकोमाली कभी अमेरिका का स्थायी सैन्य अड्डा नहीं बन पाया। चीन ने कर्ज देकर श्रीलंका को एक तरह से अपना सैटेलाइट स्टेट बना दिया है। राजपक्षे बंधुओं के कार्यकाल में श्रीलंका में चीन के प्रभाव को साफ तौर पर देखा गया। यही कारण था कि श्रीलंका खुद की आर्थिक और विदेश नीति खुद तय नहीं कर पाया और डिफॉल्ट हो गया। श्रीलंका के हालात इतने खराब हो गए थे कि स्थानीय लोगों ने सरकार के खिलाफ विद्रोह कर दिया और प्रधानमंत्री के बाद राष्ट्रपति को भी देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके बावजूद आज भी श्रीलंका पर चीन का भारी कर्ज है। ऐसे में भारत ने श्रीलंका की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया है और तेल से लेकर अनाज तक कई वस्तुओं का निर्यात तेज किया है। श्रीलंका में इसे भारत के गुडविल की तरह देखा जा रहा है, जो चीन को जरूर नुकसान पहुंचाएगा।

'कुरान को अपवित्र करने वाले मुस्लिमों को मिलनी चाहिए सजा', लेबनानी नेता का भड़काऊ बयान

लेबनान, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कुरान के अपमान को लेकर दुनिया भर के कई मुस्लिम देश भड़के हुए हैं। इसी बीच लेबनान के शिया आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह ने भड़काऊ बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि मुस्लिम-बहुल देशों की सरकारें कुरान के अपमान की अनुमति देने वाले देशों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती हैं, तो मुसलमानों को इस्लाम की पवित्र पुस्तक पर हमलों की सुविधा देने वालों को दंडित करना चाहिए। हसन नसरल्लाह बयान पैगंबर मुहम्मद के पोते हुसैन की 7वीं शताब्दी की शहादत के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान आया।जहां उन्होंने भीड़ को सम्बोधित करते हुए स्वीडन और डेनमार्क की घटना का जिक्र किया, जहां हाल ही में कुरान की प्रतियां जलाई गई हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को कुरान जलाने पर संगठन की प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए सोमवार को बगदाद में होने वाली इस्लामिक सहयोग संगठन की आपातकालीन बैठक के नतीजे पर नजर रखनी चाहिए।

कुरान का अपमान करने वालों को दी धमकी

इस दौरान नसरल्लाह ने कहा कि संगठन और उसके सदस्य देशों को इन सरकारों को एक दृढ़, निर्णायक और स्पष्ट संदेश भेजना चाहिए कि किसी भी हमले की पुनरावृत्ति का बहिष्कार किया जाएगा। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उन्होंने कहा कि मुस्लिम युवाओं को कुरान को अपवित्र करने वालों को दंडित करना चाहिए।

सजा के बारे में नहीं किया जिक्र

हालांकि नसरल्लाह ने अपने बयान में यह नहीं बताया कि कुरान का अपमान करने वाले को किस तरह की सजा दी जानी चाहिए। गौरतलब है कि महीनेभर पहले ही स्वीडन के स्टॉकहोल्म में 'कुरान' जलाए जाने का मामला सामने आया था। इस घटना के बाद काफी विरोध प्रदर्शन और हंगामा देखने को मिला था। हालांकि इसके बाद कई बार स्वीडन और डेनमार्क ने कुरान का अपमान हुआ। जिसपर कई मुस्लिम देशों ने कड़ी नाराजगी जाहिर की।

'हम नाटो से जंग के लिए तैयार', मॉस्को पर ड्रोन अटैक से तिलमिलाए पुतिन का बड़ा बयान

कीव, 30 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन के रूसी राजधानी मॉस्को पर हमले के बाद राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन आग बबूला हो गए हैं। पुतिन ने कहा कि वह नाटो से जंग के लिए तैयार हैं। यूक्रेन ने लगातार कोशिशों के बाद मॉस्को पर ड्रोन स्ट्राइक करने में कामयाब हुआ है। इससे नाराज रूसी विदेश मंत्रालय पहले ही दबी जुबान में नाटो को जिम्मेदार ठहरा चुका है। एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि इस हमले को बिना किसी की मदद के अंजाम नहीं दिया जा सकता। अब राष्ट्रपति पुतिन के सीधे ऐलान के बाद माना जा रहा है कि पश्चिमी सैन्य संगठन से वह भिड़ने का पूरा मूड बना चुके हैं। यूक्रेन ने मॉस्को पर सबसे पहला ड्रोन अटैक 24 अप्रैल को किया था। यह ड्रोन 100 किलोमीटर की दूरी पर जाकर क्रैश हो गया। 3 मई को रात 2 बजे यूक्रेन ने दो ड्रोन अटैक किए। इसके बाद 17 मई, 30 मई, 4 जुलाई और 24 जुलाई को भी हमला किया। हालांकि, यूक्रेनी सेना हमलों में नाकाम रही। हालिया स्ट्राइक में मॉस्को की दो ऑफिस बिल्डिंग को नुकसान हुआ है। कोई हताहत की खबर नहीं है। हमले के बाद सड़क मार्ग प्रभावित हुआ। शहर के एयरपोर्ट को भी बंद करना पड़ा। रूसी विदेश मंत्रालय का दावा है कि सेना ने तीन यूक्रेनी ड्रोन को इंटरसेप्ट किया है। रूस ने इस हमले को आतंकी हमले की कोशिश बताया है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि एक ड्रोन को मार गिराया गया, जबकि दो को इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर द्वारा इंटरसेप्ट करने की कोशिश की गई जो बिल्डिंग पर जाकर क्रैश कर गया। इस हमले में यहां एक शख्स के घायल होने की खबर है। मॉस्को के मेयर ने बयान में बताया कि बिल्डिंग का बाहरी हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। यूक्रेन ने रूसी राजधानी पर इस हफ्ते यह तीसरी बार हमला किया है।

पुरुष या महिलाएं, भारत में कैंसर से किसकी होती है अधिक मौत? शोध में हुआ चौंका देने वाला खुलासा

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कैंसर दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है। हाल के वर्षों में कैंसर के मामलों तेजी से बढ़े हैं, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को प्रभावित कर रही है। हालांकि, भारत में एक चिंताजनक प्रवृत्ति सामने आई है, जहां पुरुषों की तुलना में महिलाओं में कैंसर के कारण मृत्यु दर अधिक है। एक नए अध्ययन से पता चला है कि भारत में पुरुषों में कैंसर से मृत्यु दर में सालाना 0.19 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन महिलाओं में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो दोनों के बीच 0.02 प्रतिशत की वृद्धि है। अध्ययन के अनुसार, 2000 और 2019 के बीच फेफड़े, स्तन, कोलोरेक्टल, लिम्फोमा, मल्टीपल मायलोमा, पित्ताशय, अग्न्याशय, किडनी और मेसोथेलियोमा के कैंसर में मृत्यु दर में वृद्धि देखी गई। मृत्यु दर में सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि अग्नाशय के कैंसर में देखी गई। दोनों लिंगों में 2.7% (पुरुषों में 2.1% और महिलाओं में 3.7%)। हालांकि, पेट, अन्नप्रणाली, ल्यूकेमिया, स्वरयंत्र और मेलेनोमा कैंसर में लिंग की परवाह किए बिना कैंसर मृत्यु दर में गिरावट देखी गई। वैश्विक स्तर पर, दिल की बीमारी के बाद कैंसर दूसरी सबसे घातक गैर-संचारी बीमारी है, जिससे 2020 में लगभग 9.9 मिलियन (99 लाख) मौतें हुईं। कैंसर से होने वाली सभी मौतों में से लगभग 9% भारतीय आबादी में हुईं। देश में कैंसर के लिए प्रति एक लाख आयु-मानकीकृत मृत्यु दर (एएसएमआर) 63.1 है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं की हिस्सेदारी क्रमशः 65.14 प्रतिशत और 61.0 प्रतिशत है। डाइट और शारीरिक गतिविधि में किसी भी बदलाव के बिना वजन घटाने विभिन्न कैंसर का चेतावनी संकेत हो सकता है। लगातार थकान या कमजोरी जो आराम करने पर भी ठीक नहीं होती, कैंसर सहित किसी बीमारी का संकेत हो सकता है। शरीर के किसी भी हिस्से में अस्पष्ट या लगातार दर्द कैंसर का शुरुआती संकेत हो सकता है। नए तिल या मौजूदा मस्सों में परिवर्तन, त्वचा के घाव जो ठीक नहीं होते हैं या त्वचा के धब्बों के रंग या आकार में परिवर्तन का मूल्यांकन एक स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर द्वारा किया जाना चाहिए। लंबे समय तक खांसी, स्वर बैठना या निगलने में कठिनाई फेफड़े, गले या ग्रासनली के कैंसर के लक्षण हो सकते हैं।

अब कभी भी माफ हो सकता है किसानों का कर्ज!

सरकार बनाएगी कर्ज राहत आयोग, बैंक नहीं कर सकेंगे किसानों की जमीन नीलाम!

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। चुनावी साल में राजस्थान सरकार किसानों को लुभाने के लिए बिल लेकर आ रही है। किसान कर्ज राहत आयोग बिल को दो अगस्त को विधानसभा में पेश करके पारित करवाने की तैयारी है। यह बिल पारित होने के बाद किसान कर्ज राहत आयोग बनाने का रास्ता साफ हो जाएगा।

आयोग बनने के बाद बैंक और कोई भी फाइनेंशियल संस्था किसी भी कारण से फसल खराब होने की हालत में कर्ज वसूली का प्रेशर नहीं बना सकेंगे। किसान फसल खराब होने पर कर्ज माफी की मांग करते हुए इस आयोग में आवेदन कर सकेंगे।

आयोग से सरकार को किसानों के कर्ज माफ करने या सहायता करने के आदेश कभी भी जारी हो सकते हैं।

हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज होंगे अध्यक्ष

राज्य किसान कर्ज राहत आयोग में अध्यक्ष सहित 5 मेंबर होंगे। हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज अध्यक्ष होंगे।

आयोग में एसीएस या प्रमुख सचिव रैंक पर रहे रिटायर्ड आईएएस, जिला और सेशन कोर्ट से रिटायर्ड जज, बैंकिंग सेक्टर में काम कर चुके अफसर और एक एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट को मेंबर बनाया जाएगा। सहकारी समितियों के एडिशनल रजिस्ट्रार स्तर के

अफसर को इसका सदस्य सचिव बनाया जाएगा।

किसान कर्ज राहत आयोग का कार्यकाल 3 साल का होगा। आयोग के अध्यक्ष और मेंबर का कार्यकाल भी 3 साल का होगा। सरकार अपने स्तर पर आयोग की अवधि को बढ़ा भी सकेगी और किसी भी मेंबर को हटा सकेगी।

पूरे जिले को भी घोषित कर सकता है संकटग्रस्त

किसान कर्ज राहत आयोग को कोर्ट जैसे पावर होंगे। अगर किसी इलाके में फसल खराब होती है और इसकी वजह से किसान बैंकों से लिया हुआ कृषि कर्ज चुका नहीं पाता है तो ऐसी स्थिति में आयोग को उस किसान और क्षेत्र को संकटग्रस्त घोषित करके उसे राहत देने का आदेश देने का अधिकार होगा।

कर्ज नहीं चुका पाने को लेकर अगर किसान आवेदन करता है या आयोग खुद अपने स्तर पर समझता है कि हालत वाकई खराब है तो वह उसे संकटग्रस्त किसान घोषित कर सकता है। संकटग्रस्त किसान का मतलब है कि उसकी फसल खराबे की वजह से वह कर्ज चुका पाने में सक्षम नहीं है। संकटग्रस्त किसान घोषित होने के बाद बैंक उस किसान से जबरदस्ती कर्ज की वसूली नहीं कर सकेगा।

आयोग बैंकों से भी बातचीत करेगा

संकटग्रस्त क्षेत्र घोषित करने के बाद आयोग के पास यह भी पावर होगा कि वह बैंकों से लिए गए कर्ज को सेटलमेंट के आधार पर चुकाने की प्रक्रिया भी तय करेगा।

आयोग किसानों के पक्ष में कोई भी फैसला करने से पहले बैंकों के प्रतिनिधियों को भी सुनवाई का मौका देगा। लोन को री-शेड्यूल करने और ब्याज कम करने जैसे फैसले भी आयोग कर सकेगा।

किसानों को दिए जाने वाले कर्ज को लेकर प्रक्रिया तय करने और सरलीकरण के लिए भी आयोग सुझाव दे सकेगा।

आयोग संकटग्रस्त क्षेत्रों में किसानों की हालात को देखते हुए सरकार को अपनी रिपोर्ट में किसानों का कर्ज माफ करने की सिफारिश भी कर सकेगा।

आयोग के फैसले को सिविल कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकेगी किसान कर्ज राहत आयोग को सिविल कोर्ट के बराबर शक्तियां दी गई है। कर्ज राहत आयोग के किसी भी फैसले को सिविल कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। आयोग किसी भी अफसर या व्यक्ति को समन करके बुला सकेगा।

किसान को कर्ज माफी के लिए आवेदन

इस कानून के तहत किसी भी कर्ज से राहत के लिए दावा करने वाला किसान आयोग के सामने आवेदन फाइल करेगा और उसके बाद आयोग अपना फैसला करेगा।

आयोग जिलों में बैठकें और सुनवाई करेगा

किसान कर्ज राहत आयोग समय-समय पर फील्ड में जाकर बैठकें भी करेगा। आयोग ऐसी जगहों पर अपनी बैठकें करेगा, जहां पर उसे आवश्यकता महसूस होगी।

जो इलाके संकटग्रस्त है और जहां फसलें खराब हुई हैं वहां पर खास तौर से किसानों का पक्ष जानने और हालात का जायजा लेने के लिए आयोग के प्रतिनिधि जाएंगे।

कर्ज माफी आयोग की बैठक के लिए 5 में से 3 मेंबर्स का रहना जरूरी होगा। आयोग जिलों में होने वाली बैठकों के लिए 2 या उससे ज्यादा मेंबर्स वाली न्याय पीठ का गठन करके बैठक करेंगे।

यह आयोग सेंट्रलाइज्ड बैंकों और कॉमर्शियल बैंकों से लिए गए किसानों के कर्ज को री-शेड्यूल करने और कर्ज माफी को लेकर भी आदेश जारी कर सकेगा। इसमें शॉर्ट टर्म लोन को मिड टर्म या लॉन्ग टर्म में बदलने के लिए भी री-शेड्यूल करने का आदेश जारी कर सकेगा। ऐसे हालात में आयोग ब्याज माफी के लिए भी बैंकों को सिफारिश कर सकेगा।

प्रॉपर्टी नीलाम नहीं कर सकेंगे बैंक

किसान कर्ज माफी आयोग अगर किसी क्षेत्र को संकट ग्रस्त क्षेत्र घोषित करता है तो ऐसे इलाके में कोई भी बैंक या फाइनेंशियल इंस्टीटयूशन किसानों से कर्ज वसूली के लिए किसी भी तरह की बिक्री या उसकी प्रॉपर्टी जब्त करने या नीलामी करने की कोई कार्रवाई नहीं कर सकेगा।

जब तक कि आयोग के पास में केस पेंडिंग रहता है तो किसान के विरुद्ध किसी भी तरह की कोई भी वाद आवेदन अपील और याचिकाओं पर रोक रहेगी।

'राजेंद्र गुढ़ा को शांति धारीवाल ने मारी लात'

चित्तौड़गढ़ विधायक आक्या बोले- आंखों के सामने हुआ सब, गवाही देने के लिए हूं रेडी

चित्तौड़गढ़, 30 जुलाई (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या का एक बड़ा बयान सामने आया है। विधायक ने प्रदेश सरकार के मंत्रियों और विधायकों पर आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता राजेंद्र गुढ़ा के साथ सदन में हुई मारपीट को लेकर उन्होंने अपना आंखों देखा हाल बयान किया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के नेता को उन्हीं के पार्टी के मंत्री ने लात मारी और विधायकों ने मारपीट की। इतना ही नहीं गुढ़ा को मारने में सदन में मौजूद गार्ड भी पीछे नहीं रहे। विधायक आक्या ने कहा कि जरूरत हुई तो वो गवाही देने को भी तैयार है।

मंत्री शांति धारीवाल ने गुढ़ा को मारी लात

प्रदेश में ही नहीं बल्कि चित्तौड़गढ़ में भी लाल डायरी का मुद्दा छाया हुआ है। विधायक आक्या ने लाल डायरी दिखाते हुए सबके सामने एक बड़ा बयान दिया है। पिछले दिनों कांग्रेस नेता राजेंद्र गुढ़ा ने लाल डायरी दिखाने की कोशिश की थी, तो सदन में उनके साथ मारपीट हुई और साथ ही उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया। उस समय सदन में राज्य के सभी विधायक और मंत्रीगण मौजूद थे। जिन्होंने सब कुछ अपनी आंखों से देखा था। ऐसे में विधायक आक्या ने भी अपना आंखों देखा हाल सबको बताया।

उन्होंने बताया कि विधानसभा में मेरे आंखों के सामने कांग्रेस नेता राजेंद्र गुढ़ा के साथ मारपीट की गई है। राजेंद्र गुढ़ा ने सदन में रिक्वेस्ट की कि यह डायरी मैं टेबल में रख दू, लेकिन मंत्री शांति धारीवाल ने उनको लाते मारी है और अमीन कागजी ने उनके साथ मारपीट की है। इसके अलावा भी बहुत सारे कांग्रेस सरकार के मंत्री और विधायक थे, जिन्होंने मारपीट की है।

कोई कमजोर आदमी होता तो धारा 307 लगा देता

उन्होंने बताया कि नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ और हम सभी भाजपा विधायकों ने उन्हें छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन उन लोगों ने एक नहीं सुनी। इतना ही नहीं, गार्डों ने भी राजेंद्र गुढ़ा के साथ बदतमीजी और मारपीट की है। विधायक आक्या ने कहा कि मैं सोच सकता हूं कि राजेंद्र गुढ़ा मजबूत आदमी है, कोई कमजोर आदमी होता तो कांग्रेस के मंत्रियों और विधायकों पर धारा 307 लगा देते। यह सारी परिस्थितियां मेरे सामने हुई है और मुझे कहीं पर भी गवाही देने की जरूरत पड़ी तो मैं जरूर दूंगा। आगामी 4 महीने बाद ही विधानसभा चुनाव होना है। विधायक आक्या द्वारा लगाए गए सभी आरोपों के बाद यह कहा जा सकता है कि प्रदेश में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। चुनाव की तैयारियां अब साफ दिखने लगी है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया ताजिया, 3 की मौत

करंट फैलने से 4 युवक हुए थे घायल, कर्बला ले जाते समय हादसा

धौलपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। धौलपुर में मोहर्रम का ताजिया दफनाने जा रहे 4 युवक करंट की चपेट में आ गए। करंट की चपेट में आने से 3 युवकों की मौत हो गई है, जबकि एक युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। चारों युवक अपने कंधे पर इस्लामपुरा का पंचायती ताजिया लेकर शेरगढ़ किले के पास कर्बला जा रहे थे।

हादसा रविवार सुबह करीब आठ बजे हुआ। दरअसल, इस्लामपुरा का ताजिया मोहर्रम के अगले दिन सुबह कर्बला में सुपुर्द-ए-खाक किया जाता है। इसलिए रविवार सुबह ताजिया लेकर युवा निकले थे, लेकिन ताजिया ऊंचा होने की वजह से 11 हजार केवी के तार की चपेट में आ गया।

हादसे में इस्लामपुरा और शैतानपुरा के रहने वाले युवक मुबीन (25) पुत्र दिलशान, अबरार (19) पुत्र मुनव्वर, रिहान (18) पुत्र साबिर और वसीम (18) पुत्र दिलशाद करंट की चपेट में आ गए। चारों को धौलपुर के जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों की टीम ने 1 घंटे तक चारों को सीपीआर दी। इसके बाद एक युवक वसीम को होश आ गया, लेकिन तीन की मौत हो गई।

उधर, हादसे के बाद हॉस्पिटल के बाहर तनाव की स्थिति बन गई। बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग अस्पताल के बाहर चौराहे पर प्रदर्शन किया। लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने ताजियों को दफनाने के लिए जल्दबाजी की थी। इस जल्दबाजी में मोहल्ले के युवा ताजिए को लेकर चले गए और रास्ते में उनके साथ हादसा हो गया। मरने वाले 2 युवक दिहाड़ी मजदूर थे, जबकि एक पढ़ाई करता था।

प्रदर्शन की सूचना पर एसपी मनोज कुमार के साथ कलेक्टर और करीब 8 थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय नेताओं और मुस्लिम समाज के लोगों की समझाइश के बाद भी प्रदर्शनकारी नहीं माने। एसपी ने 2 कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर दिया, जबकि बिजली विभाग ने 2 जूनियर इंजीनियर और 1 लाइनमैन को सस्पेंड किया है। वहीं, मृतकों के परिवारों को 5 लाख रुपए मुआवजे का आश्वासन के बाद लोगों ने जाम खोल दिया।

'पूर्व मुख्य सचिव की पत्नी तक पहुंचा रिश्वत का पैसा'

बेनीवाल बोले- गुढ़ा को गंभीरता से नहीं लेता, वे टूल बन रहे हैं

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के संयोजक और सांसद हनुमान बेनीवाल ने बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा, सचिन पायलट और बीजेपी पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा- मैं राजेंद्र गुढ़ा जैसे नेताओं को गंभीरता से नहीं लेता हूं। बार-बार अपने बयान पलटते हैं। पहले बसपा से उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा। फिर से वह बसपा में चले गए और फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए। जब पायलट को उनकी जरूरत थी। तब वह पायलट के साथ नहीं थे। अब पायलट और बीजेपी के नेताओं के कहने से लाल डायरी जैसे मुद्दे उठाकर वह टूल बन रहे हैं। बेनीवाल जयपुर में शनिवार को मीडिया से बात कर रहे थे।

बेनीवाल ने कहा- लाल डायरी को मुद्दा बनाकर राजस्थान की जनता को असली मुद्दों से भटकाया रहा है। प्रधानमंत्री भी अपनी सभा में लाल डायरी का जिक्र कर रहे हैं। जबकि उसकी हकीकत और वास्तविकता का पता किसी को नहीं है। कल को इसी तरह कोई नीली या फिर पीली डायरी भी सामने आ जाएगी।

इन डायरियों से कुछ नहीं होने वाला। उस डायरी में क्या है, यह जानना जरूरी है। मुझे लगता है कि अगर इस तरह की किसी डायरी की जांच होगी तो उसमें न सिर्फ कांग्रेस बल्कि बीजेपी के नेताओं का नाम भी शामिल होगा।

सांसद ने कहा- राजस्थान में हालात बद से बदतर हो चुके हैं। महंगी बजरी की वजह से आम से खास सभी परेशान है। सरकार के संरक्षण में खुलेआम लूट मची हुई है। इस लूट में न सिर्फ कांग्रेस बल्कि बीजेपी के नेता भी शामिल है। राजस्थान में हो रही प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लगातार लीक हो रहे हैं।

आरपीएससी से लेकर कर्मचारी चयन आयोग तक जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। बाबूलाल कटारा से लेकर गोपाल केसावत तक युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। करोड़ों रुपए में पेपर बेचे जा रहे हैं। इसकी वजह से पढ़ लिख कर तैयारी करने वाले राजस्थान के युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है।

पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य की पत्नी तक रिश्वत का पैसा पहुंचा

राजस्थान प्रशासनिक सेवा इंटरव्यू मामले में भी कांग्रेस ने सिर्फ पर्दा डालने का काम किया है। जबकि आरपीएससी मामले में राजस्थान के पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य की पत्नी तक रिश्वत का पैसा पहुंचा है। सिर्फ कांग्रेस बल्कि बीजेपी भी इस मामले पर चुप्पी साधे बैठी है।

बेनीवाल ने कहा- राजस्थान में अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। क्राइम के मामले में राजस्थान ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ पहला स्थान हासिल कर लिया हैं। लोकसभा में दूसरे प्रदेशों के सांसद भी मुझसे पूछते हैं। तुम्हारे राजस्थान में इतने अपराध कैसे हो रहे हैं।

वसुंधरा और गहलोत के गठबंधन ने प्रदेश की जनता को लूटने का काम किया

राजस्थान में पिछले 30 सालों से वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत के गठबंधन ने प्रदेश की जनता को लूटने का काम किया है। विधायकों की खरीद-फरोख्त तक सभी मामलों में दोनों दलों के नेता मिले हुए हैं। कांग्रेस और बीजेपी दोनों दलों ने जनता को बेवकूफ बनाकर सिर्फ भ्रष्टाचार किया जा रहा है। लेकिन राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी इस भ्रष्टाचार के खिलाफ हर मोर्चे पर अपनी आवाज बुलंद करेगी।

कल से फिर तेज बारिश का अलर्ट : 12 साल बाद बही जयपुर की नदी

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में हुई अच्छी बारिश से अजमेर, जयपुर, टोंक समेत कई जिलों के बांध छलक गए। शनिवार देर रात जयपुर, अलवर, भरतपुर के अलावा उत्तरी राजस्थान के गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर एरिया में तेज बारिश हुई।

राज्य में लगातार हो रही बारिश ने मानसून के सीजन का 85 फीसदी कोटा पूरा कर दिया। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक 1 अगस्त से एक बार फिर बारिश तेज होगी। पिछले 24 घंटे में सीकर, सवाई माधोपुर, करौली, झुंझुनूं, जयपुर, हनुमानगढ़, दौसा, अलवर और गंगानगर जिलों में तेज बारिश हुई।

अजमेर में हो रही बरसात के बीच रविवार सुबह चामुंडा माता मंदिर जाने वाली रास्ते की सड़क का एक हिस्सा ढह गया। इससे मंदिर का यातायात बाधित हो गया। वहीं, लगातार हो रही बरसात के कारण आनासागर झील से पानी की निकासी की जा रही है। बीते 24 घंटों में रविवार सुबह तक 25 एमएम बरसात दर्ज की गई है। सीकर के दांतारामगढ़ में 170मिमी बरसात होने से कई जगह पानी भरा गया, इससे हालात खराब हो गए। सवाई माधोपुर के बामनवास में 100, झुंझुनूं के गुढा गौड़जी में 120, नवलगढ़ में 101, उदयपुरवाटी में 99, करौली के कुडगांव में 102, जयपुर के कालवाड़ में 95, हनुमानगढ़ के गोलूवाला में 98मिमी बारिश से कई इलाको में घुटनों तक पानी भर गया। तेज बारिश से हुई पानी की आवक से अजमेर के आनासागर बांध के गेट खोलकर पानी छोड़ा गया। राजसमंद का स्वरूप सागर, अजमेर के गोविंदगढ़ और शिवसागर, टोंक का मानसागर अरिनिया बांध पर चादर चलने लगी है। जयपुर में शनिवार हुई बारिश के बाद कालवाड़, जोबनेर एरिया में 12 साल से सूखी पड़ी बांडी नदी में पानी बहता दिखाई दिया। आखिरी बार साल 2011 मं बांडी नदी में पानी आया था।

इस नदी का पानी जोबनेर के पास कालख बांध में जाता है। नदी में पानी बहने से यहां के किसानों फायदा होगा। ग्राउंड वाटर का लेवल बढ़ेगा और आगामी खरीफ की फसल को भी फायदा होगा। श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ में शनिवार को तेज बारिश के कारण प्रेमनगर के वार्ड नंबर 8 में लगभग 10 मकान गिर गए। इनमें से कुछ की छत तो किसी की दीवार गिर गई। 3 मकान पूरी तरह धराशाई हो गए। पीड़ित परिवार के लोगों ने बताया कि बरसात मैं मकान गिर जाने के कारण सड़क पर ही भूखे प्यासे रहकर रात बिताई।

यहां नेता भी नहीं जाते: कालीतीर पहली बार चुनेगा विधायक-सांसद

आजादी के बाद से सड़क-पानी-बिजली नहीं

धौलपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। धौलपुर जिले में मप्र बॉर्डर पर चंबल किनारे बसा है मल्लाहों का करीब 600 की आबादी का गांव कालीतीर। यूं तो इसे भी भारत की तरह आजाद हुए 75 साल हो गए, लेकिन यहां की महिलाएं और बुजुर्ग पहली बार अपना विधायक और सांसद चुनेंगे। कारण यहां की दुर्गम स्थितियां। पहली बार इस गांव में पोलिंग बूथ बना है। अब तक इनको वोट देने 7 किमी दूर मदनपुर जाना पड़ता था, लेकिन इस दूरी को पैदल तय करने में डेढ़ घंटे से भी ज्यादा लगता है। हालांकि सरपंच के चुनाव में प्रत्याशी यहां के निवासियों को बूथ तक ले जाने की व्यवस्था करते हैं, लेकिन विधायक-सांसद के चुनाव में जवान पुरुष ही वोट देने पहुंच पाते थे। गांव में 500 से ज्यादा वोट हैं।

इस गांव के लिए निकली तो धौलपुर से सरमथुरा और मदनपुर तक हर चौराहे पर यही चेतावनी दी गई कि आप गलती कर रहे हैं, कालीतीर मत जाइये, फंस जाओगे। बारिश आ गई तक तो तीन-चार दिन तक वहां से निकलना संभव नहीं है। गांव से तीन किमी पहले हमें भी अहसास हो गया कि चेतावनी सही थी। गाड़ी वहीं छोड़नी पड़ी। वहां से पैदल ही

चलकर पहुंचे।

बुजुर्ग जसवंत मल्लाह अपनी पुरानी कहानी बताते हैं- एक बार धौलपुर पुलिस उनके बेटे को हथियारों के साथ पकड़कर चंबल के रास्ते ले जा रही थी। बेटा बीच नदी में चप्पुओं को फेंककर चंबल में कूद गया। नाव में बैठी पुलिस वहीं फंसी रह गई। बाद में धौलपुर पुलिस ने पिता जसवंत को पकड़ लिया। ग्रामीणों का जीवन खेती और मवेशियों पर ही निर्भर है। बात करते हुए बताते हैं कि एक साल पहले ट्रांसफार्मर फुंक गया, तब से बिजली नहीं आई। न इस गांव में सड़क है, न अस्पताल, न बिजली और न पानी। आज भी कुंओं से खींचकर ही पानी पीते हैं। झिरी सरपंच संजू जादौन ने वहीं नया ट्रांसफार्मर लगवाने का आश्वासन दिया तो ग्रामीणों ने कह दिया कि साहब बिना बिजली तो काम चल जाएगा, आप तो सड़क बनवा दो।

झरने में नहाते दो इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स डूबे

चित्तौड़गढ़, 30 जुलाई (एजेंसियां)। रावतभाटा के पाड़ाझर झरने में नहाने गए दो इंजीनियरिंग स्टूडेंट शनिवार को डूब गए। वे अपने 18 अन्य साथियों के साथ कोटा से घूमने आए थे। साथियों ने पुलिस और सिविल डिफेंस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर दोनों की तलाश की जा रही है। हादसा आज सुबह 11 बजे का है। कोटा स्थित राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के 20 इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स पाड़ाझर झरने के इलाके में घूमने आए थे। 2 स्टूडेंट्स रस्सी के सहारे झरने में नहाने उतरे थे। इस दौरान बीटेक सेकेंड ईयर के स्टूडेंट सौरभ सियाग (झुंझुनूं का रहने वाला) के हाथ से रस्सी छूट गई। उसका साथी सीकर निवासी लक्ष्य छापरवाल बचाने गया। वह भी फिसल गया। दोनों गहरे पानी में पहुंच गए। इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला है। बाकी स्टूडेंट्स ने पुलिस को सूचना दी। सभी स्टूडेंट बीटेक सेकेंड ईयर के हैं। मामले की जानकारी पर रावतभाटा पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम पहुंची थी। टीम ने दोनों की तलाश शुरू की। एसडीआरएफ कोटा की टीम भी पहुंची है। दोनों नहीं मिले तो रविवार सुबह 6 बजे से वापस रेस्क्यू अभियान शुरू किया जाएगा।

लुटेरी गैंग पकड़ी : 2 महीने में की लूट की वारदातें, पुलिस के लिए बने थे सिरदर्द

पाली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सोजत रोड और सोजत थाना पुलिस की संयुक्त टीमों ने चोरी नकबजनी व लूट करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सोजत रोड sho उर्जाराम ने बताया की मामले में राकेशकुमार पुत्र जोगाराम बावरी, जितेन्द्र नाथ पुत्र किशोर नाथ और सुमेर पुत्र होमाराम मेघवाल जैतारण के गरनिया गांव के हैं। तीनों दोस्त हैं और नशा करने के आदी हैं। तीनों ने 2 माह में जैतारण, सोजत व सोजतरोड थाना इलाके में लूट की 14 वारदात की। एसपी डॉ. गगनदीप सिंगला ने बताया कि 3 जुलाई को सोजतरोड में उदाराम सीरवी के बन्द मकान का दिन में ताला तोड़कर लगभग 500 ग्राम सोना, 03 किलो चांदी व 05 लाख 50 हजार नकदी चोरी की वारदात हुई। 16 जुलाई को तीन दुकानों के शटर तोड़1 लाख 18 हजार ले गए। 20 जुलाई को सवराड में हेमाराम माली के यहां से आभूषण, 52 हजार रुपए व बाइक चुराई।

लॉरेंस गैंग से हूं, 30 लाख का इंतजाम कर ले

मैनेजर को धमकी- वॉट्सऐप पर हथियार का फोटो, लिखा- ये गोलियां बजेंगी

अलवर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मैं लॉरेंस गैंग से हूं...30 लाख रुपए का इंतजाम कर लेना...मुझे बार-बार बोलने की आदत नहीं है...वरना तुझ पर और तेरे घर पर गोलियां बजेंगी...ये तेरी फोटो है और यह तेरा घर है। ये हथियार हमारे पास हैं...ये गोलियां वॉट्सऐप पर भेज दी हैं।

अलवर शहर में शनिवार सुबह 11.30 बजे को रुद्राक्ष मार्बल कंपनी के मैनेजर ओमप्रकाश गुप्ता (43) पुत्र रामस्वरूप गुप्ता को इस तरह की

धमकी वॉट्सऐप कॉल कर दी गई। बदमाश ने खुद को लॉरेंस ग्रुप का मेंबर बताकर 30 लाख रुपए की रंगदारी मांगी। मजाक समझकर मैनेजर ने फोन काट दिया तो उसने वॉट्सऐप पर मैनेजर, उसके मकान, शोरूम और हथियारों की फोटो के साथ एक वीडियो भेजा। दावा किया कि वीडियो में लॉरेंस गैंग के मेंबर हैं। तस्वीरें भेजकर कहा कि ये तू है, तेरा घर है, तेरी दुकान है, जो गोलियां दिखाई दे रही हैं वो तुझ पर और तेरे घर पर बरसेंगी। इसके बाद मैनेजर घबरा गया। उसने एसपी आनंद शर्मा को वे तस्वीरें, धमकी भरे मैसेज भेजे। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। साथ ही एनईबी थाने में मामला दर्ज कराया।

भाजपा नेताओं ने सड़कों पर मछली पकड़ कर किया विरोध प्रदर्शन

कहा, कोनप्पा के शासन के काल में सड़क तालाब जैसी

सिरपुर कागजनगर, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के नेता डॉ. पालवाई हरीश बाबू को जब इस बात की जानकारी मिली कि मंडल के ईज़गांव आर एंड बी मुख्य चौराहे पर पिछले तीन महीनों से सड़क पूरी तरह से नष्ट हो गई है और सड़क पर वर्षा का पानी तालाब जैसे भर गई है, तो उन्होंने आज विरोध प्रदर्शन किया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इन सड़कों पर बने गड्ढों में मछली पकड़ कर विरोध जताया।इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. पालवाई हरीश बाबू ने कहा कि यह मुख्य आरएंडबी सड़क पिछले 15 वर्षों में कोनेरू कोनप्पा द्वारा किये गये विकास का प्रमाण है।उन्होंने कहा कि यह बुरा है कि जन प्रतिनिधि इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस सड़क के रखरखाव के लिए तत्काल सड़क की मरम्मत कर सड़क सुविधा बहाल करने की मांग की गयी। दुय्यबट्टा ने कहा कि अगर विपक्ष विरोध करेगा तो न तो कोनेरू कोनप्पा और न ही कोनेरू कृष्णा लोगों की समस्याओं के बारे में नहीं सुन रहे है। इस कार्यक्रम में भाजपा राज्य परिषद सदस्य श्री कालिदास मजुंधर, सरपंच दोतुला श्रीनिवास, मंडल अध्यक्ष रणवीर विश्वास, सोशल मीडिया संयोजक अमित विश्वास, राकेश रॉय, विजय घरामी, बुधर रॉय, हरिदास मंडल, अनिल जैन, लोनारे रविंदर और अन्य ने भाग लिया।

ठंड और गीले मौसम के बीच फॉलिक्यूलर कंजंक्टिवाइटिस बढ़ा

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मौजूदा खराब मौसम की स्थिति गुलाबी आंख यानी फॉलिक्यूलर कंजंक्टिवाइटिस के मामलों में वृद्धि के लिए आदर्श स्थिति पैदा कर रही है। नेत्र रोग विशेषज्ञों की माने न केवल तेलंगाना, बल्कि देश भर में फॉलिक्यूलर कंजंक्टिवाइटिस मामलों में वृद्धि देखी जा रही है, जिसका मुख्य कारण ठंड और गीला मौसम है। फॉलिक्यूलर कंजंक्टिवाइटिस विभिन्न प्रकार के होते हैं। ये एडेनोवायरस जैसे वायरस के एक विशेष समूह के कारण होता है। फॉलिक्यूलर कंजंक्टिवाइटिस असुविधाजनक हो सकता है, यह आम तौर पर दृष्टि के लिए खतरा नहीं है, और ज्यादातर मामले स्थायी प्रभाव के बिना ठीक हो जाते हैं। हालाँकि, जटिलताओं को रोकने के लिए समय पर उपचार और उचित देखभाल महत्वपूर्ण है। उनका कहना है कि यह सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है, लेकिन छोटे बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग इस स्थिति के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। वर्तमान मौसम की स्थिति के कारण हवा में नमी और नमी बढ़ गई है, जो बैक्टीरिया और वायरस के पनपने के लिए आदर्श है। परिणामस्वरूप, एडेनोवायरस फैलने और अंततः आबादी के एक बड़े वर्ग को संक्रमित करने के लिए आदर्श स्थितियां ढूंढ रहा है। उन्होंने कहा, हालांकि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, वरिष्ठ सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से उचित सावधानी बरतने का आग्रह किया है और यदि वे संक्रमित हो जाते हैं, तो निर्धारित उपचार का पूरी लगन से पालन करें। डॉ. कपिल देव उपाध्याय का कहना है कि संक्रमित व्यक्तियों को परिवार के अन्य सदस्यों और समुदाय से अलग रहना चाहिए। बार-बार हाथ धोना, आंखों को बार-बार छूने और व्यक्तिगत वस्तुओं को साझा करने से बचें। सहायक चिकित्सा, गर्म सेक, चिकनाई देने वाली आई ड्रॉप, दर्दनाशक दवाएं लेते रहना चाहिए और एंटीबायोटिक्स व स्टेरॉयड से स्वयं उपचार न करें। इसके लक्षण लालिमा, खुजली, आंखों से अत्यधिक स्राव, प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता और कुछ मामलों में, इसके परिणामस्वरूप बुखार और गले में हल्का दर्द हो सकता है।

अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने मंत्री का आभार जताया, किया सम्मान

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के जामबाग डिवीजन में यूसुफियान बाबा दरगाह की पिछली तरफ आलिया मस्जिद के पास सीवरेज समस्याओं को मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के निर्देश पर सुलझा लिया गया। आज बधाई देने के लिए स्थानीय लोग गोशामहल नेता एम. आनंद कुमार गौड़ के नेतृत्व में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से शिष्टाचार मुलाकात की तथा उनका आभार जताते हुए सम्मान किया। गौरतलब है कि पिछले दो माह पूर्व भारी बारिश के कारण स्थानीय क्षेत्र में बाढ आ गई थी तथा इस समस्या को जब मंत्री के संज्ञान में लाया गया था, तब मंत्री ने 18.5 लाख स्वीकृत कराये थे। मंत्री ने अल्पसंख्यक महिलाओं से दनकी अन्य समस्याओं के बारे में पूछा तथा बताया कि सरकार हमेशा आप लोगों के साथ है। यह भी उल्लेख किया गया है कि अल्पसंख्यक ऋण भी प्रदान किये जा रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार अल्पसंख्यकों का समर्थन करेगी। मंत्री के आश्वासन पर महिलाओं ने खुशी जताई। इस अवसर पर मोहम्मद अहमद, मोहम्मद सलीम, सैयद अजीज, मोहम्मद गौस, शेख जहांगीर, यूसुफ पटेल, खाजा, शेख साजिद, शेख खलील, सैयद असद, मोहम्मद माजिद, मोहम्मद अमीर, मिराज अहमदुल्ला बेग, शेख इकत, अल्ताफ अनवर, शेख आजम, शेख नासिर, शेख अज़हर, सैयद रियाज़, सबाना बेगम, बानो बेगम, ताहिर बेगम, अख्तर बेगम, बीबी बेगम, फ़ोज़िया बेगम और अन्य ने भाग लिया।

दूसरी अग्निवीर सेना भर्ती रैली 1 से 8 सितंबर तक खम्मम में

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय सेना सरदार पटेल स्टेडियम, खम्मम, तेलंगाना में ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) (17 से 26 अप्रैल 2023 तक आयोजित) उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों के लिए 1 से 8 सितंबर 2023 तक अग्निवीर भर्ती रैली आयोजित करेगी। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के प्रवेश पत्र ई-मेल के जरिए भेज दिए गए हैं। उम्मीदवारों को अपने प्रवेश पत्र में उल्लिखित समय और तारीख पर रैली स्थल पर रिपोर्ट करना आवश्यक है। सभी उम्मीदवारों को रैली अधिसूचना में उल्लिखित दस्तावेजों का एक पूरा सेट लाना आवश्यक है। अपूर्ण दस्तावेजों वाले उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का सावन की सेल आयोजित

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच द्वारा रिमझिम बारिश की फुहारों के संग 80 महिलाओं के सानिध्य में वरंगल में सावन की सेल बड़े ही उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाई गई। प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि कनक दुर्गा माता मंदिर, बशीरबाग से डॉ.दिलीप पंसारी एवं मोहित चीचान ने दो बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसी क्रम में अध्यक्षा दीपा गर्ग ने अतिथियों का शॉल भेंट कर सम्मान किया एवं सभी महिलाओं का भी सम्मान किया। वरंगल निवासी बनवारीलाल, सरोज और उनके परिवार के सदस्यों ने अग्र महिला मंच के सदस्याओं का स्वागत किया। संयोजिका मधु गोयल एवं सीमा गर्ग ने सभी को गेम्स खिलाया, विजेता ज्योति अग्रवाल, गीता तिवारी, मंजू खेतान, सुमन अग्रवाल, किरण अग्रवाल,योगिता अग्रवाल को मंच की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए। तंबोला में जीतने वाले सभी को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में पायल अग्रवाल, शिवानी गोयल, सरला अग्रवाल, अमिता बगेडिया का भी काफी सहयोग रहा।

निस्वार्थ है भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता : अनिरुद्धाचार्य महाराज

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री धाम वृंदावन से पधारे विशिष्ट श्रीमद्भागवत कथावाचक अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने अपनी अमृतमय वाणी से आज श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन पंडाल में भक्त और भगवान के मिलन की अद्भुत चर्चा सुनाकर उपस्थित भक्तों की आंखों को नम कर दिया। कथा में बहिन बेटियों के लिए उनके उत्तम भविष्य के लिए समझाते हुए बताया कि किसी के झूठे प्रेम में पड़कर अपना चरित्र और अपना जीवन बर्बाद करने के पहले उन माता-पिता की इज्जत और उस भरोसे के बारे में भी सोचना जो वो आप पर करते हैं, आप भले ही ये समझे कि उन्हें क्या पता चलेगा, परंतु मेरी बहिनों उपर वाला सब देख रहा है, इसलिए कभी किसी के झांसे में आकर अपना चरित्र खराब मत करना। साथ ही अनेक महत्वपूर्ण रोंगटे खडे कर देने वाले प्रसंगों सुनाते हुए मित्र कैसा होना चाहिए कैसा नहीं ये भी बोले और भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की निस्वार्थ मित्रता की चर्चा से भाव विभोर कर दिया। मधुरमय कथा का श्रवणपान कराते हुए सबको बताया कि सच्चा मित्र वही है, जो अपने मित्र की परेशानी को समझे और बिना बताए ही मदद कर दे। परंतु आजकल स्वार्थ की मित्रता रह गई है। जब तक स्वार्थ सिद्ध नहीं होता है, तब तक मित्रता रहती है। जब स्वार्थ पूरा हो जाता है, मित्रता खत्म हो जाती है।

उन्होंने कहा कि एक सुदामा अपनी पत्नी के कहने पर मित्र कृष्ण से मिलने द्वारकापुरी जाते हैं। जब वह महल के गेट पर पहुंच जाते हैं, तब प्रहरियों से कृष्ण को अपना मित्र बताते है और अंदर जाने की बात कहते हैं। सुदामा की यह बात सुनकर प्रहरी उपहास उड़ाते हैं और कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का मित्र एक दरिद्र व्यक्ति कैसे हो सकता है। प्रहरियों की बात सुनकर सुदामा अपने मित्र से बिना मिले ही लौटने लगते हैं तभी एक प्रहरी महल के अंदर जाकर भगवान श्रीकृष्ण को बताता है कि महल के द्वार पर एक सुदामा नाम का दरिद्र व्यक्ति खड़ा है और अपने आपको आपका मित्र बता रहा है। द्वारपाल की बात सुनकर भगवान कृष्ण नंगे पांव ही दौड़े चले आते हैं और अपने मित्र को रोककर सुदामा को रोककर गले लगा लिया। ऐसा भावमय प्रसंग सुन वहां उपस्थित हजारों भक्तों की आंखों में आंसू आ गये। साथ सातों दिन की संपूर्ण कथा की पुनरावृत्ति के साथ मुख्य प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुए भक्त भगवान के मिलन और राजा परीक्षित के मोक्ष गमन के बारें चर्चा करते हुए बताया आज भी कोई व्यक्ति पूर्ण विश्वास के साथ कथा श्रवण करे तो वो भी मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। उसके बाद भावमय होकर विदाई भजन गाते हुए पूरे पंडाल को भाव विभोर कर दिया। साथ ही भावमय होकर सभी ने पूज्य व्यास जी का पूजन किया और दिव्य फूल होली के साथ आरती करते हुए कथा का विश्राम हुआ।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी ने की साप्ताहिक बैठक

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक सिकंदराबाद स्थित चेयरमैन दुर्गा प्रसादजी के कार्यालय में संपन्न हुई। विवाह संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया गया। सभा में उपस्थित अभिभावकों से उनकी राय जानी गई और सभी ने अग्रसेन बायोडाटा कमेटी के कार्य करने की प्रणाली पर संतुष्टि जताई। अग्रसेन बायोडाटा कमिटी के द्वारा अब तक 1450 के ऊपर संबंध पूर्ण हो चुके हैं। अवसर पर दुर्गा प्रसाद बंसल, श्रीमती संतोष देवी बंसल,पंकज कुमार संघी, सतनारायण मोदी, नरेश अग्रवाल, जयप्रकाश, अशोक, रामनारायण अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, गोपाल, महेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज उत्तरांचल नारी शक्ति शाखा द्वारा अन्नदान आज

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज उत्तरांचल नारी शक्ति शाखा का अधिक मास के अवसर पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन गांधी हॉस्पिटल के पास 31 जुलाई को 12.30 बजे से 2.30 तक अन्नदान किया जाएगा, जिसमे शाखा के सभी पधाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य सम्मिलित होंगी। महिला शाखा के सभी सदस्यों के सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया जायेगा।

तेरापंथ भवन में दो दिवसीय स्मार्ट गर्ल कार्यशाला शुरू

जिंदगी को रील नहीं रियल बनाएं : डॉ. मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन सिकंदराबाद में साध्वीश्री डॉ.मंगलप्रज्ञाजी के सानिध्य में तेरापंथ महिला मंडल एवं तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम द्वारा आयोजित स्मार्ट गर्ल कार्यशाला के उद्घघाटन सत्र में उपस्थित कन्याओं को संबोधित करते हुए साध्वीश्री जी ने कहा कि मैं आज इन कन्याओं में शक्ति,सामर्थ्य, संतुलन और सहिष्णुता का दर्शन कर रही हूं। चाह रही हूं कि ये गुण इन्हे संपन्न बनाएं। इन कन्याओं में अगली पीढ़ी के दर्शन कर रही हूं। कन्याओं को नए भविष्य का निर्माण करना है। नए संकल्पों के साथ नया प्रस्थान करना है। आज शिक्षा और केरियर सब कुछ नहीं है। विवेकपूर्ण जिंदगी जीना महत्वपूर्ण है। कन्या विकास पर हमारी सहमति है पर अपनी विशेष क्वालिटी का कभी भी विस्मरण नहीं करें। देख रहे हैं आज कन्याएं दुविधा के कारण गलत ट्रेक पर जा रही है। दो दिवसीय आयोजित यह महत्वपूर्ण कार्यशाला जिंदगी को बदलने वाला सिद्ध होगा। हमे यह विश्वास है। उन्होंने आगे कहा- आप खाली पुलाव न बनाए। अति कल्पना में न जाए। जैसा आप अपने लिए सोचते हैं वह सबको पसंद हो जरूरी नही है, इसे ना भूलें। ऐसा रील लाइफ में होता है रियल लाइफ में नहीं। जिंदगी को अनुभवों से आगे बढ़ाए। मात्र जॉब ही सब कुछ नहीं है। समाज और परिवार के संबंधों को निभाना परम कर्तव्य है। हर परिवार चिंतन करें। पढ़ाई और पैसो से ज्यादा महत्वपूर्ण पहलू है आपका परिवार। किचन लेस होम की कल्पना आज हावी हो रही है। यह जीवन का गलत निर्णय है यदि ऐसा है तो हंगर लैस पेट का निर्माण करें। चिंतन करें हमारी सांस्कृतिक धरोहर खत्म न हो। परंपराएं सुरक्षित रहे। अपने दायित्वों को समझे। हमारा तेरापंथ धर्म संघ अनुशासनात्मक और मर्यादित है। आवश्यकता है संघ के संस्कार भी आपके भीतर हो। भारत सरकार की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कहा था आज कामकाजी महिलाएं अपने पारिवारिक दायित्वो से कभी पीछे ना हटे। स्मार्ट गर्ल के लिए आयोजित यह कार्यक्रम आप सभी के लिए यादगार बने ,कार्यकारी बने। जागरूकता लाने वाले ऐसे कार्यक्रम आज के वक्त की जरूरत है। साध्वी श्री मंगलप्रज्ञाजी की पावन प्रेरणा से हैदराबाद स्तरीय यह स्मार्ट गर्ल कार्यशाला का उद्घाटन तेरापंथ भवन में हुआ। इस कार्यशाला में लगभग 90 से ज्यादा कन्याओं ने भाग लिया। महिला मंडल और टी पी एफ के आयोजकत्व में आयोजित कार्यशाला में बेंगलुरु से समागत दीपक धोका ने 5 सत्रों में विविध विषयो पर प्रशिक्षण दिया। साध्वी डा राजुलप्रभाजी ने विभिन्न गतिविधियों से बताया कि भविष्य में कन्याएं अपने जीवन को सही दिशा में किस तरह से मोडे। जिससे मंजिल पाने में बाधाएं न आए। कार्यक्रम के प्रारंभ में संभागी कन्याओं द्वारा महाश्रमण स्तुति से किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष कविता आच्छा ने स्वागत स्वर प्रस्तुत किया। मुख्य प्रशिक्षक बी जे एस के तेलंगाना राज्य अध्यक्ष श्री निर्मल जी सिंघवी ने कहा कि आज कैरियर का दौर चल रहा है। समाज में शिक्षा की पूरी व्यवस्था नहीं है। भारतीय जैन संघटना सामाजिक एवं राष्ट्रीय समस्याओं के लिए कार्य कर रहा है। आज पाश्चात्य संस्कृति की आग से अपनी बेटियां को बचाना है। कन्याओं के रूप में यह हमारा सुंदर भविष्य है। बेंगलुरु से समागत मुख्य प्रशिक्षक दीपक धोका ने कहा परिवार रूपी चमन को महकाने वाली पुस्प की तरह ये कन्याएं हमारे बीच में हैं। जरूरत है इनकी सुरभि को बढ़ाएं। क्या जरूरत है स्मार्ट गर्ल की दुनिया में ? समाज में ? और परिवार में? इसके समाधान के लिए एक प्रभावक प्रस्तुति कन्याओं द्वारा दी गई। जिसमें हर दर्शक के मन को छुआ। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष पंकज संचेती ने आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए साध्वी राजुलप्रभाजी ने कहा कन्याओं को सुपर बनना है, कलात्मक और प्रबंधात्मक जीवन जीना है।

वरंगल, हनमकोंडा, जीडब्ल्यूएमसी सीमा में बाढ़ से 414 करोड़ रुपये का नुकसान : येरांबेल्ली

वारंगल/हनमकोंडा, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री एर्राबेली दयाकर राव ने कहा कि वारंगल, हनमकोंडा जिलों और ग्रेटर वारंगल नगर निगम सीमा में बाढ़ से हुए नुकसान का प्रारंभिक आकलन 414 करोड़ रुपये है। वारंगल जिले को 89 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, हनामकोंडा जिले को 146 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और जीडब्ल्यूएमसी सीमा में 179 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया गया। बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए 36 राहत केंद्रों के माध्यम से 4,668 लोगों को सहायता प्रदान की गई है। इन केंद्रों में से सात वारंगल जिले में, चार हनमकोंडा जिले में और 25 जीडब्ल्यूएमसी सीमा के भीतर स्थापित किए गए हैं।

मंत्री ने हनमकोंडा में वारंगल, हनमकोंडा और जीडब्ल्यूएमसी सीमा के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान, उन्होंने महत्वपूर्ण विवरण साझा किए, जिसमें बताया गया कि कुल 38 बचाव टीमों ने 2,550 व्यक्तियों को सफलतापूर्वक बचाया। इसके अतिरिक्त, बाढ़ के कारण 207 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं, जबकि 480 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बाढ़ पीड़ितों को सहायता का आश्वासन देते हुए, मंत्री ने पुष्टि की कि सरकार उनके जीवन के पुनर्निर्माण में सहायता के लिए जल्द ही मुआवजा प्रदान करेगी। मौजूदा चुनौतियों के बावजूद, मंत्री दयाकर राव ने विपक्षी दलों से राजनीतिक लाभ के लिए बाढ़ की स्थिति का फायदा नहीं उठाने का आग्रह किया। आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, जीडब्ल्यूएमसी सीमा में 18 से 27 जुलाई तक 14 सेमी की रिकॉर्ड माप के साथ भारी वर्षा हुई। इस तीव्र वर्षा के कारण कुल 154 क्षेत्रों में बाढ़ आ गई, जिससे 18 क्षेत्र जलमग्न हो गए।

सेप्टिक टैंक की छत गिरने से दिहाड़ी मजदूर की मौत

मंचेरियल, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नासपुर मंडल केंद्र के कोयला रसायन परिसर में रविवार को सेप्टिक टैंक की छत गिरने से 28 वर्षीय एक दिहाड़ी मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। नासपुर के उप-निरीक्षक एम रवि कुमार ने कहा कि सीसीसी के पल्लकोंडा सुरेश की मौके पर ही मौत हो गई जब सेप्टिक टैंक के नीचे काम करते समय उसकी छत उनके ऊपर गिर गई। घटना के वक्त उसे एक निजी स्कूल प्रबंधन ने टंकी की सफाई के काम पर लगाया था।

सिंचाई टैंक में डूबा व्यक्ति, मौत

सूर्यापेट, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के जाजिरेड्डीगुडेम मंडल के रामन्नापेट में सिंचाई टैंक गुंडलागुंटा में एक व्यक्ति डूब गया। पीड़ित जाजिरेड्डीगुडेम गांव के पगिडिमारी राजू (40) की सिंचाई टैंक में दुर्घटनावश गिरने से मौत हो गई। वह रामन्नागुडेम में एक शराब की दुकान में काम करता था। पुलिस के मुताबिक, राजू नेचर कॉल में शामिल होने के बाद पैर धोने के लिए सिंचाई टैंक में गया था। वह गलती से सिंचाई टैंक में फिसल गया जिसके परिणामस्वरूप यह घटना हुई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तान में ...

जेयूआई-एफ कट्टर इस्लामी संगठन है और इसके तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अफगान तालिबान से करीबी रिश्ते हैं। लिहाजा इस बात की आशंका कम है कि इस इलाके में हमला तालिबान ने किया होगा। अब सवाल ये है कि अगर तालिबान ने हमला नहीं किया तो फिर इसके पीछे कौन है। पाकिस्तान सरकार और तालिबान के बीच बातचीत कराने में भी जमीयत चीफ मौलाना फजल-उर-रहमान का अहम रोल था। हालांकि बाद में यह बातचीत नाकाम हो गई थी।

इस साल कई अहम...

एस सोमनाथ ने कहा कि इस साल ही हम कई अहम मिशन को अंजाम देंगे। पीएसएलवी फिर से उड़ान भरेगा और अगस्त या सितंबर में हम फिर से पीएसएलवी मिशन को लॉन्च करेंगे। गगनयान का परीक्षण वाहन भी इस साल तैयार हो जाएगा, जिसे फिलहाल इंटीग्रेट किया जा रहा है। बता दें कि गगनयान प्रोजेक्ट के तहत इसरो तीन सदस्यों के क्रू को तीन दिन के मिशन के लिए 400 किलोमीटर दूर पृथ्वी की कक्षा में भेजेगा और फिर उन्हें सुरक्षित जमीन पर उतारेगा। क्रू सदस्यों की समुद्र में लैंडिंग होगी।

चंद्रयान-3 मिशन पर सभी की नजरें :

उल्लेखनीय है कि इसरो ने बीती 14 जुलाई को ही चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च किया है और इस मिशन के चलते सतीश धवन स्पेस सेंटर में काफी गतिविधियां चल रही हैं। चंद्रयान-3 मिशन को योजना के तहत एक अगस्त को पृथ्वी की कक्षा छोड़कर चांद की कक्षा में दाखिल होना है। चंद्रयान 3 मिशन को 23 अगस्त को शाम 5.47 बजे चांद की सतह पर उतरना है। एस सोमनाथ ने बताया कि हम इस साल एसएसएलवी को भी लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। साथ ही इनसैट-3डीएस के लिए जीएसएलवी को भी लॉन्च किया जाना है। बता दें कि एसएसएलवी इसरो का छठा लॉन्च वाहन है और अगस्त 2022 और इस साल फरवरी में इसकी डेवलेपमेंट उड़ानें हो चुकी हैं।

इंडिया गठबंधन नाराज...

ये नहीं भूलना चाहिए कि बीजेपी ने सिर्फ एनसीपी में दो फाड़ नहीं की है, बल्कि पीएम की तरफ से उस पार्टी को सबसे भ्रष्ट भी कहा गया है। अगर एनसीपी को इतना नुकसान दिया गया है, उनके प्रमुख को इस तरह से कार्यक्रम जाना शोभा देता है? पवार ऐसा कर सिर्फ अपनी छवि को धूमिल कर रहे हैं।

अब कांग्रेस भी अभी शरद पवार के जाने से ज्यादा खुश नहीं है, लेकिन उसकी तरफ से खुलकर कुछ भी बोलने से बचा जा रहा है। पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि ये शरद पवार का फैसला है, वहीं इस पर बेहतर बता पाएंगे। मेरे बोलने से अगर गठबंधन पर कोई असर पड़ेगा, ये ठीक नहीं। जानकारी के लिए बता दें कि लोकमान्य तिलक अवार्ड तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा दिया जाता है। बड़ी बात ये है कि इस संगठन के ट्रस्टी रोहित तिलक हैं जो खुद एक कांग्रेस नेता हैं।

बंगाल के पूर्व सीएम...

डॉक्टर्स की टीम रातभर उन पर नजर बनाए हुए थी।

बुद्धदेव भट्टाचार्य साल 2000 से 2011 तक बंगाल के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने 2015 में सीपीआई (एम) के पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 2018 में राज्य सचिवालय की सदस्यता छोड़ दी।

द्रविड़ ने एक्सपेरिमेंट स्ट्रैटजी का बचाव किया

कहा- विराट-रोहित को खिलाते तो सवालों के जवाब नहीं मिलते; आगे भी प्रयोग जारी रखेंगे

बारबाडोस, 30 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में एक्सपेरिमेंट करने की स्ट्रैटजी का बचाव किया। दूसरे वनडे में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों के बिना उतरी भारतीय टीम को 6 विकेट से हार झेलनी पड़ी। इस पर उन्होंने कहा, 'अगर रोहित-विराट को खिलाते तो वर्ल्ड कप से पहले हमें प्लेइंग-11 से जुड़े सवालों के जवाब नहीं मिल पाते।'

द्रविड़ बोले, 'हमारा फोकस फिलहाल एशिया कप और वर्ल्ड कप पर है, टीम तीसरे वनडे में भी एक्सपेरिमेंट करने से पीछे नहीं हटेगी।' भारत और वेस्टइंडीज के बीच 3 वनडे की सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। तीसरा वनडे एक अगस्त को सैन फ्रांसिस्को में खेला जाएगा।

दूसरा वनडे खत्म होने के बाद राहुल द्रविड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई अहम बातें कहीं।

विराट-रोहित को खिलाते तो जवाब नहीं मिलते

'वर्ल्ड कप से पहले प्लेयर्स ट्राय करने के लिए यही हमारा आखिरी मौका है। हमारे कुछ प्लेयर्स इंजर्ड भी हैं, जो NCA में

हैं। अगले महीने से एशिया कप और उसके बाद वर्ल्ड कप शुरू हो जाएगा। हमारे पास टाइम ज्यादा बचा नहीं है, हम उम्मीद कर रहे हैं कुछ खिलाड़ी एशिया कप और वर्ल्ड कप से पहले तक फिट हो जाएंगे। लेकिन हम उनके साथ चांस नहीं ले सकते हैं, अगर वे फिट नहीं हुए तो हमें बाकी खिलाड़ियों के साथ जाना होगा। इसलिए बेंच पर बैठे खिलाड़ियों को भी गेम टाइम देना जरूरी है।

इंटरनेशनल मैच में खिलाड़ियों को ट्राय करने से हमें भी उनके बारे में पता लगता है। एशिया कप से पहले ये हमारी आखिरी सीरीज है। विराट और रोहित को खिलाकर हम टीम के सामने खड़े सवालों का जवाब नहीं ढूंढ सकते थे। हमें कई बार विराट और रोहित जैसे खिलाड़ियों को बैठाकर नए खिलाड़ियों को ट्राय करने का रिस्क लेना ही होगा। अगर हम बड़े टूर्नामेंट पर नजर रखें तो इस तरह के एक्सपेरिमेंट करना बहुत जरूरी है।'

बाहर की बातों से फर्क नहीं पड़ता

'टीम के एक्सपेरिमेंट पर बाहर जो भी बातें हो रही हैं, उससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। टीम में सभी खिलाड़ी टैलेंटेड हैं। हम अपनी परफॉर्मेंस से थोड़े निराश जरूर हुए। पिच अच्छी थी, अगर हम 230-240 के आस पास स्कोर करते तो टारगेट अच्छा रहता। हमें शुरुआत अच्छी मिली, लेकिन हम उसे बड़े स्कोर में कन्वर्ट नहीं कर सके। मिडिल ऑर्डर में अगर कोई बैटर आखिर तक खेलता तो हम 60-70 रन ज्यादा बना पाते, जो टीम के लिए बेहतर रहता।

सीरीज 1-1 से लेवल होने पर भी हमारा मोटिव एशिया कप और वर्ल्ड कप पर ही है। इंजर्ड प्लेयर्स को देखते हुए हम बाकी खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मौके देना चाहते हैं।'

सूर्यकुमार यादव वनडे क्रिकेट सीख रहे हैं

'घरेलू क्रिकेट में सूर्यकुमार ने अच्छा परफॉर्म किया। उन्होंने IPL के जरिए बहुत सारा टी-20 क्रिकेट खेला है, उनकी प्रतिभा में कमी नहीं है, लेकिन वह फिलहाल वनडे क्रिकेट में ग्रो करना सीख रहा है। हम उन्हें वनडे वर्ल्ड कप से पहले जितने ज्यादा चांस हो सके, उतने देना चाहते हैं। वो अभी मिडिल-ऑर्डर में (वनडे में) किस तरह से बैटिंग करना सीख रहे हैं है।'

'शुभमन के बारे में मुझे ज्यादा चिंता नहीं है, वो अच्छी बैटिंग कर रहे हैं। हम हर मैच के बाद उनके फॉर्म पर बात नहीं कर सकते, ऐसी चीजें होती हैं। कंडीशन उतनी भी आसान नहीं थीं। शुभमन अच्छी बैटिंग कर रहे हैं, वह तीनों फॉर्मेट में टीम का अहम हिस्सा हैं। उम्मीद है रि वह त्रिनिदाद में अच्छा परफॉर्म करेंगे।'

ईशान किशन मौकों को अच्छे से भुना रहे

'ईशान अपने मौकों को भुना रहे हैं। एक युवा खिलाड़ी के रूप में सबसे पहले आपको यही करना होता है, आपको जितने भी मौके मिले आप उन पर परफॉर्म करें। हम सभी (खिलाड़ियों) को एक बार में मौके नहीं दे सकते, लेकिन फिर भी जितने मौके पॉसिबल हैं, हम खिलाड़ियों को उतना देना चाहते हैं।'

स्टुअर्ट ब्रॉड एक शानदार बॉलर

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने शनिवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा की। उन पर द्रविड़ बोले, 'वह एक शानदार बॉलर हैं। मुझे लगता है जेम्स एंडरसन के साथ उनकी पार्टनरशिप हमेशा याद की जाएगी।

दोनों ने इंग्लैंड टीम के गेंदबाजी आक्रमण की कमान करीब एक दशक से भी ज्यादा समय के लिए संभाली। 600 टेस्ट विकेट लेना और इतने ज्यादा मैच खेलना बहुत कमाल की बात है। मैं उम्मीद करता हूं कि वो अपना करियर अपने बेस्ट फेज में खत्म करेंगे।'

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2023

मनु भाकर ने जीते 2 गोल्ड

भारत 3 गोल्ड के साथ मेडल टैली में चौथे स्थान पर

बीजिंग

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारतीय एथलीटों चार मेडल मिले हैं। यूनिवर्सिटी गेम्स चीन के चेंगदू में हो रहा है। इवेंट के पहले दिन भारतीय एथलीटों ने 4 मेडल जीते। जिनमें तीन गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल है।

तीनों गोल्ड शूटिंग में आए

भारत को तीनों गोल्ड शूटरों ने दिलाए हैं। यूथ ओलिंपिक गेम्स में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीत चुकी मनु भाकर ने दो गोल्ड मेडल जीते। भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल के इंडिविजुअल और टीम इवेंट में गोल्ड जीता। इसके अलावा 10 मीटर एयर राइफल में एलावेनिल वलारिवन भारत को तीसरा गोल्ड दिलाया।

239.7 अंकों के स्कोर के साथ विमेंस में मनु ने जीता गोल्ड

मनु भाकर ने विमेंस की 10 मीटर एयर पिस्टल में 239.7 पॉइंट के साथ गोल्ड जीता। जबकि हंगरी की सारा फैबिन ने सिल्वर जीता। वहीं चीनी ताइपे की यू जू चेन ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

10 मीटर एयर पिस्टल में विमेंस टीम ने जीता गोल्ड

10 मीटर एयर पिस्टल में विमेंस टीम ने गोल्ड मेडल जीता। इस टीम में मनुभाकर के अलावा यशस्विनी देसवाल और अभिदन्या पाटिल पाटिल शामिल थीं।

एलावेनिल वलारिवान ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता गोल्ड

वहीं महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में एलावेनिल वलारिवान ने भारत की झोली में गोल्ड डाला। जबकि यूएसए की मैरी टकर सिल्वर और चीन के हैंग झिंग ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

यामिनी मौर्य ने जूडो में जीता ब्रॉन्ज मेडल

वहीं जूडो में महिलाओं की 57 किलो वेट में यामिनी मॉर्या ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। वहीं इस कैटेगिरी में कोरिया की मिनी हब ने गोल्ड मेडल जीता।

भारत मेडल टैली में चौथे स्थान पर

भारत 3 गोल्ड और एक ब्रॉन्ज के साथ मेडल टैली में चौथे स्थान पर है। जबकि जापान 4 गोल्ड, 3 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज के साथ 8 मेडल लेकर टॉप पर है। वहीं चीन भी 4 गोल्ड 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज के साथ कुल 8 मेडल के साथ दूसरे और साउथ कोरिया भी इतने ही मेडल लेकर दूसरे स्थान पर है।

भारत 11 खेलों में ले रहा है भारत

28 जुलाई से 8 अगस्त तक चलने वाली वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में 18 खेलों का आयोजन किया जा रहा है। भारत ने 11 खेलों में भाग ले रहा है। जिनमें तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तलवारबाजी, जूडो, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, टेनिस और वॉलीबॉल शामिल है। वुशू टीम भी प्रतिस्पर्धा करने वाली थी लेकिन बाद उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया।

पानीपत पुलिस ने कनाडा में मचाई धूम

वर्ल्ड पुलिस और फायर गेम्स में हेड कॉन्सटेबल संतोष शर्मा को सिल्वर, पिछले साल मिला था गोल्ड

पानीपत, 30 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत जिले की हेड कांस्टेबल संतोष शर्मा ने कनाडा में हुई वर्ल्ड पुलिस एवं फायर गेम्स में जिले का ही नहीं, बल्कि प्रदेश और देश का नाम एक बार फिर रोशन किया है। संतोष ने कुश्ती प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में प्रतिद्वंदी को पूरी टक्कर दी, लेकिन आखिरी क्षण में वह कुछ प्वाइंट से हार गई।

संतोष शर्मा को सिल्वर पदक से संतोष करना पड़ा, लेकिन इतने कड़े मुकाबले में सिल्वर मेडल जीता, इससे संतोष ही नहीं, बल्कि पानीपत और हरियाणा पुलिस में खुशी का माहौल है। हालांकि संतोष ने इसी प्रतियोगिता में पिछले साल नीदरलैंड में गोल्ड मेडल जीता था।

जब खेल में उतरीं, तब झेला था विरोध

हरियाणा के पानीपत जिले के गांव सिवाह निवासी रामनिवास शर्मा ने अपनी बेटी संतोष को वर्ष 2002 में अखाड़े में उतारा था। उस समय ग्रामीणों से लेकर रिश्तेदारों तक के विरोध का सामना करना पड़ा। आज उसी

बेटी ने देश का गौरव बढ़ाया है। संतोष की इस उपलब्धि पर पूरा गांव खुश है। कुश्ती खिलाड़ी संतोष शर्मा, पिता के साथ 2002 में दंगल देखने गई थी, जहां पर लड़कियों को कुश्ती करते देखा। इसके बाद उसे पद्मश्री मास्टर चंदगीराम के अखाड़े में छोड़ दिया गया, जहां से उसने प्रतियोगिताओं में भाग लेना शुरू किया। तब साथ में पिता और मां सरोज देवी जाते थे। एक साल के अंदर संतोष नेशनल चैंपियन बन गई। सितंबर 2003 में खेल कोटे से हरियाणा पुलिस में सिपाही के पद पर भर्ती हुई। 2005 में बलाना गांव निवासी अनिल गौतम से शादी की। वह इंडियन रेसलिंग की कोच भी रह चुकी हैं।

इतने मेडल जीतने के बाद भी सिर्फ हेड कांस्टेबल

संतोष इससे पहले ऑल इंडिया चैंपियनशिप, इंडिया फेडरेशन, सीनियर और जूनियर नेशनल में 14 गोल्ड समेत 45 पदक जीत चुकी हैं। संतोष बताती हैं कि उन्हें हर कदम पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लोग मेडल जीतने के बावजूद मनोबल तोड़ते थे, लेकिन इतने मेडल जीतने के बावजूद आज भी हेड कांस्टेबल हैं।

14 गोल्ड समेत 45 पदक कर चुकी अपने नाम

संतोष ने अगस्त 2017 में US के कैलिफोर्निया में विश्व पुलिस गेम्स में 63 किलोग्राम में स्वर्ण और प्लस 75 किलोग्राम में कांस्य पदक जीते। 2019 में चीन में हुई विश्व पुलिस गेम्स में सिल्वर मेडल जीता। इससे पहले संतोष ऑल इंडिया कुश्ती चैंपियनशिप में 4, इंडिया फेडरेशन कप में 4, सीनियर नेशनल में 3, जूनियर नेशनल में 3 स्वर्ण पदक सहित 45 पदक जीत चुकी हैं। संतोष शर्मा ने बताया कि 2012 से 2014 में लखनऊ में इंडिया कैंप में ओलिंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक, गीता फोगाट, बबीता फोगाट, गीतिका जाखड़ और ललित को कोचिंग दे चुकी हैं।

संतोष की बेटी भी कुश्ती में कर रही कमाल

संतोष की बड़ी बेटी कीर्ति (15) और छोटी प्रीत 4 साल की है। जब वह कुश्ती का अभ्यास करती है तो पति अनिल गौतम बेटियों की देखरेख करते हैं। अब बेटी कीर्ति को भी कुश्ती की खिलाड़ी बना रही है। कीर्ति स्कूल लेवल पर नेशनल और इंटरनेशल में गोल्ड जीत चुकी है।

चेन्नई लायंस ने पुनेरी पलटन को 11-5 से हराया

अल्टीमेट टेबल टेनिस के चौथे सीजन के फाइनल में प्रवेश किया

पुणे, 30 जुलाई (एजेंसियां)। स्टार भारतीय खिलाड़ी अचंता शरत कमल ने टाई के चौथे मैच में मानुष शाह का सामना किया और जीत के लिए आवश्यक आठवां अंक हासिल किया।

मौजूदा चैंपियन चेन्नई लायंस ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए अल्टीमेट टेबल टेनिस सीजन 4 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। चेन्नई की टीम ने शनिवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में पुनेरी पलटन टेबल टेनिस 8-3 से हराया। अब चेन्नई फ्रेंचाइजी सुपर संडे को होने वाले फाइनल में गोवा चैलेंजर्स से भिड़ेगी और अपना खिताब बचाने की कोशिश करेगी।

स्टार भारतीय खिलाड़ी अचंता शरत कमल ने टाई के चौथे मैच में मानुष शाह का सामना किया और जीत के लिए आवश्यक आठवां अंक हासिल किया। युवा खिलाड़ी ने शुरुआत में ही हैरान देने वाले शॉट लगाए और पहला गेम 11-5 से अपने नाम कर लिया। इसके बाद हालांकि शरत कमल ने शानदार वापसी की और दूसरा गेम 11-5 से जीत लिया। इसी के साथ चेन्नई लायंस लगातार दूसरी बार लीग के

फाइनल में पहुंच गई।

इससे पहले, बेनेडिक्ट डूडा ने 2018 आईटीटीएफ अफ्रीकी-कप चैंपियन उमर अस्सर के खिलाफ हुए मुकाबले का पहला मैच, जो कि पुरुष एकल था, 3-0 से जीतकर चेन्नई लायंस को बेहतरीन शुरुआत दी।

दुनिया के 32वें नंबर के खिलाड़ी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अपने बेहतरीन फोरहैंड का अच्छा इस्तेमाल करते हुए पहला गेम 11-5 से अपने नाम किया और फिर दूसरा गेम भी 11-7 से जीत लिया। तीसरे गेम में डूडा अपने शॉट्स पर पूरी तरह नियंत्रण में दिखे और उन्होंने इसे 11-6 से जीतकर बड़ी जीत दर्ज की।

यांग्जी लियू ने सीजन 4 में अपने अपराजित लय को जारी रखते हुए हाना माटेलोवा को 2-1 से हराया और मुकाबले में मौजूदा चैंपियन टीम की बढ़त को और मजबूत कर दिया।

ऑस्ट्रेलियाई पैडलर को पहले गेम में संघर्ष करना पड़ा क्योंकि हाना ने अपने बैकहैंड पर शानदार नियंत्रण दिखाते हुए इसे 11-3 से जीत लिया। इसके बाद हालांकि यांग्जी ने जोरदार वापसी की और दूसरे गेम को 11-8 से जीतकर मैच को निर्णायक गेम में डाल दिया। इसमें भी उन्होंने 11-7 से जीत दर्ज की।

दिन के तीसरे मैच जो कि मिश्रित युगल था, में शरत कमल और यांग्जी ने मानुष शाह और हाना को 2-1 से हराया और मुकाबले में चेन्नई लायंस की बढ़त 7-2 कर दी। शरत और यांग्जी ने मैच की शुरुआत सकारात्मक इरादे से की। उन्होंने दोनों तरफ से शानदार नियंत्रण दिखाते हुए पहला गेम 11-4 से जीता, जबकि मानुष और हाना ने दूसरा गेम 11-9 से जीता। मैच का तीसरा गेम 11-6 से चेन्नई लायंस की जोड़ी के पक्ष में गया।

अफगानी प्लेयर सेदिकुल्लाह ने एक ओवर में 7 छक्के लगाए

19वें ओवर में 48 रन बने; गायकवाड भी लगा चुके हैं 7 सिक्स

खेल डेस्क, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के सेदिकुल्लाह अटल ने काबुल प्रीमियर लीग 2023 के 10वें मैच में एक ओवर में सात छक्के लगाए। टूर्नामेंट का 10वां मुकाबला शाहीन हंटर्स और अबासिन डिफेंडर्स के बीच 29 जुलाई (शनिवार) को काबुल के अयोबी क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया।

अबासिन डिफेंडर्स ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया था। इस मुकाबले में शाहीन हंटर्स के कप्तान सेदिकुल्लाह अटल 56 गेंदों पर सात चौकों और 10 छक्कों की मदद से 118 रन बनाकर नाबाद रहे। अटल ने शाहीन हंटर्स की पारी के 19वें ओवर में

आमिर जजई की गेंदों पर कुल सात छक्के लगाए। उस 19वें ओवर में कुल 48 रन आए। शाहीन हंटर्स 20 ओवर में छह विकेट पर 213 रन बनाए। जवाब में अबासिन डिफेंडर्स 18.3 ओवर में 121 रन पर ऑल आउट हो गई। हंटर्स को 92 रन से जीत मिली। ओवर की पहली गेंद नो बॉल रही जिस पर अटल ने छक्का जमाया। इसके बाद अगली गेंद वाइड रही। अगली छह गेंदों पर जजई ने लगातार छह छक्के लगाए।

गायकवाड भी एक ओवर में लगा चुके हैं सात छक्के

भारतीय बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड भी एक ओवर में सात छक्के लगाने का कमाल कर चुके हैं। उन्होंने 2022-23 विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान एक ओवर में सात छक्के लगाए थे। इस टूर्नामेंट का क्वार्टर फाइनल मुकाबला महाराष्ट्र और यूपी के बीच खेला गया था। गायकवाड ने शिवा सिंह की गेंद पर यह कमाल किया था। उन्होंने इस ओवर में एक नो बॉल पर भी छक्का लगाया था।

महिला फुटबॉल विश्व कप 2023

फ्रांस ने ब्राजील को 2-1 से हराया

ब्रिसबेन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मैच के खत्म होने में सात मिनट बचे थे तब फ्रांस की रेनार्ड ने हेडर से गोल कर टीम को 2-1 से उपयोगी बढ़त दिलाई जो मैच के अंत तक कायम रखी। सेल्मा ने कॉर्नर से गेंद रेनार्ड को पास की और उन्होंने इसे गोल पोस्ट में भेजने में कोई गलती नहीं की।

कप्तान वेंडी रेनार्ड के उपयोगी गोल की मदद से फ्रांस ने शनिवार को महिला फुटबाल विश्वकप के ग्रुप-एफ में 2007 की उप-विजेता टीम ब्राजील को 2-1 से हरा दिया। यह फ्रांस की ग्रुप-एफ में पहली जीत है। इस जीत के बाद फ्रांस की टीम को तीन अंक मिले। टीम ने ग्रुप में अपना पहला मैच जमैका के साथ 0-0 से ड्रॉ खेला था। वहीं, ब्राजील ने अपने पहले मैच में पनामा को 4-0 से शिकस्त दी थी।

ईजुनेयी ली सोमेर 13वें मिनट में गोल करने से चूक गई थीं, लेकिन फिर उन्होंने 17वें मिनट में गोल करने में कोई गलती नहीं की। उन्होंने बॉक्स के अंदर से हेडर से गोल दागकर फ्रांस का मैच में खाता खोला। पहले हाफ में फ्रांस की टीम 1-0 से आगे रही। हालांकि दूसरे हाफ में ब्राजील की टीम ने वापसी करने में ज्यादा देर नहीं लगाई। ओलिविएरा 58वें मिनट में फ्रांस की खिलाड़ियों को चकमा देकर गोल करने में सफल रहीं और ब्राजील की मैच में वापसी करा दी। जब मैच के खत्म होने में सात मिनट बचे थे तब फ्रांस की रेनार्ड ने हेडर से गोल कर टीम को 2-1 से उपयोगी बढ़त दिलाई जो मैच के अंत तक कायम रखी। सेल्मा ने कॉर्नर से गेंद रेनार्ड को पास की और उन्होंने इसे गोल पोस्ट में भेजने में कोई गलती नहीं की।

इस मुकाबले को देखने के लिए करीब 50,000 प्रशंसक स्टेडियम में पहुंचे थे। स्वीडन ने शनिवार को यहां इटली को 5-0 से शिकस्त देकर फीफा महिला विश्वकप के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। स्वीडन की अमांडा इलेस्टेड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भी अमांडा ने 90वें मिनट में गोल करके टीम को 2-1 से जीत दिलाई थी। अमांडा ने 39वें मिनट में गोल कर स्वीडन को शुरुआती बढ़त दिलाई।

कर्मचारियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित कर रही है पावरग्रिड : के. श्रीकांत

पावरग्रिड अंतर क्षेत्रीय शतरंज टूर्नामेंट के विजेता सम्मानित

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, दक्षिणी क्षेत्र-I ने नगर में तीन दिवसीय "अंतर क्षेत्रीय शतरंज टूर्नामेंट-2023" का आयोजन किया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (पावरग्रिड) के. श्रीकांत इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और प्रतिभागियों के साथ विजेताओं को बधाई दी। समापन समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पावरग्रिड में विभिन्न खेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से कर्मचारियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की एक अच्छी परंपरा है। यह क्षेत्रों और उसके कर्मचारियों के बीच मित्रता विकसित करने का एक अवसर है, जो कामकाजी माहौल और विकास संगठन में सहयोग को सक्षम करेगा। राजेश श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक (दक्षिणी क्षेत्र-I), आलोक कुमार शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (परिसंपत्ति प्रबंधन), संजय कुमार गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं), पीके हरिनारायणन, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) साथ में वरिष्ठ अधिकारियों और टूर्नामेंट के मुख्य मध्यस्थ के साथ तेलंगाना राज्य शतरंज एसोसिएशन के श्री आर चंद्रमौली ने समापन समारोह में भाग लिया।

इस टूर्नामेंट में पावरग्रिड के सभी क्षेत्रों की टीमें, जिनमें पुरुष और महिला खिलाड़ी शामिल हैं, ने भाग लिया। 18 टीमों (11 पुरुष प्रत्येक टीम में 4 खिलाड़ी, % महिलाएं प्रत्येक टीम में 2 खिलाड़ी) ने पुरुष और महिला श्रेणियों में व्यक्तिगत और टीम खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा की। मैचों का संचालन और समन्वयन तेलंगाना राज्य शतरंज एसोसिएशन, हैदराबाद द्वारा किया गया।

वर्ल्ड स्विमिंग चैंपियनशिप: ऑस्ट्रेलिया के स्विमर्स ने रीले में तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड

फुकुओका, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जापान के फुकुओका में वर्ल्ड एक्वेटिक चैंपियनशिप खेली जा रही है। ऑस्ट्रेलिया की मिक्स्ड 400 मीटर फ्रीस्टाइल रिले टीम ने शनिवार को तैराकी की वर्ल्ड चैंपियनशिप में वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। टीम ने 3 मिनट, 18.83 सेकेंड का समय लेकर अमेरिका (3:20.82) और ब्रिटेन (3:21.68) को पीछे छोड़ते हुए गोल्ड मेडल जीता। दूसरी ओर अमेरिकी तैराक केटी लेडेकी वर्ल्ड चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा इंडिविजुअल गोल्ड मेडल (16) जीतने का रिकॉर्ड बनाकर एक बार फिर इतिहास की किताबों में शामिल हो गईं। उन्होंने हमवतन माइकल फेल्प्स (15) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। जैक कार्टराईट, काइल चाल्मर्स, शायना जैक और मोली ओकैलाघन की ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 3:19.38 के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा ।

भारी बारिश व बाढ़ से 16 लोगों की मौत : सत्यवती

मंत्री ने वर्षा पीड़ितों को दिया सरकार की ओर से सभी प्रकार की मदद का आश्वासन

मुलुगु, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जनजातीय कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने कहा कि भारी बारिश से कम से कम 16 लोगों की जान चली गई है, जिससे जिले के कई गांवों में भीषण बाढ़ आ गई है। इस आपदा के कारण जिले में संपत्तियों, फसलों और पशुधन को व्यापक क्षति हुई है। मंत्री सत्यवती राठौड़ ने कहा कि सबसे गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में कोंडाई, डोडला, मलयाला, मेडाराम, नरलापुर और प्रोजेक्ट नगर शामिल हैं, जहां कई घर बह गए और सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। रविवार को यहां जिला कलेक्टर इला त्रिपाठी और एसपी गौश आलम के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए 27 राहत केंद्र स्थापित किए हैं।

जान-माल की दुखद हानि और संपत्ति की तबाही के अलावा, मूसलाधार बारिश ने बुनियादी ढांचे को भी व्यापक नुकसान पहुंचाया है। कई पुल बह गए हैं और बिजली की लाइनें टूट गई हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में बिजली गुल हो गई है। सरकार बिजली आपूर्ति बहाल कर रही है और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कर रही है। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के प्रयास में, राज्य सरकार ने बाढ़ पीड़ितों को 10 दिनों का सूखा राशन वितरित किया है। वर्तमान में, 5,400 लोगों ने 27 राहत केंद्रों में शरण ली है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए, सरकार स्थिति स्थिर होने तक दो जोड़ी कपड़े, चादरें, तौलिये, साड़ियां, साथ ही घर की सफाई और खाना पकाने के बर्तन की आपूर्ति करेगी।

बारिश के कारण 805 टैंक और तालाब अपनी क्षमता तक पहुंच गए हैं, लेकिन उनमें से 72 या तो पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कुछ गांवों में टूटे खंभे और जले ट्रांसफार्मर के कारण बिजली आपूर्ति बाधित रहती है; हालाँकि, मरम्मत का काम पहले से ही चल रहा है। विशेष रूप से, बचाव प्रयासों ने मुत्यालधारा झरने पर 82 लोगों को बचाया है, और अन्य 55 व्यक्तियों को एनडीआरएफ टीम ने बचाया है, उसने कहा। चूंकि अधिकारी आपदा की सीमा का आकलन करना जारी रख रहे हैं, इसलिए प्रारंभिक रिपोर्ट सोमवार को राज्य कैबिनेट को सौंपी जाएगी।

एसपी रैंक के पुलिस अधिकारी पर पीछा करने और परेशान करने का मामला दर्ज

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चैतन्यपुरी पुलिस ने बिजली विभाग में काम करने वाली एक महिला का पीछा करने और उसे परेशान करने के आरोप में एसपी रैंक के एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया।

पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की कि अधिकारी किशन सिंह कुछ हफ्ते पहले सरूरनगर स्टेडियम में उससे मिले और उसका फोन नंबर ले लिया। बाद में उसने उसे अनुचित संदेश भेजना और लगातार फोन करना शुरू कर दिया। उसने कुछ मौकों पर उससे मिलने के लिए भी कहा। अधिकारी के खिलाफ आईपीसी की धारा 354ए (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच चल रही है।

कुशाईगुड़ा में सड़क दुर्घटना में दो की मौत

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह कुशाईगुड़ा में एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। पीड़ित क्रांति (33) और नरेश (23) मौला अली से कुशाईगुड़ा की ओर जा रहे थे, तभी वे सड़क के मध्य में टकरा गए। दोनों को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस को संदेह है कि वे तेज गति से जा रहे थे और उन्होंने बाइक को सड़क के मध्य में टक्कर मार दी। शवों को मुर्दाघर में स्थानांतरित कर दिया गया।

महिला ने तीन बच्चों को जन्म दिया

कर्नूल, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यहां के सरकारी अस्पताल में शनिवार को एक महिला ने तीन बच्चों को जन्म दिया। अस्पताल अधिकारियों के अनुसार, कृष्णागिरी की 35 वर्षीय मुन्नी ने 15 साल पहले अकबर बाशा से शादी की थी। पहले उसका गर्भपात हुआ और पांच साल पहले उसकी सामान्य डिलीवरी हुई। जब दोबारा गर्भधारण नहीं हुआ तो गायनिक विभाग में इलाज कराया। कुछ समय बाद वह गर्भवती हो गई और स्कैन से पता चला कि उसके गर्भ में तीन बच्चे हैं। डॉक्टरों ने उसका सावधानीपूर्वक इलाज किया और 5 जुलाई को डिलीवरी से 25 दिन पहले उसे भर्ती कर लिया और आवश्यक उपचार दिया। शनिवार को, उसने सी-सेक्शन के माध्यम से तीन बच्चों को जन्म दिया-एक बच्ची और दो बच्चे। उनमें से दो का वजन 2-2 किलोग्राम है, जबकि तीसरे बच्चे का वजन 1.5 किलोग्राम है। मां और बच्चे स्वस्थ हैं।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने किया बाढ़ प्रभावित मोरंचपल्ली का दौरा

मृतकों के परिजनों दिया सहायता का आश्वासन

भूपालपल्ली, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार को जिले के बाढ़ प्रभावित मोरंचपल्ली गांव का दौरा किया। मंत्री ने बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सहायता का आश्वासन दिया। रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार मृतकों के परिवारों को 3 लाख रुपये का मुआवजा देगी, साथ ही राज्य सरकार राहत प्रयासों में मदद के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष से 1 लाख रुपये जोड़ेगी। उनके साथ जिलाधिकारी भवेश मिश्र भी शामिल थे।

बारिश से नुकसान : केंद्रीय टीम करेगी तेलंगाना का दौरा

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सलाहकार कुणाल सत्यार्थी के नेतृत्व में एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम फसल क्षति का आकलन करने के लिए सोमवार से राज्य के बारिश प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगी। टीम में कृषि, जल शक्ति, वित्त, बिजली, सड़क परिवहन और राजमार्ग और राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग एजेंसी (एनआरएसए) के अधिकारी होंगे। अधिकारियों के मुताबिक, टीम भारी बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का मौके पर आकलन करेगी।

राज्य बीजेपी नेताओं ने की अमित शाह से मुलाकात

तेलंगाना के बाढ पीड़ित किसानों को मदद के लिए अपील की

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सांसद लक्ष्मण ने आज कहा कि तेलंगाना राज्य के पार्टी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें बताया कि तेलंगाना के किसान हाल की बारिश के कारण पीड़ित हैं। केंद्रीय गृहमंत्री से मुलाकात के बाद दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए लक्ष्मण ने कहा कि केंद्र राज्य में एक निरीक्षण दल भेजेगा और नुकसान की रिपोर्ट मिलने के बाद केंद्र की ओर से सहायता प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए, लक्ष्मण ने कहा कि उन्होंने आगामी चुनावों के लिए पार्टी के रोड मैप पर अमित शाह के साथ चर्चा की।

उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष का बदलाव तेलंगाना में इसे मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है और उन्होंने कहा कि बंडी संजय को उसी रणनीति के तहत राष्ट्रीय महासचिव के रूप में पदोन्नत किया गया है और कहा कि केवल बंडी संजय को दक्षिण राज्य से राष्ट्रीय टीम में जगह मिली। पार्टी के कुछ नेताओं के पार्टी छोड़ने पर टिप्पणी करते हुए लक्ष्मण ने कहा कि अगर एक व्यक्ति पार्टी छोड़ेगा तो चार भाजपा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि वे राज्य में भ्रष्ट शासन को समाप्त कर देंगे। कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि वह अलग तेलंगाना राज्य संघर्ष के दौरान 1600 तेलंगाना शहीदों की आत्महत्या के लिए जिम्मेदार है और कहा कि लोग इसके बारे में भूले नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दल जनता का पैसा बर्बाद करने के उद्देश्य से संसद में काम कर रहे हैं। विपक्षी दल, जिन्होंने घोषणा की है कि वे मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं, चर्चा में सहयोग नहीं कर रहे हैं। लक्ष्मण ने कहा कि केवल मणिपुर में ही नहीं, लेकिन देश भर में महिलाओं और दलितों पर हो रहे हमलों पर बहस होनी चाहिए, तभी पार्टियों का असली रंग सामने आएगा।

छात्र की मौत के बाद नवोदय विद्यालय के प्रिंसिपल निलंबित

खम्मम, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पलेयर स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रिंसिपल ए. चंद्रबाबू को संस्थान में 12वीं कक्षा के एक छात्र की मौत के बाद सेवाओं से निलंबित कर दिया गया है। नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) हैदराबाद क्षेत्र के उपायुक्त टी. गोपाल कृष्ण ने शनिवार देर शाम जारी एक आदेश में कहा कि चंद्रबाबू को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और उन्हें एनवीएस क्षेत्रीय कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है।

गौरतलब है कि शनिवार को स्कूल के मुख्य प्रवेश द्वार पर एक धातु के फ्रेम पर लगे फ्लेक्सी बैनर को खड़ा करते समय बिजली का झटका लगने से पलैर मंडल के कोक्या थांडा के छात्र दुर्गा नागेंद्र (16) की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। छात्र 3 अगस्त से पलेयर नवोदय विद्यालय में होने वाली क्षेत्रस्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए फ्लेक्स लगाने में लगे हुए थे और 11 केवी बिजली आपूर्ति लाइन के संपर्क में आ गए।

भक्ति गायिका मालविका आनंद को अमेरिका से बुलावा

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की युवा शास्त्रीय और भक्ति गायिका मालविका आनंद को अमेरिकन प्रोग्रेसिव तेलुगु एसोसिएशन (एपीटीए) द्वारा गैस साउथ कन्वेंशन सेंटर, डुलुथ (अटलांटा), जॉर्जिया में , यूएसए, 1 से 3 सितंबर तक आयोजित होने वाले , 15 वें वर्ष एपीटीए कन्वेंशन 2023 के लिए आमंत्रित किया गया है। शास्त्रीय, भक्ति और फिल्म गायिका, मालविका आनंद एक ऑल इंडिया रेडियो ग्रेडेड आर्टिस्ट हैं, जिन्होंने दशहरा उत्सव के दौरान मैसूर पैलेस, टीटीडी ब्रह्मोत्सवम के दौरान तिरुमाला में नादा नीरजनम सहित कई प्रमुख कार्यक्रमों में प्रदर्शन किया है। वह आठ भाषाओं में गा सकती हैं और उन्होंने पूरे दक्षिण भारत में 500 से अधिक संगीत कार्यक्रम दिए हैं, और चार सीडी एल्बम भी रिकॉर्ड किए हैं। एपीटीए एक गैर-लाभकारी संगठन है जो अमेरिका और भारत में तेलुगु समुदाय के समर्थन और उत्थान के लिए समर्पित है।

आनन्द परिवार की ओर से परमपूज्य श्री आनन्दस्वरुपजी के जन्मजयन्ती के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि - नमन

हमारे आदर्श परम पूज्यनीय

श्रद्धेय स्व. श्री आनन्दस्वरुपजी अग्रवाल

आदर्शों के लिए जिये, धर्म हेतु अर्पित जीवन।
सदा सत्य का मार्ग चुना, स्वीकारों पावन वंदन॥
आपकी स्मृति सदैव संस्कारों को प्रोत्साहन करती है।

जन्मदिन : कलयुग संवत् 5038,
विक्रम संवत् 1993, शुक्रवार, दि. 31 जुलाई 1936
माह-श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी
वैकुण्ठवास : कलयुग संवत् 5121,
विक्रम संवत् 2076, सोमवार, दि. 9 दिसम्बर 2019
माह-मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वादशी

॥ जय श्री राम ॥

SINCE 1957

आनन्द स्पाईसेस

a quality product from A.P. PRODUCTS PVT. LTD

ANAND MASALA WARNING

It is hereby made known to all whom it may concern that the trade mark represented above had been invented, devised, originated and adopted by the predecessor-in-title of our clients, now known as **A P PRODUCTS PRIVATE LIMITED**, having their Registered Office at, Ground Floor, 8-2-293/82/J111/216/A, PH-3, Road No.78, Jubilee Hills, **HYDERABAD - 500 033**. Our Clients, by virtue of succession, are now the absolute proprietor of the trade marks duly Registered under the provisions of the Trade Marks Act, 1999 on all India basis in Class-30 starting with Registration Nos. 386785 & 386786, followed by many other registered adaptations of the same, in respect of **SPICES OF ALL KINDS**. All these registrations are valid and subsisting.

While so, it has come to our client's notice that **UNSCRUPULOUS** manufacturer and trader has been infringing, imitating and passing off the various adaptions of their registered trademarks and they accordingly filed relevant proceedings on the file of the VIII additional District Judge, Rangareddy, T.S. As a result one **YAGYANAND AGARWAL**, trading as **A P PRODUCTS**, of 18-7-445/1, 445/1A, 445/2, 445/6,7,8 & 9 Saraswati Nagar, Lalitabagh Road, Gowlipura Hyderabad - 500 053, **has by way of an INTERIM INJUNCTION ORDER** dated 11th November 2020 on IA No.447 in O.S. No. 283 of 2020, has been RESTRAINED from manufacturing, and selling and offering for sale. **SPICES OF ALL KINDS** either by himself, his servants, agents, under any identical, deceptively/phonetically similar to and/or a colourable imitation of clients' above REGISTERED TRADE MARKS and other registrations associated therewith. The said interim Injunction Order was RESTORED by the Hon'able HIGH COURT FOR THE STATE OF TELANGANA, HYDERABAD, after brief legal skirmishes, vide an Order dated 25/06/2021 on IA No.1 of 2021 in CRP NO.380 of 2021. The said Order is valid and subsisting as on date and the said **YAGYANAND / A P PRODUCTS** and his accomplices remain RESTRAINED from infringing and imitating and /or passing off the said Registered Trade Marks.

MANUFACTURERS, DISTRIBUTORS, STOCKISTS, RETAILERS & PRINTERS (PRESS OWNERS) dealing in such and cognate goods UNDER THE TRADE MARK "ANAND MASALA" IN ANY ADAPTATION are hereby **WARNED** that any disobedience of the above INJUNCTION ORDERS issued by HON'ABLE HIGH COURT FOR THE STATE OF TELANGANA, HYDERABAD shall amount to violation of the Injunction Orders leading for CRIMINAL PROCEEDINGS, **resulting in Police Raids, Arrests, Injunctions, Damages and Compensatory Damages.** **Let all persons govern themselves accordingly.**

Dated: December 22, 2021
Place: Hyderabad

Sd/- (V.K.SINHA) Advocate & Attorney
THE GLOBE TRADING COMPANY Trade Mark Attorneys & Advocates,
#5-9-93, No.208, 2nd Floor, Shakti Chambers, Chapel Road, HYDERABD - 500 001. T.S
Phone : 040 23232385, 23300342, Mobile 98480-34051

CAUTION !!! TAKE CARE
ORIGINAL PACK ఇదే ఒరిజినల్
A.P. PRODUCTS PVT. LTD.

డూప్లికేట్ ప్యాక్ కొని మోసపోకండి

DUPLICATE PACK BY A.P. PRODUCTS

వేదప్రకాష అగ్రవాల - 9849655105 వివేకానన్ద అగ్రవాల - 9848053144 విపులానన్ద అగ్రవాల - 9848885325 శివానన్ద అగ్రవాల - 9246351879

Registered Office
A.P. PRODUCTS PVT. LTD.
Jubilee Hills, BHAGYA NAGAR,
Hyderabad - 500 033 - TS, BHARAT (INDIA).

BHARATIYA ANAND G FOOD PRODUCTS
#18-7-445/10, Saraswathi Nagar,
Gowlipura, Bhagyanagar (Hyd) 500 053, T.S.,

A.P. PRODUCTS PVT. LTD.
#18-7-445/1, 1A, 2, 6,7,8,9 Saraswathi Nagar,
Gowlipura, Bhagyanagar (Hyd) 500 053, T.S.,

anandmasalaappltd@gmail.com
Customer Care: 1800-121-2139
www.anandmasala.com

REQUIRED DISTRIBUTORS AND MARKETING PERSONS. INTERESTED PERSON PLEASE MAIL TO : anandmasalaappltd@gmail.com, WITH ALL DETAILS

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.